ग्रन्थकर्त्ता का वक्तव्य ।

वास्तव में प्रस्तुत पुस्तक का आरम्भ उसी वर्ष हो गया था, जब मुझे देवनागरी-हाईस्कूल में भूगोल-अध्यापन का काम सौंपा गया था। "भूगोल" पत्र का जन्म भी इसलिए हुआ कि हिन्दी में भूगोल-सम्बन्धी साहित्य सुलभ हो सके। जब बिहार के कुछ स्कूलों ने हिन्दी को शिक्षा का माध्यम बनाया और इस विषय की अनुकूल पुस्तकें उपलब्ध न हो सकीं, तब श्रीमान् अध्यापक रामरत्नजी, भूतपूर्व परीक्षा-मन्त्री हिन्दी-साहित्य-सम्मेलन प्रयाग, श्रीमान् पंडित गङ्गादत्तजी पांडे बी० ए० बल्टी हेडमास्टर देवनागरी-हाईस्कूल मेरठ तथा बिहार के कई मित्रों ने हाईस्कूल के योग्य भूगोल की पाठ्य-पुस्तक शीघ्र ही समाप्त करने के लिए अनुरोध किया। भौगोलिक साहित्य-द्वारा विद्यार्थी-समाज की सेवा करने के लिए मैं निस्सन्देह अत्यन्त उत्सुक था। १९२६ ई० के जनवरी मास में आस्ट्रेलिया का विवरण पहले "भूगोल" में प्रकाशित हुआ। भिन्न भिन्न प्रान्तों के भूगोलाचार्यों ने इसे पसन्द किया। जब श्रद्धेय प्रोफ़ेसर कौशलकिशोर ने इस विवरण को भाषा और विषय की दृष्टि से हाईस्कूलपरीक्षा के लिए बहुत ही अनुकूल बताया, और ग्रन्थ पूरा करने की सम्मति दी, तब तो मुझे बड़ा ही प्रोत्साहन मिला। सौभाग्य से, इंडियन प्रेस के सुयोग्य मैनेजर ने पुस्तक को प्रकाशित करने का भार अपने ऊपर ले लिया और सभी तरह की सुविधा पहुँचाई।

भूमिका-लेखक श्रीमान् जे० सी० मैनरी एम० ए० पी० एच० डी० की सहायता से इस पुस्तक का प्रयोग करनेवाले अध्यापकों के लिए एक छोटी सी पुस्तक इंडियन प्रेस में प्रकाशित हो रही है। इसमें विशेष रूप से अध्यापन-शैली, खेतों की सैर का ढंग, प्रयोगात्मक कार्य, और नक़शा खींचना आदि कई बातों का उल्लेख रहेगा। मैं इन सब सज्जनों

INTRODUCTORY

विषय	पृष्ठ
एलास्का	... २८५
३५ सप्तम अध्याय	... २८६
संयुक्तराष्ट्र अमरीका	... २९९
३६ अष्टम अध्याय	... २९९
मेक्सिको	... २९९
३७ नवम अध्याय	... ३०५
मध्य अमरीका	... ३०५
दक्षिणी अमरीका	
३८ दशम अध्याय	... ३११
प्राकृतिक विभाग	... ३११
३९ एकादश अध्याय	... ३१८
जलवायु	... ३१८
वनस्पति	... ३२०
पशु	... ३२८
मनुष्य	... ३८९
४० द्वादश अध्याय	... ३३०
(राजनैतिक विभाग)	
वेनिज़्वेला	... ३३०
ब्रिटिशगायना	... ३३१
कोलम्बिया	... ३३२
पेरू	... ३३५
बोलिविया	... ३३७
चिली	... ३३९
अर्जेन्टाइना	... ३४३
यूरुग्वे	... ३४५
पैरगुवे	... ३४६
ब्राज़िल	... ३४६
चतुर्थ भाग	
अफ्रीका	
४१ प्रथम अध्याय	... ३५३

विषय	पृष्ठ
स्थिति विस्तार और बनावट	... ३५३
४२ द्वितीय अध्याय	... ३६६
जलवायु	... ३६६
वनस्पति	... ३६९
पशु	... ३७१
पेशे	... ३७२
राजनैतिक विभाग	... ३७३
४३ तृतीय अध्याय	... ३७६
एटलस प्रदेश	... ३७६
मराको	... ३७६
अलजीरिया	... ३७७
ट्यूनीशिया	... ३७८
ट्रिपली	... ३७९
४४ चतुर्थ अध्याय	... ३८०
सहारा	... ३८०
मिस्र	... ३८४
मिस्री सूडान	... ३८७
४५ पंचम अध्याय	... ३८८
झीलों का पठार	... ३८८
कीनिया कलोनी और यूगांडा	... ३८९
तंगनायका-प्रदेश	... ३९२
मुज़म्बीक़	... ३९५
मेडेगास्कर	... ३९६
एबिसीनिया	... ३९६
पश्चिमी सूडान	... ३९७
नाइजीरिया	... ३९८
ब्रिटिशगिनी-प्रदेश गेम्बिया-प्रदेश	... ३९९

विषय	पृष्ठ
सिअरालिओन, गोल्ड	४००
कोस्ट कलोनी	४००
कांगो	४०१
अङ्गोला	४०३
४६ षष्ठ अध्याय	४०५
दक्षिणी अफ्रीका	४०५
नैटाल	४०७
आरेंज फ्री स्टेट, ट्रान्सवाल	४०९
बेचुआनालैंड, बसूटोलैंड	४११
जुलूलैंड, स्वाजीलैंड, रोडेशिया	४१२
आस्ट्रेलिया	४१४
४७ सप्तम अध्याय	४१४
विस्तार	४१४
स्थिति	४१४
प्राकृतिक विभाग	४१[illegible]
खनिज	[illegible]
जलवायु	[illegible]
वनस्पति	[illegible]

विषय	पृष्ठ
पशु	४३१
मूलनिवासी	४३५
पेशे	४३७
राजनैतिक विभाग	४४१
न्यूगिनी	४४१
क्वीन्सलैंड	४४२
न्यूसाउथवेल्स	४४५
विक्टोरिया	४४८
टसमेनिया	४५०
साउथ आस्ट्रेलिया	४५२
नार्दनटेरीटरी	४५३
पश्चिमी आस्ट्रेलिया	४५३
न्यूज़ीलैंड	४५६
प्रशान्त महासागर के द्वीप	४६२
अनुक्रमणिका तथा कोष	१-१९
संसार के प्रसिद्ध स्थानों का तापक्रम और वर्षा	१-२

एशिया

प्रथम अध्याय

प्राकृतिक विभाग

विस्तार व स्थिति—[illegible]

एशिया महाद्वीप का लगभग आधा भाग डेढ़ हज़ार फ़ीट से ज्यादा ऊँचा है। ⅙ भाग तो प्रायः दो मील से ऊपर ऊँचा है। यदि सारा महाद्वीप समतल कर दिया जावे तो भी प्रत्येक भाग की ऊँचाई ३,००० फ़ुट रहेगी। बनावट के अनुसार एशिया निम्न भागों में बँटा हुआ है:—

(१) उत्तरी-पश्चिमी निचला मैदान—इसमें दुनिया का विशाल मैदान [illegible] से लेकर [illegible] तक फैला हुआ है। इस और साइबेरिया के मैदान के बीच में **यूराल** पहाड़ अधिक बाधक नहीं है। [illegible]

[illegible]

कास्पियन सागर और मेसोपोटामिया के बीच में पर्वतीय प्रदेश की चौड़ाई ३०० मील से भी कम है। पर पूरब में स्टेनोवाई और **नानलिंग** के बीच की दूरी ३,००० मील है। मध्य-एशिया के पहाड़ों की श्रेणियाँ योरप में भी चली गई हैं।

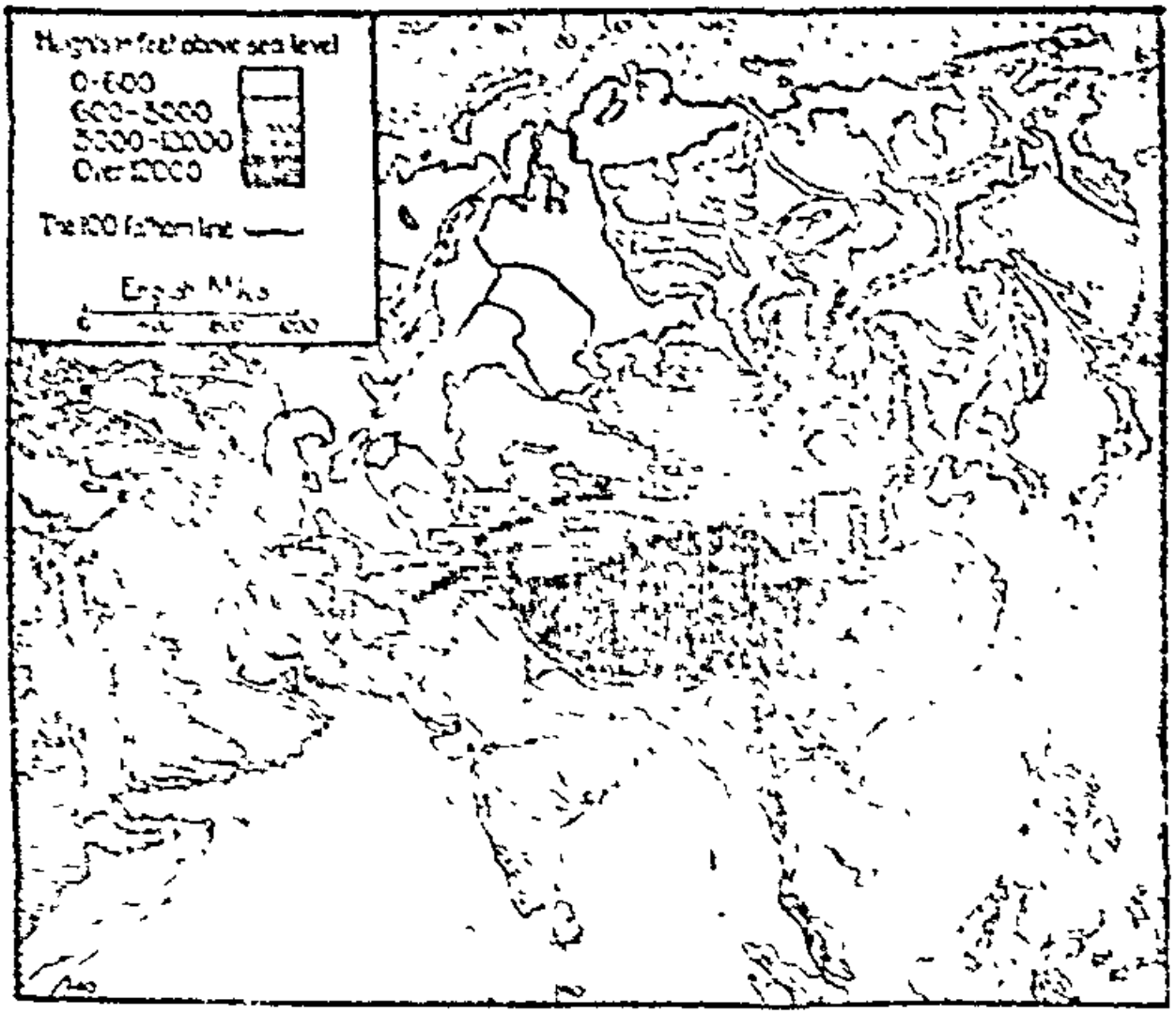

एशिया का भूतल

मध्यवर्ती पठार के उत्तरी पूर्वी सिरे बहुत घिस गये हैं। **अल्टाई** और **सायन** के उच्च प्रदेश साइबेरिया के मैदान को मंगोलिया के पठार से अलग करते हैं। मंगोलिया के पूर्व में जमीन के ऊँचे होते होते

द्वितीय अध्याय

नदियाँ—मध्यवर्ती पठार का आकार विशाल ८ कोण के समान है। इसलिए उत्तर की ओर बहनेवाली नदियाँ आर्कटिक सागर में गिरती हैं। पूर्वी नदियाँ अपना पानी प्रशान्त महासागर में पहुँचाती हैं। दक्षिण की ओर [illegible] नदियाँ हिन्द महासागर में गिरती हैं। भूमध्यसागर में कोई बड़ी नदी नहीं पहुँच पाती है। **अरलसागर, मरासागर, सीस्तान** और **लाइनार** [illegible]

आर्कटिक महासागर [illegible] बड़ी नदी

ओबी [illegible]

[illegible] **श** [illegible] **नीसी** [illegible]

[illegible] **लीना** [illegible]

[illegible]

आमू दरया [illegible] **सर दरया** [illegible]

[illegible]

[illegible] **अरलसागर** [illegible]

[illegible] **दजला** [illegible] **फरात**

[illegible]

[illegible] और बहुत सी छोटी छोटी नदियाँ पूर्व की ओर प्रशान्त महासागर में गिरती हैं। **अमूर** (२,००० मील) उत्तर में [illegible] पठार से निकलती है और **ओखटस्क** सागर में गिरती है। अमूर नदी साइबेरिया को मंचूरिया से अलग करती है। **ह्वांगहो** * या पीतनदी (२,३०० मील) और **यांग्टिसीक्यांग**, या नीली नदी (३००० मील) पूर्वी तिब्बत में क्वेनलून के हिमागार से निकलती है।

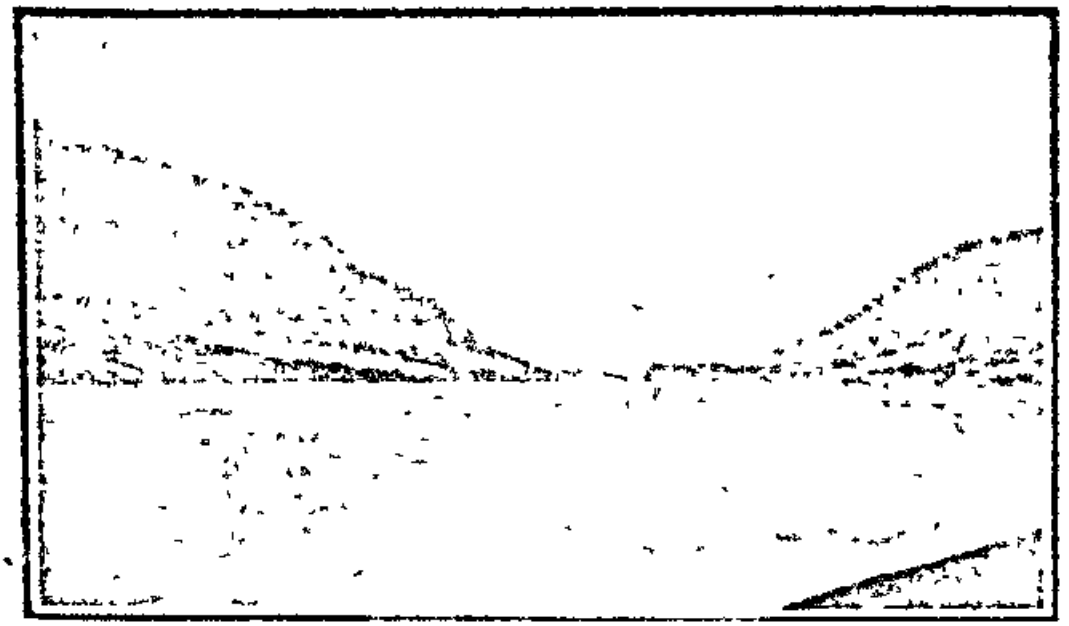

[illegible]

[illegible] **प्रशान्त महासागर** [illegible]

[illegible]

निचले भाग में किनारों पर बाँध बँधे हैं। इसका ऊँचा पथ बहुत टेढ़ा है। बाँध टूटने पर निचली भूमि बाढ़ से डूब जाती है और नदी एक नया मार्ग बना लेती है। सन् १८८७ ई० के पहले यह शांटंग प्रायद्वीप के दक्षिण में होकर पीले सागर में प्रवेश करती थी। उस साल इसने तटों को तोड़ डाला और दस लाख मनुष्यों को डुबा दिया। अब यह प्रायद्वीप के उत्तर में होकर समुद्र में गिरती है। इसका और भी प्राचीन इतिहास खोजने से इसके और भी अधिक मार्ग मिलेंगे। यांग्टिसी नदी में भी खूब बाढ़ आती है।

चतुर्थ अध्याय

वनस्पति, पशु और मनुष्य

वनस्पति :—विशाल आकार और विविध जलवायु होने के कारण एशिया में चार बड़े बड़े वनस्पति के कटिबन्ध हैं :—

(१) टुंड्रा।

(२) वन—(क) उत्तरी देवदारु के वन, (ख) पतझड़ के वन, जो शीतकाल में पत्तों से शून्य हो जाते हैं, (ग) सदा हरे-भरे रहने-वाले भूमध्य-सागर के निकटवर्ती प्रदेशों के वन, जहाँ सरदी में वर्षा होती है—और उन प्रदेशों के हरे-भरे वन, जहाँ गरमी में पानी बरसता है; (घ) दक्षिणी एशिया के उष्ण कटिबन्ध के वन।

(३) वृक्ष-रहित प्रदेश—(क) साइबेरिया, तूरान, मंचूरिया के रेतीले और ऊँचे पठार; (ख) कटीली झाड़ी के प्रदेश और रेगिस्तान; (ग) नानसूनी निचले प्रदेश।

(४) पर्वतीय प्रदेश, जहाँ भिन्न भिन्न ऊँचाई पर भिन्न भिन्न प्रकार की वनस्पतियाँ होती हैं, यहाँ तक कि अन्त में शाश्वतहिम प्रदेश आ जाता है।

एशिया का टुंड्रा प्रदेश भी योरप के टुंड्रा प्रदेश से कहीं बड़ा है। यहाँ केवल दो ही ऋतुयें होती हैं—(१) शरद ऋतु लम्बी अँधेरी और अत्यन्त ठंडी होती है। इसमें पौधे शयान करते हैं। (२) गरमी की ऋतु छोटी होती है। पर इसमें धूप लगातार रहती है। इसलिए पौधे बड़ी तेज़ी से उगते हैं। धरातल पर जमी हुई बरफ़ वसंत में पिघलती है। बर्फ़ गल जाने पर जहाँ भूमि निकल आती

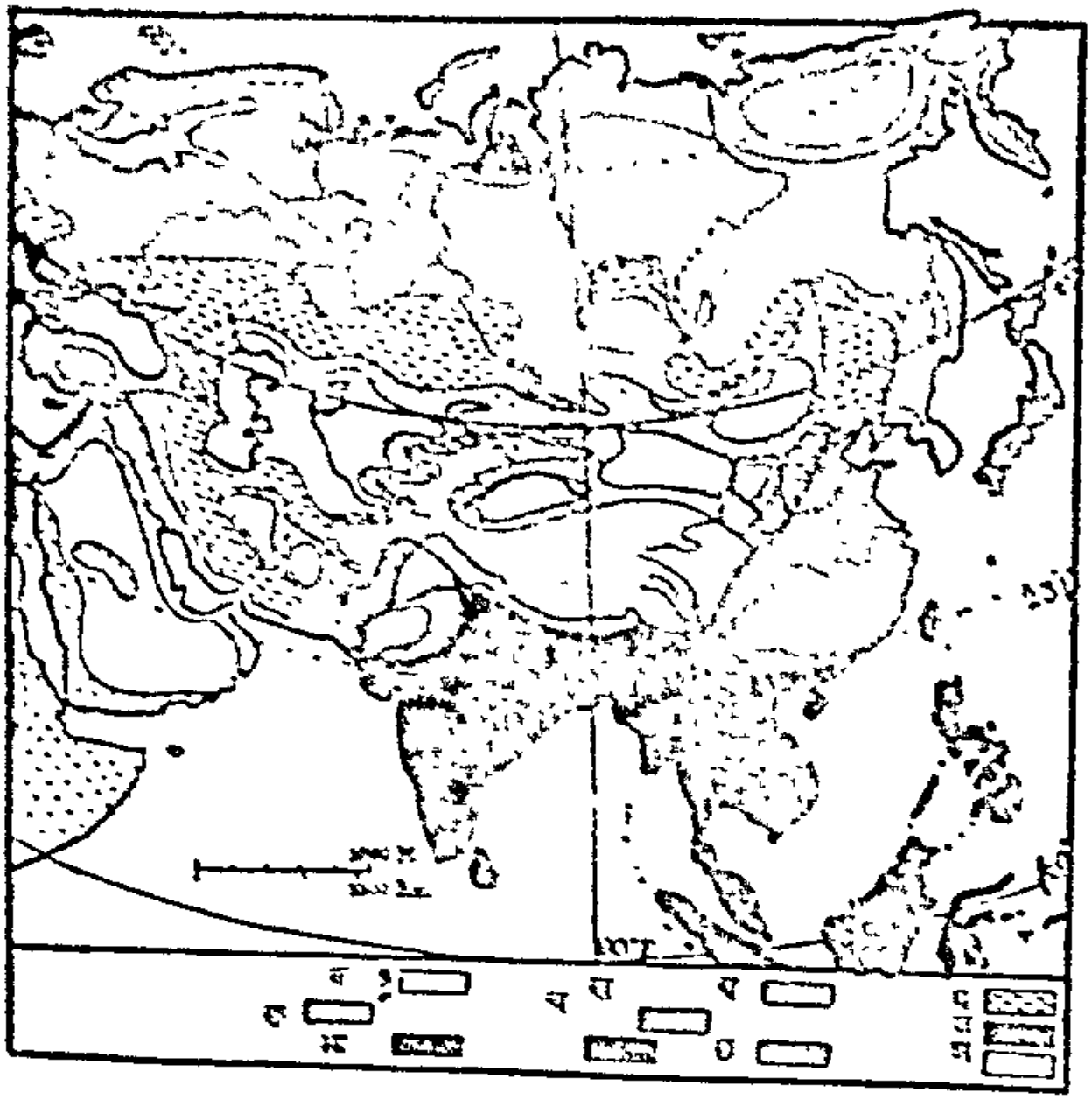

एशिया की वनस्पति

(क) टुंड्रा और ऊँचे पर्वत (ख) टैगा या देवदार के वन (ग) स्टेपी भूमि (घ) ऊँचे अर्द्धपर्णी वन (ङ) भूमध्यसागर के प्रदेश (च) ग्रीष्म कालीन वर्षा (छ) मानसून तथा भूमध्यरेखावर्ती वन (ज) सवाना (झ) वृक्षरहित प्रदेश (ञ) मरुभूमि

मसाले के पेड़ होते हैं। कुछ पेड़ों से दूध सा रस निकलता है। इससे रबड़ बनती है। रात को यहाँ जगनू की फौज उड़ती है, जो विचित्र आनन्द देती है।

भूमध्यरेखा से दूर केवल एक ऋतु में पानी बरसता है और दूसरी में सूखा रहता है। इसलिए यहाँ के पेड़ों और पौधों की ऐसी बनावट होती है कि वे सूखे को सह लेते हैं। इनका छाल मोटी और पत्तियाँ पत्रदार या मोटी होती हैं। फिर भी यहाँ के वन शीतोष्ण कटिबन्ध के वनों से अधिक घने होते हैं। ऊपरी ब्रह्मदेश और भारत के पश्चिमी घाट के वनों में सब से अधिक कड़ी और मूल्यवान् लकड़ी होती है इसे काट कर नदियों के द्वारा देश के निचले भागों में बहा लाते हैं।

उष्ण कटिबन्ध में वनस्पति भोजन अधिक है, पर यहाँ के घने जङ्गलों में बहुत से जानवरों के लिए घुसना दुर्गम है। यहाँ के मुख्य जानवर या तो पेड़ों पर रहते हैं या वे इतने भारी होते हैं कि वे अपने लिए रास्ता साफ कर लेते हैं। बन्दर और लंगूर पेड़ पर रहते हैं। उनकी लम्बी बाहें एक टहनी से दूसरी टहनी तक पहुँच जाती हैं। वे कूद कर उसे अपनी अँगुलियों और पूँछ से इतना मजबूत पकड़ लेते हैं कि धरती पर रहनेवाले जानवर देखकर दङ्ग रह जाते हैं। यहाँ के साँप झाड़ियों में बड़ी सुगमता से खिसक सकते हैं और पेड़ों पर भी चढ़ सकते हैं। चिड़ियों को भी वन का जीवन अनुकूल पड़ता है। इनमें अधिकतर कई प्रकार के तोते होते हैं। ये अक्सर हरे होते हैं, जिससे इनका रङ्ग वन के रङ्ग में मिल कर इनकी रक्षा करता है। बड़े बड़े जानवरों में हाथी और गैंडा मुख्य हैं। विशाल जङ्गली सूअर भी यहाँ पाये जाते हैं। यहाँ के कुछ जानवर शाकाहारी होते हैं जो फल या पत्ते खाते हैं और कुछ मांसाहारी होते हैं, जो दूसरों का मांस खाकर या रक्त चूस कर अपना निर्वाह करते हैं। बोर्नियो का विशाल औरङ्ग फल खाता है। चीता मनुष्यों और पशुओं को मारकर खाता है। खून चूस कर निर्वाह करनेवाले यहाँ बहुत से कीड़े मकोड़े होते हैं।

इसके सबसे ऊँचे भाग सदा हिम से ढके रहते हैं। यहाँ टुंड्रा के समान ही (गरमियों में) ऐसे पौधे होते हैं जिनका [illegible] बहुत कम रहता है।

पहाड़ी ढलानों में सहसा वर्षा के दिनों में घास निकल आती है। पर वर्षा रुकने पर वहीं सुदूर भागों की तरह [illegible] सूख जाती है। इसमें चरागाह थोड़े और बड़ी दूर-दूर हैं। कुछ मांसाहारी पशु भी हैं। उनका रंग बालू के समान भूरा होता है [illegible] ऊँट पाला जाता है। तिब्बत के ऊँचे पठार में ऊन के समान बड़े-बड़े बाल वाला याक होता है। यह ऊँचे से ऊँचे दर्रों को पार कर सकता है। इसका दूध [illegible] होता है जो खाया जाता है। यहाँ का एक [illegible] होता है।

खेती के पौधे—बहुत से प्राकृतिक विभाग धीरे धीरे जोते जा रहे हैं। पर सभ्यता की उत्पत्ति इतिहास पूर्व मनुष्यों ने निचले-वाली नदियों की घाटियों में होती है। मेसोपोटामिया और हिन्दुस्तान तथा चीन के मैदान इस समय में भी मनुष्य से आबाद थे जब योरप के सब भाग निर्जन थे। मनुष्य ने [illegible] में भी घर बनाना और बहुत जानवर भी पालने शुरू किये। [illegible] होने लगी है। तुर्किस्तान और [illegible] वन बहुत ही पहले से नष्ट हो चुके हैं। टैगा (साइबेरिया का वन) भी नष्ट हो रहा है।

एशिया में उपज का पहला आवश्यक वस्तु पानी है। सबसे पहले जब [illegible] से निकल ऋतु में मानसून वर्षा होता था अथवा नदियों में [illegible] पड़ जाता था। [illegible] मनुष्यों ने [illegible] के लिए पानी जमा करना और नहरों का खोदना आरम्भ किया। इस समय में सिंचाई की बड़ी-बड़ी नहरों के कारण पानी की [illegible] बढ़ गई है। ये नहरें सिंध और गंगा [illegible] ले जाती हैं। इसी प्रकार की नहरें [illegible] स्थान में [illegible] हैं। दजला और फ़रात नदियाँ भी अब फिर से मेसोपोटामिया को अपनी नहरों द्वारा उपजाऊ बनाने का काम करेंगी।

और शरीर पर मलने के काम आता है। भूमध्यसागर-प्रदेश में ज़ैतून के बीज से सर्वोत्तम तेल मिलता है। बिनौलों (कपास के बीज) का तेल तूरान अथवा रूसी तुर्किस्तान में अधिक काम में आता है। अल्सी मानसूनी प्रदेशों में तेल के लिए उगाई जाती है। पोस्त के रस को सुखाकर अफ़ीम और दानों को पेर कर तेल तयार करते हैं। तम्बाकू सब कहीं बहुत होती है।

रेशेदार पौधे—कपास, तूरान के मरुद्वीपों, हिन्दुस्तान, चीन और जापान में ख़ूब होती है। पाट या **जूट** का रेशा अधिक मोटा होता है। यह बंगाल में बोरी बनाने के लिये उगाया जाता है। पर अधिककांश जूट डण्डी (स्काटलैंड) को भेजा जाता है। फिलीपाइन-द्वीप में उगनेवाले **मैनिल्ला सन** के मज़बूत रस्से बनाये जाते हैं। **रेशम** के कीड़े प्रायः शहतूत के पत्ते खाते हैं, और भूमध्यसागर-प्रदेश और मानसूनी प्रदेश में पाले जाते हैं। एशियाई रूम, फ़ारस, तुर्किस्तान, हिन्दुस्तान, चीन और जापान का रेशम मशहूर है।

ज़मीन—एशिया में तरह तरह की ज़मीनें होती हैं, जो भिन्न भिन्न फ़सलों को अनुकूल पड़ती हैं। इनमें स्टेपी की प्रसिद्ध काली ज़मीन पौधों की खाद से उपजाऊ बन गई है। ज्वालामुखी के असर से बनी हुई दक्षिण की ज़मीन भी काली ही है। यह कपास की फ़सल के अनुकूल पड़ती है। लोयेस या हवा से उड़ाकर लाई गई मिट्टी में रेगिस्तान का नमक बहुत मिला होता है। ऊपरी यांग्टिसी नदी के पथरीले प्रदेश की ज़मीन लाल होती है। जावा और दूसरे द्वीपों की आग्नेय मिट्टी में उष्ण-कटिबन्ध की फ़सलें उगती हैं। निचले प्रदेशों में नदियों ने बारीक मिट्टी (काँप) की गहरी तहें बिछा दी हैं। पश्चिमी एशिया में अधिकतर छिद्रयुक्त चूने का पत्थर मिलता है। उपजाऊ ज़मीन केवल

पैदावार—चाय, रबड़ और रेशमी कपड़ा भी दुनिया के इसी भाग में पैदा होते हैं। खेती में लोग अधिक लगे रहते हैं। नदियों के मैदानों, उपजाऊ घाटियों, पहाड़ों और मैदानों में खेती खूब होती है। मरुभूमि के देशों में पैदावार बहुत कम है। मानसूनी जिलों के भागों की पैदावार सबसे अधिक होती है। उष्ण घाटियों में बड़े बड़े जंगल हैं। यहाँ जानवर भी बहुत हैं। रुई और रेशम का सामान, चमड़े का सामान, इत्यादि तैयार और बनाना यहाँ के मुख्य धन्धे हैं। जापान के देशों में दुनिया भर से अच्छी मशीनें तैयार की जाती हैं।

अब कुछ आधुनिक कारखानों की तरह विज्ञान का आरम्भ हो रहा है। मजदूर बहुत हैं और बड़े सस्ते हैं। इसी से हिन्दुस्तान, चीन और जापान की बड़ी बड़ी मिलें लंकाशायर की मिलों से होड़ कर रही हैं। चीन में कम्युनिस्ट के युग का आरम्भ हो रहा है। यहाँ के मजदूर सस्ते होने पर भी बड़े चतुर हैं। कोयला और लोहा भी बहुत है, पर इनमें अब बहुत कम काम में लाया जाता है।

जाति और धर्म—एशिया की जनसंख्या संसार की आधी है। कम से कम एक अरब (१ अरब) मनुष्य रहते हैं। इन में अधिक लोग हिन्दुस्तान, चीन और जापान में रहते हैं।

एशिया बहुत सी जातियों और धर्मों का घर है। गोरी या काके-शियन जाति एशियाई रूम, ईरान, अफगानिस्तान और उसके आसपास में रहती है। पीली या मंगोलियन, चीनी और जापानी इत्यादि मंगोलिया में रहते हैं। काली या नीग्रो जाति अफ्रीका के पास के टापुओं में पाई जाती है। कुछ काले लोग हिन्दुस्तान के कुछ हिस्सों और कुछ टापुओं में रहते हैं। एशिया में कई धर्म माने जाते हैं। इस्लाम के मानने वाले बहुत हैं। बौद्ध धर्म के मानने वाले लोग हिन्दुस्तान, चीन और जापान में रहते हैं। ईसाई धर्म के बहुत कम लोग रहते हैं।

पञ्चम अध्याय

एशियाई रूस

साइबेरिया

साइबेरिया (५०,००,००० वर्गमील, जनसंख्या ५०,००,०००) प्रदेश योरप से भी कहीं अधिक बड़ा है। समस्त एशिया का लगभग ⅓ भाग साइबेरिया से घिरा है। इसके निचले प्रदेश रूस से मिले हुए हैं और दोनों के बीच आना जाना सुगम है।

बनावट—पर पश्चिमी साइबेरिया नीचा है। यहां दलदल भी बहुत हैं। पूर्वी साइबेरिया ऊँचा है। **यूराल** पहाड़ साइबेरिया और योरपीय रूस के बीच बहुत दूर तक सीमा बनाता है, पर पहाड़ के दोनों ओर जलवायु और वनस्पति एक सी है। यूराल पहाड़ में हिम नदियों का अभाव है। उत्तर में इनकी ऊँचाई सबसे अधिक (एक मील से कुछ ऊपर) है। साइबेरिया के निचले मैदान की ओर इनका ढाल एकदम गिर गया है, पर दर्रे बहुत सुगम हैं। यूराल में सोना, प्लेटीनम (एक सफ़ेद रंग की धातु) और कोयले की बड़ी सम्पत्ति है। ये सब खनिज निकाले जा रहे हैं। यूराल के दक्षिण में **अरलसागर** के चारों ओर **तूरान** के स्टेप्स और रेगिस्तान हैं।

पूर्व की ओर आर्क्टिक महासागर और मध्यवर्ती पहाड़ों के बीच साइबेरिया देश सकरा हो गया है।

साइबेरिया की नदियाँ टोबल—नदी यूराल पहाड़ के लगे लगे निचले भाग में हो कर बहती है। अल्टाई पहाड़ से आने-

[illegible]

[illegible]

[illegible]

और **सेबिल** का शिकार किया जाता है। यहाँ की लकड़ी जलाने या घर बनाने ही के काम आती है।

स्टेप्स प्रदेश पश्चिम में अधिक चौड़ा है। यहाँ घूमनेवाले किरगीज़ और कालमुक गड़रियों का घर है। यहाँ पानी की कमी से पेड़ों का अभाव है। गरमी में ज़मीन भुन जाती है और घास झुलस जाती है। सरदी में बर्फ़ ढक जाती है। बर्फ़ पिघलने और कुछ वर्षा होने से घास उग आती है। फूल भी बहुत हो जाते हैं। अधिक उपजाऊ भाग में गेहूँ की खेती होती है। पठार की ऊँचाई भिन्न है। घनों के ऊपर घासवाली घाटियाँ हैं। जब गरमी में निचले स्टेपी सूख जाते हैं, तब घूमनेवाली जातियाँ अपने गल्लों को यहीं हाँक लाती हैं।

मनुष्य और पेशे—एशियाई टुंड्रा के सेमोयीड, ओस्टयाक और दूसरे लोग खेती करने में असमर्थ हैं, क्योंकि उनके उत्तरी तट पर बर्फ़ जमी रहती है और वह उजाड़ अथवा दलदल रहता है। खुला हुआ समुद्र कम है। तट के पास द्वीप भी थोड़े ही हैं। इसलिए मछली मारने का काम भी अधिक नहीं है। खालवाले जानवरों की शिकार भी होती है। पर यहाँ का मुख्य उद्यम रेनडियर पालना है।

टुंड्रा में बसनेवाली जातियों के लिए रेनडियर (हिरए) बड़े काम का होता है। इनके ठंडे रेगिस्तान के लिए यही जहाज़ है। रेनडियर डील-डौल में बहुत बड़ा नहीं होता, पर यह बहुत ही मज़बूत होता है। इसके सुर चौड़े और चिरे हुए होते हैं, जिससे ये बर्फ़ पर नहीं फिसलते, न बहुत गहरे धँसते हैं। जमे हुए दलदलों पर बोझा ढोने के लिए और कोई जानवर इतना अनुकूल नहीं होता है। रेनडियर जमी हुई बर्फ़ को भी खोद कर अपना भोजन (सिवार) अपने आप ढूँढ़ लेता है। जीवित दशा में यह मनुष्य को दूध देता

ही सबसे अधिक अनुभवी होने से सरदार गिना जाता है। सरदार को दूसरे लोग बड़ी श्रद्धा से देखते हैं और उससे बहुत ही डरते हैं। टुंड्रा और स्टेपी के लोग असली रूसी नहीं हैं। रूस-निवासी सभ्यता में इनसे बढ़े हुए हैं। वे (कम से कम योरपीय रूसी) बड़े बड़े शहरों में रहते हैं। उनमें ८० प्रति सैकड़ा किसान हैं। यहाँ के खेत छोटे छोटे टुकड़ों में बँटे हुए हैं। पर लकड़ी के अभाव से घेरा नहीं होता। केवल मेंड़ होती है। अधिकतर ज़मीन समूचे गाँव की होती है। कुछ किसान किसी तरह का लगान नहीं देते। ज़मीन हरसाल गाँववालों में बाँट दी जाती है। अगर उनकी संख्या अधिक हुई तो थोड़ी ही थोड़ी ज़मीन बाँट में मिलती है। किसान इतने ग़रीब हैं कि वे बड़ी बड़ी मशीनें मोल नहीं ले सकते। अगर उन्हें बड़े बड़े खेत दे भी दिये जायँ तो वे उन्हें जोत न सकें। अक्सर उनके यहाँ स्कूल नहीं होते। वे नये ढंग नहीं जानते। वे प्रति एकड़ लगभग पौन मन ही गेहूँ उगा पाते हैं जब कि ब्रिटेन के किसान इससे ख़राब ज़मीन से तीन मन उगाते हैं।

पत्थर या तो मिलता ही नहीं या कम मिलता है। घर, भुसौरी और दूसरे कमरे लकड़ी, मिट्टी, ईंट या फूस के बनते हैं। उन पर छप्पर पड़ा होता है। गरमी में आग लग जाने से बड़ी हानि होती है। रहनेवाले कमरे के एक कोने में ईंटों का एक बड़ा चूल्हा होता है। उसके ऊपर एक निकला हुआ तख़्ता रहता है। घर के लोग सरदी में यहीं सोते हैं। दीवार से लगी हुई लकड़ी की एक तिपाई, एक बड़ी मेज़ और कुछ स्टूल (चौकियाँ) ही इनके घर के सामान होते हैं। चूल्हे में जलाने का ईंधन भी लकड़ी ही का होता है।

भूरे भूरे भयानक गाँवों में कच्ची नालियाँ होती हैं, जिनमें गरमी में एड़ी तक धूल और वर्षा में एड़ी तक कीचड़ होती है। राई की काली रोटी, अंडा, दूध, चाय, गोभी, ककड़ी, आलू यहाँ का साधारण भोजन है। भेड़ की खाल का भारी गरम कोट यहाँ की साधारण पोशाक है।

काकेशस पहाड़ दक्षिण-पूर्व की ओर मुड़ा हुआ है और कृष्णसागर से कास्पियनसागर तक चला गया है। कास्पियनसागर में गिरने वाली कुर (८३० मील) और कृष्णसागर में गिरनेवाली रिओन नदियों की घाटियाँ काकेशस पहाड़ को आर्मीनिया पठार से अलग करती हैं। कुर घाटी अधिकतर अजरबैजान में है और रिओन घाटी जार्जिया में सम्मिलित है।

काकेशस पहाड़ कई श्रेणियों और समानान्तर श्रेणियों से बना है। [illegible]

वर्तमान राजधानी **दमस्क** है, जो दुनिया के
में से एक है। यह सीरियाई रेगिस्तान के किनारे
लहटी में बसा है, दो छोटी नदियों ने इसे उपजाऊ
पापारी काफ़िलों के तीन प्राचीन मार्गों का प्रस्थान
—(१) पश्चिम में लेबनान और एन्टीलेबनान के
मार्ग हैं; २ पूरब में बग़दाद के लिए मार्ग जाता
है रेगिस्तान के उस पार अरब के मक्का नगर को
अलीम किसी समय जुडिया की राजधानी था। यह
टुकड़े पर बसा है और गहरी कन्दराओं से अलग हो
[illegible] बिना खिड़कीवाले और
[illegible] नगर के बीच में
[illegible] इस नगर के आसपास
[illegible] यह
[illegible] **जाफा** [illegible]
[illegible] **जेरिको**

[illegible]
नगरों में रेलवे [illegible]
दमस्क का सम्बन्ध [illegible]
[illegible] में होकर [illegible] को चला गया है

सोपोटामिया—मेसोपोटामिया (द्वाब या [illegible]
[illegible] हैं, वैसे यह [illegible]
[illegible] को छोड़ [illegible] रेगिस्तान [illegible]
[illegible] किये हैं [illegible]

है। सीरिया की वर्तमान राजधानी **दमस्क** है, [illegible]
सबसे पुराने शहरों में से एक है। यह [illegible]
एन्टीलेबनान की तलहटी में बसा है. दो छोटी [illegible]
बना दिया है। व्यापारी काफ़िलों के तीन [illegible]
यहीं से होता है—(१) पश्चिम में लेबनान [illegible]
पार बीरूत को मार्ग है, २ पूर्व में [illegible]
है, ३) दक्षिण में रेगिस्तान के [illegible]
मार्ग है **यरूशलीम** किसी समय [illegible]
पहाड़ के एक टुकड़े पर बसा है [illegible]
गया है [illegible]
[illegible] **जाफा** [illegible]

[illegible]

मेसोपोटामिया—[illegible]

[illegible]

आर्मेनियाई पठार से निकलती हैं। इनका ऊपरी मार्ग बड़ा विकट है। **दजला** नदी कई नदियों का जल लेकर फ़ारस की खाड़ी के पास **फरात** से मिल जाती है। ये दोनों नदियां बहुत कांप (बारीक मिट्टी) अपने साथ लाती हैं। मेसोपोटामियां का मैदान अधिकतर इसी बारीक मिट्टी से बना है। इनका डेल्टा प्रतिवर्ष २४ गज़ की चाल से फ़ारस की खाड़ी में बढ़ रहा है। किसी समय मेसोपोटामिया दुनिया भर का बगीचा था। परन्तु बाद को सिंचाई नष्ट हो गई। पिछली बड़ी लड़ाई के पहले अंगरेज़ों की सहायता से तुरकों ने सिंचाई का काम कुछ कुछ आरम्भ किया था। सम्भव है ज़मीन पहले सी फिर उपजाऊ बन जाय।

भूमध्यसागर की हवायें मेसोपोटामिया तक नहीं पहुँचने पातीं। [illegible] गरमी रहती है। गरमी में तो अत्यन्त [illegible] बकरी पाली जाती है। कुछ गेहूँ भी [illegible] **बग़दाद** के आस पास लहार पैदा होते हैं और **बसरा** [illegible]

[illegible] **मामूल** [illegible] की स्थिति के [illegible] **बग़दाद** [illegible] पर बसे हैं। [illegible] कारण था। वहाँ [illegible] भूमध्यसागर के मार्ग [illegible] जहाँ नदी की [illegible] सीमा है। [illegible] **बग़दाद** [illegible] फ़ारस की खाड़ी [illegible] **बसरा** [illegible] है। दोनों [illegible]

[illegible] में उकड़ी [illegible] का फुटा कर

उनमें हवा भर देते हैं। इस तरह के बेड़े मध्य-एशिया में प्रायः सभी जगह पाए जाते हैं। कुछ नावें टोकरियों से बनाई जाती हैं। बग़दाद में बाँसों पर चमड़ा चढ़ा कर विचित्र गोल नावें काम में लाई जाती हैं। यहाँ धुआँकश जहाज़ भी हो गये हैं, जो भिन्न-भिन्न ऋतुओं में पानी के अनुसार भिन्न-भिन्न स्थानों तक पहुँचते हैं।

होते हैं जब कुछ बूँदें पड़ जाती हैं। इस्पहान में ऐसे दिन साल में १२ ही होते हैं। इन दोनों स्थानों में १० इंच से कम ही पानी बरसता है। समरकन्द में लगभग १३ इंच और काशगर में १६ इंच पानी बरसता है।

तूरान या रूसी तुर्किस्तान—मरुकटिबन्ध के प्रायः मध्य में तूरान का आस्तान है। जहाँ सिंचाई हो जाती है, वहाँ उपजाऊ है। शेष उजाड़ है। उत्तर को छोड़ कर और सब ओर से यह ऊँचे-ऊँचे पहाड़ों से घिरा हुआ है। ये पहाड़ पानी लानेवाली हवाओं को भीतर नहीं आने देते हैं, पर इन पर [illegible] नदियों को पोषण करने को बर्फ और पानी काफी पड़ जाता है। **सर** और **आमू** नदियाँ अरल सागर में पहुँचती हैं, पर बहुत सी नदियाँ रेगिस्तान की बालू में ही लुप्त हो जाती हैं। इस प्रदेश का केवल [illegible] और इसका बहुत सा [illegible]

[illegible]

[illegible] **सरदरिया** [illegible] फरगना [illegible]

लाख) दक्षिण में बलोचिस्तान एक पथरीला रेगिस्तान है, जो सरदी में बर्फ़ से जम जाता है और गरमी में गरमी से भुन जाता है। चन्द छुहारे के रेगिस्तानों को छोड़ कर यहाँ बहुत कम चीज़ें पैदा होती हैं। यह हिन्दुस्तान आनेवाले स्थल-मार्ग की रखवाली करता है। इसी लिए यह मूल्यवान् है।

फ़ारस—(६,२८,००० वर्गमील, जन संख्या ३५ लाख) उत्तरी फ़ारस में सब कहीं ऊँचे पहाड़ हैं, जो उत्तर-पश्चिम से दक्षिण-पूर्व की ओर चले गये हैं। इनके बीच की चन्द घाटियाँ अधिक समृद्ध [illegible] चौड़े मैदान समानान्तर पहाड़ियों से घिरे हैं। बहुत [illegible] जिनमें होकर पानी नीचे बैठ जाता [illegible] कम है [illegible] में पानी बहुत है। [illegible] के बीच में कई सौ मील [illegible] पशु जानवर पालना और [illegible]

[illegible] है। आर्मेनिया [illegible] तबरेज़ [illegible] है। पूरबी ओर [illegible] मशहद [illegible] है। एल्बुर्ज [illegible] हैं। ये [illegible] समुद्र की ओर [illegible] के बीच [illegible] होता है। जिन [illegible] हैं। [illegible] रहता [illegible] पश्चिम में [illegible]

अदन—एक प्रायद्वीप है। तंग रेतीला योजक इसे प्रधान स्थल से जोड़ता है। शहर एक पुराने शान्त ज्वालामुखी पर्वत के मुँह में बसा है। वर्षा का प्रायः अभाव है। पीने योग्य मीठा पानी सन्त की तरह समुद्र से निकाला जाता है। और बाज़ार में बिकता है। आग की भट्टी होते हुए भी अदन की स्थिति ब्रिटिश साम्राज्य के लिये बड़े महत्व की है। अदन के साथ **पेरिम**, क्यूरिया, म्यूरिया और सोकोट्रा द्वीपों का भी प्रबन्ध अंगरेज़ों के हाथ में है।

रुकावट डालते हैं। मध्य एशिया से तिब्बत होकर यांग्टिसी को आनेवाले मार्ग दुर्गम और प्रायः अज्ञात हैं। पर यांग्टिसी नदी **इचांग** गोर्ज के नीचे ९०० मील तक नाव चलने योग्य है।

समुद्र-मार्ग से आनेवाले को यांग्टिसी नदी अत्यन्त घने प्रान्तों में ले जाती है। यांग्टिसी का प्रमुख बन्दरगाह **शंघाई** है। इसके उत्तर में सबसे अच्छा बन्दरगाह **किआओ-चाओ** है। यह शांटंग प्रायद्वीप में पठारों के एक दरार से **ह्वांगहो** के निचले मैदानों में ले जाता है। शंघाई के दक्षिण में बहुत से बन्दरगाह हैं। पर **हांगकांग** (ब्रिटिश) सबसे अच्छा है जो **सीक्यांग** के मुहाने पर है। **सीक्यांग** नदी के डेल्टा में **कैंटन** नगर बसा है।

जलवायु—सरदी की ऋतु में मध्य-एशिया से ठण्डी हवाएँ चला करती हैं। उच्च हिमालय इन्हें हिन्दुस्तान में नहीं आने देते हैं। पर यही हवाएँ चीन देश के एक बड़े भाग में चलती हैं और हिन्दुस्तान के एक ही अक्षांशोंवाले स्थानों को कहीं अधिक ठण्डा बना देती हैं। शंघाई और लाहौर एक ही अक्षांश में स्थित हैं। सरदी में शंघाई का तापक्रम ३५.०६ अंश फारेन हाइट होता है और कभी कभी पाला पड़ता है, जब कि लाहौर में सरदी का तापक्रम ५४ अंश होता है। **हांगकांग** कलकत्ता के अक्षांशों में है, पर यहाँ का तापक्रम सरदी में ५७ अंश फारेन हाइट रह जाता है जब कि कलकत्ता में ६५ अंश होता है। निस्सन्देह चीन की जलवायु भारत के उन्हीं अक्षांशोंवाले स्थानों से अधिक विकराल है। पर चीन एक बड़ा देश है। इसलिए स्वयं चीन में भी कई प्रकार की जलवायु है। सरदी में मंगोलिया से आनेवाली सूखी और ठण्डी हवा उत्तरी पश्चिमी चीन में रूस के समान ही जाड़ा कर देती है। चूँकि यह हवा सूखी होती है इसलिए इस ऋतु में धूप बराबर रहती है। इस हवा से लाई हुई बारीक

[illegible] है। चुंकिंग [illegible] है और [illegible] है। चुंकिंग [illegible] हैं, पर इचांग [illegible] हो जाती है।

[illegible] (कांपते—[illegible]) [illegible] पुखान [illegible] नुखान [illegible] हाकाऊ [illegible] इचांग [illegible] नानकिंग [illegible]

नवम अध्याय

जापानी साम्राज्य

जापान [illegible] वर्ग मील [illegible] संख्या [illegible] एक द्वीप समूह है [illegible] अक्षांश से लेकर [illegible] रेखा तक फैला हुआ है [illegible] **फारमोसा** द्वीपको पार [illegible] इस द्वीप साम्राज्य में प्राय [illegible] **येज़ों** [illegible] **हान्डो क्यूशू** [illegible] **शिकाको** है [illegible] **कोरिया** [illegible] **सीढ़ीनुमा रिफ्ट घाटी** [illegible] **फूजीयामा** [illegible] **आसामायामा** [illegible]

[illegible]

कुछ घोड़े और गाय बैलों से हल जोतने और पटेला चलाने के सिवा खेती का सारा काम भी हाथ से करते हैं, क्योंकि चीन के समान जापान में भी पहाड़ियों पर प्राकृतिक चरागाहों का अभाव है। उपजाऊ धरती इतनी क़ीमती होती है कि वह केवल घास उगाने के लिए नहीं छोड़ी जा सकती। इसलिए ढोर और पालतू जानवर बहुत ही कम हैं। रेशम और रुई से ऊन महँगी बिकती है क्योंकि ऊन बाहर से मँगानी पड़ती है। बोझा भी बैल या घोड़े गाड़ियों में लादने के बदले टोकरियों में भर के पीठ पर ले जाते हैं।

जापान में खनिज भी बहुत हैं। कोयला और लोहा पाया जाता है, पर जैसे चीन में दोनों साथ साथ मिलते हैं वैसे वे दोनों यहाँ साथ साथ नहीं [illegible] हैं। कोयले की सबसे बड़ी खान **होकेडो** और **क्युशू** [illegible] **शिकाको** [illegible] टोकियो से [illegible] **आशिओ** [illegible] **येज़ो** [illegible] **हाडो** [illegible] **फारमूसा** [illegible] **कोबो** [illegible] **ओसाका** [illegible] **कोरिया** [illegible] **पोर्टआर्थर** [illegible] **नागासाकी** [illegible]

[illegible]

दलदलों के खारी पानी और समुद्र-तट के पासवाले अनूपों से नमक मिल जाता है। तट के बहुत से भागों में गोरन, (लेगून) बांस और ताड़ के वन हैं।

इन्डोचीन की जल-वायु गरम और तर है। मई से सितम्बर तक दक्षिणी-पश्चिमी मानसून अपने साथ भारी तूफान और २०० इंच (इरावदी की घाटी में इससे भी अधिक) की वर्षा ले आती है। सितम्बर से मार्च तक उत्तरी पूर्वी मानसून के चलने से ऋतु खुश्क और हवा शीतल रहती है। [illegible] प्रायद्वीप और पूर्वी द्वीप समूह में भूमध्यरेखा की [illegible] वायु पाई जाती है। यह [illegible] गरमी होती है और [illegible]

[illegible]

है। इस नदी के निचले भाग और डेल्टा में **कम्बोडिया** और निम्न **कोचीन** चीन के उपजाऊ प्रांत हैं। यहाँ पर भी धान खूब पैदा होता है। पहाड़ी भागों में लकड़ी बहुत होती है। रुई, मसाला, चाय, कहवा और दूसरी फसलें भी पैदा की जा रही हैं। इस प्रदेश की राजधानी **रैंगून** है। यहाँ का बन्दरगाह बहुत [illegible] है और [illegible] छोटी नदी [illegible] **मीकाङ्ग** [illegible] हुआ है।

स्याम— [illegible]

र देशों की खोज करनेवाले और उपनिवेशों की नींव डालनेवाले बन
ाते हैं। योरपीय तथा दूसरे देशों में बसनेवाली उनकी सन्तान समुद्री
ों में संसार के और लोगों से बहुत आगे है।

बास्फोरस

यही प्रणाली योरप को एशिया से अलग करती है। इस प्रणाली के दोनों ओर वनाच्छादित पहाड़ियां अत्यन्त सुन्दर हैं।

अटलांटिक महासागर के पूर्वी किनारे पर स्थित होने से योरप को जलवायु-सम्बन्धी बहुत लाभ है। समुद्री मार्गों को ध्यान में रखने से भी योरप की स्थिति बड़ी अच्छी है। भूमध्यसागर एशिया के दूरवर्ती देशों से आना जाना सुगम कर देता है। इसी प्रकार अटलांटिक महासागर योरप को अफ्रीका और उत्तरी तथा दक्षिणी अमरीका के पूर्वी भागों से जोड़ता है।

बनावट—योरप में भिन्न भिन्न पांच धरातल हैं—

(१) छः सौ फुट से कम गहराई के समुद्र महाद्वीप के निकले हुए भाग (कान्टीनेन्टल शेल्फ) को घेरे हुए हैं।

(१) पश्चिमी योरप में यह कटिबन्ध चौड़ा पर अधिकतर दुबला है, (२) मध्य योरप में यह सकरा (तंग) है, (३) पूर्व में चौड़ा होता हुआ उत्तर की ओर बाल्टिकसागर से लेकर दक्षिण की ओर कृष्णसागर और कास्पियनसागर तक फैला हुआ है।

योरप के निचले प्रदेश—निचले प्रदेश चार भागों में बँटे हुए हैं, (१) निचले देशों का मैदान, (२) जर्मनी का निचला प्रदेश, (३) रूस का मैदान और (४) स्कैण्डीनेवियन और पेन्यूह के मैदान इसके मुख्य अंग हैं।

योरप की अनुपातिक (औसत) ऊँचाई कम है। अगर महाद्वीप समतल कर दिया जावे, तो यह समुद्रतल से केवल १,००० फुट ऊँचा रहेगा। आधे से भी अधिक भाग ६०० फुट के नीचे ही है। निचले प्रदेशों का क्षेत्रफल दस लाख वर्ग मील है, जो समस्त महाद्वीप का ½ है। मैदानों में बहने वाले बड़े नदियों के मार्ग बहुत लम्बे हैं और नहरें सहज ही में बनाई जा सकती हैं। कृष्णसागर और कास्पियन सागर, उरल-गिरि कार्पेथसागर और बाल्टिकसागर से जुड़े हुए हैं। इसी प्रकार कार्पेथसागर और कास्पियनसागर उरल-गिरि द्वारा भूमध्य-सागर से मिले हुए हैं। ये जलमार्ग की सुलभता में व्यापार बढ़ने और सभ्यता के फैलाने में सहायता देती हैं।

निचले देशों का मैदान—इसमें राइन और इसकी सहा-यक नदियों के देश और हालैण्ड सम्मिलित हैं। यह प्रदेश इतना नीचा है कि इसे समुद्र और नदी की बाढ़ से हमेशा डर बना रहता है। समुद्र को रोकने के लिए और देश को बाढ़ों से बचाने के लिए बाँध बाँधे गये हैं। जहाँ पर यह देखा है, वहाँ नीचे टीलों पर मोटी मोटी दीवालें बना दी हैं। इन की ऊपरी सतहें ढालू हो गई हैं। इस प्रकार ये बाँध और नदी के तेज को रोकती हैं।

गया है। यह, बारीक मिट्टी की गहरी तहों से ढका हुआ है। यह मिट्टी, (नदियों द्वारा) उन पहाड़ों से लाई गई है, जो इस मैदान को घेरे हुए हैं।

हिमकाल का फल—हिमकाल में बरफ़ की एक मोटी तली (जो कहीं कहीं एक मील से भी अधिक मोटी थी) उत्तरी और मध्य योरप को घेरे हुए थी। यह उथले समुद्रों को महाद्वीप के निकले हुए भाग (कोन्टीनेन्टल शेल्फ) से ऊपर तक भर रही थी और पहाड़ियों तथा घाटियों को भी ढांक रही थी। ऊपरी चट्टानों के करोड़ों मन कण घिसघिस कर अलग हो गये और बहुत दूर आ लगे। मुलायम चट्टानें टूटते टूटते कंकड़ बन गईं। पर बड़े बड़े टीले अपने प्रथम स्थान से बहुत दूरी पर अब भी पाये जाते हैं। जैसे जैसे सरदी कम हुई, चट्टानों का बुरादा हिमधारा के पीछे छूट गया और हिमकालीन रेत और चिकनी मिट्टी बन गया। इसी से घाटियां भर गईं, धाराएँ बन्द हो गईं और छोटे छोटे गढ़ों में असंख्य झीलें बन गईं। बाल्टिक तट के पासवाले मैदानों में इतनी (छोटी छोटी) झीलें हैं कि उन्हें नक़्शे में दिखाना कठिन है।

पूर्वी स्कैंडिनेवियन देश नदियों के मैदान ऊँचा नीचा होता गया है। हिमकाल में बड़े बड़े हिमानार पानी को ढक रहे थे और महादीप के निचले हुए भाग (कार्टीलेन्टल शेल्फ) को पार करके बहुत दूर तक चले गये थे। इन्होंने ऊँची पहाड़ों को घिस उड़ा और घाटों को किनारों के बल में निचले मैदान पर उतार दिया। इन्होंने पश्चिमी तट की गहरी घाटियों (फिर्डों) को भी सुरक्षित रखा। पहाड़ के निचले भाग देवदार के वनों से ढके हैं पर ऊँचे पहाड़ का फ़ील्ड एक सी ऊँचाई पर चट्टानों या हल्दरों से ढके हैं। नार्वे का पश्चिमी तट स्काटलैंड के पश्चिमी तट से बहुत कुछ मिलता है। दोनों बहुत कटे फटे हैं। स्काटलैंड के फ़र्थ और नार्वे के फिर्डों एक ही प्रकार के हैं। पर नार्वे में फिर्डों स्काटलैंड के अधिक भीतर चले गये हैं। इनकी पहाड़ी दीवारें भी अधिक ऊँची और अधिक खड़ी हैं।

दीपवाले उच्च प्रदेश—स्कैंडीनेवी पहाड़ों के बल में दीपवाले उच्च प्रदेश हूण हूण कर योरप के चार पाँच प्रांत में दक्षिण तक फैले हुए हैं। इनके कनेक्ट नाम हैं और नदियों में बिखरी हुई पहाड़ियों के समूह में दिखाये गये हैं। ये प्रदेश समुद्रतल से ३ हजार फुट से लेकर ५ हजार फुट तक ऊँचे हुए हैं। अक्सर इनकी चोटियाँ गोल हैं और ये एक सा ऊँचे दिखाई देते हैं। बिखरे हुए बेलों या खाई के लिए मार्ग बना लिये गये हैं। इनके ढलवाँ किनारों पर बेरोक पाला पड़ता है।

स्कैंडिनेवियन के उच्च प्रदेशों की ऊँचाई ध्रुवमण्डल पर प्रदेशों में अधिक ऊँचाई पड़ती है। किसी समय ये पहाड़ ऐल्पस पहाड़ों की बराबर ऊँचाई रखते थे, पर अब ये घिसते घिसते हूण गये हैं। योरप इनके ढाल की दिशा से सूचित होता है कि किसी समय में ये ऊँचे गोले पहाड़ों की एक श्रेणी थे। हिमकाल ने इन्हें ऊँचे कर दिये। हिमकाल के पिघलने पहाड़ियों के बनने पीछे कर दिया। इन

कुछ बड़ी बड़ी घाटियाँ अल्प्स के भीतर बहुत दूर तक मार्ग बनाती हैं। कहीं कहीं एक ही दर्रे से दूसरी श्रेणियाँ पार हो जाती हैं। जैसा कि **सेन्ट गोथार्ड** और **ब्रेनर** दर्रों का हाल है। पहले-पहल सीधी सड़कों के ही मार्ग में रेलें बनीं और दर्रों की चोटियों के नीचे सुरङ्ग खोल दिये गये।

कारपेथियन पहाड़ अल्प्स के मोड़ से ही लगे चले गये हैं। इनके ढालू टीले और घाटियाँ जूरा पर्वत की सी ही हैं। पर इनकी चट्टानें अधिक नई हैं। केवल उत्तर में ही विशाल और बड़े पत्थर की पुरानी चट्टानें हैं, जो ८,००० फुट तक ऊँची उठी हुई हैं। ट्रांसिल्वेनिया के विहाँरी अल्प्स कारपेथियन पहाड़ों को बाल्कन पहाड़ों से जोड़ते हैं। हिमरेखा से ऊपर विरली ही चोटियाँ उठी हुई हैं। निचले ढालों में वन हैं।

दक्षिणी प्रायद्वीपों के पहाड़, अल्पाइन और कारपेथियन श्रेणी से जुड़े हुए हैं।

स्पेन एक ऊँचा पठार है, जो पुरानी विहाँरी और गादवार चट्टानों का बना है। उत्तर-पूर्व में **पिरनीज़** और दक्षिण में **सिएरा नवादा** के बीच में **मेसीटा** का पठार है। दोनों पहाड़ तहदार और अल्पाइन ढङ्ग के हैं। इनकी बहुत छोटी चोटियाँ हिम-रेखा से ऊपर पहुँचती हैं। जिबराल्टर की तङ्ग प्रणाली **सिएरा नवादा** पहाड़ को अफ़्रीका के एटलस पहाड़ों से अलग करती है।

एपीनाइन पहाड़—इटली के **एपीनाइन** पहाड़ दक्षिण की ओर अल्प्स से मिले हुए हैं। और आगे चल कर **सिसली** के पहाड़ों से मिल गये हैं। एक डूबी हुई चट्टान द्वारा इनका **एटलस** पहाड़ से सम्बन्ध है। पुरानी चट्टानें बहुत कम खुली हुई हैं। इन [illegible] हिम-रेखा अधिक ऊँचाई पर है। ऊँचाई के

सहायक नदियों के साथ मिल कर उत्तर से दक्षिण को आर-पार मार्ग बनाती है। डेन्यूब नदी पूर्व से पश्चिम को प्राकृतिक मार्ग बनाती है, मध्य-योरप को बालकन प्रायद्वीप और कृष्णसागर के आस-पास-वाले प्रदेशों से जोड़ती है।

खनिज—योरप के खनिज अधिकतर पुरानी चट्टानों में ऐसे स्थानों में पाये जाते हैं, जहां ये चट्टानें खुल गई हैं। थोड़ी थोड़ी मात्रा में सोना यूराल और कार्पेथियन पहाड़ों में पाया जाता है। सीसे के साथ मिली हुई चांदी बहुत से भागों में पाई जाती है। तांबा दक्षिणी स्पेन में अधिक है। यह कुछ कुछ यूराल प्रदेश से भी निकाला जाता है। पारा स्पेन के दक्षिण में और प्लेटिनम यूराल में मिलता है। कोयला और लोहा बहुत है। कई भागों में साथ साथ पाया जाता है। लोहा योरप के बहुत से भागों में भिन्न भिन्न युगों की चट्टानों में मिलता है। पर इटली और बाल्कन प्रायद्वीपों में बहुत ही कम कोयला है। यह महाद्वीप के मध्य में बीचवाले उच्च प्रदेशों के उत्तरी किनारों में और रूस के मैदान के दक्षिण में यूराल पहाड़ों में पाया जाता है। इस प्रकार कोयले की खानों की पंक्ति दक्षिणी वेल्स से लेकर दक्षिणी रूस तक चली गई है। गन्धक ज्वालामुखी प्रदेशों में मिलता है। मिट्टी का तेल नार्वे के बाहरी किनारों और काकेशस के पूर्वी सिरों पर मिलता है। जहां भीतरी झीलें और समुद्र किसी देश में या सबके सब सुख हो गये हैं, वहां नमक की तहें हाल में ही बन गई हैं, जैसा कि कास्पियन-सागर के उत्तरी भाग का हाल है। कार्पेथियन के आगे पश्चिमी भाग में भी नमक बहुत है। उत्तरी जर्मनी के मैदान के दक्षिणी भाग में भी बहुत सा मूल्यवान् नमक पाया जाता है। सुईट और पश्चिमी कार्पेथियन के बीचवाले प्रदेश में जस्ता मिलता है। टीन अधिकतर कार्नवाल में ही मिलता है। कांच बनाने की [illegible] दूर दूर तक पाई जाती है।

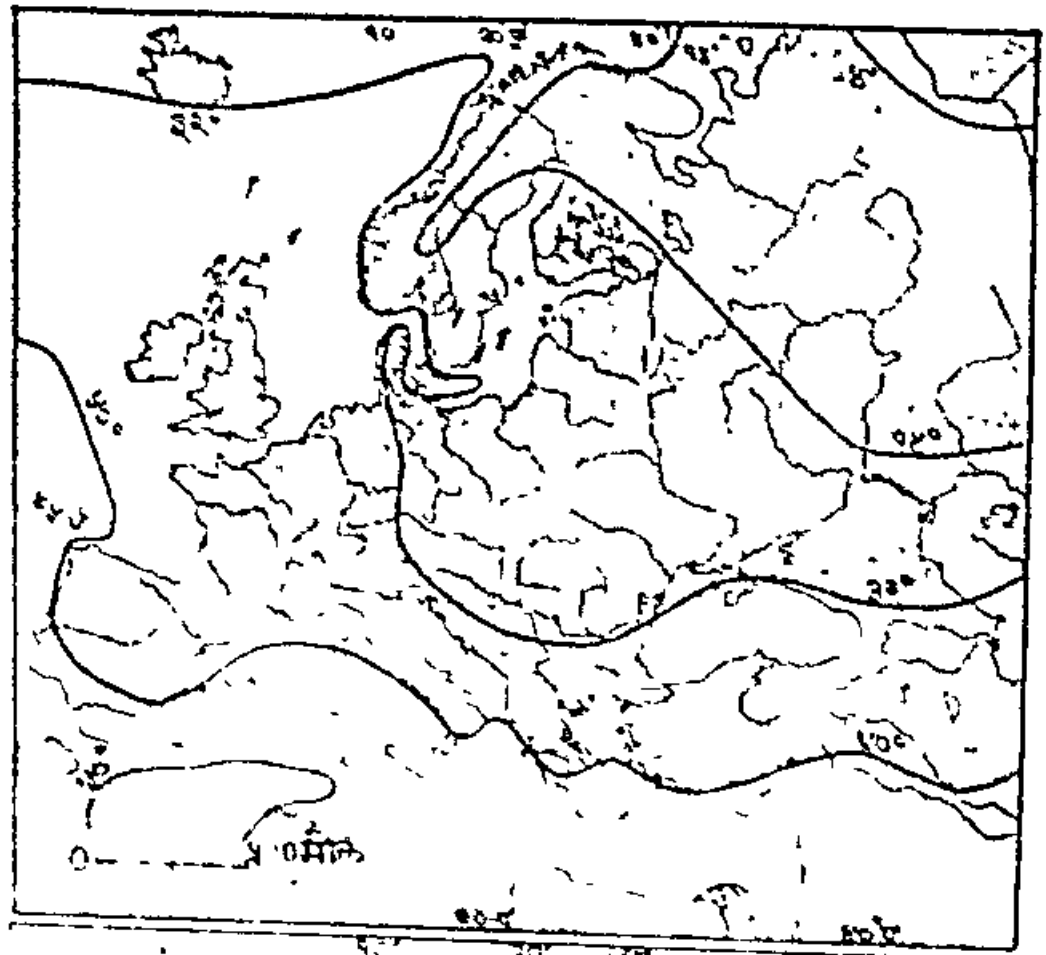

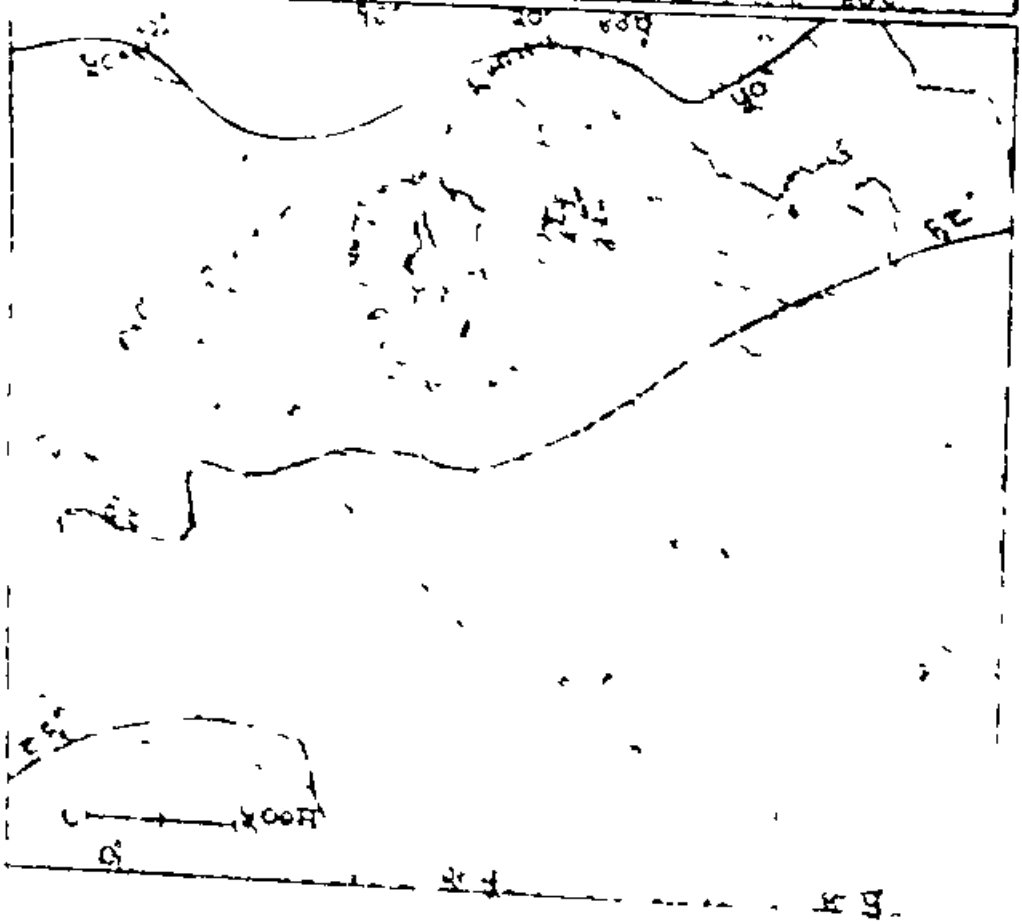

पहले नक्शे में पारा का जनवरी [illegible]

रहता है। दक्षिणी भाग का तापक्रम ६८ अंश फ़ारेनहाइट के ऊपर हो जाता है। इसके अधिक पूर्वी भागों का तापक्रम तो ८६ अंश फ़ारेनहाइट के ऊपर रहता है। पश्चिमी समशीतोष्ण जल-वायुवाले और पूर्वी विषम जल-वायुवाले प्रदेश के बीच में ऐसे भाग पड़ते हैं जो दोनों प्रदेशों से कुछ कुछ मिलते-जुलते हैं।

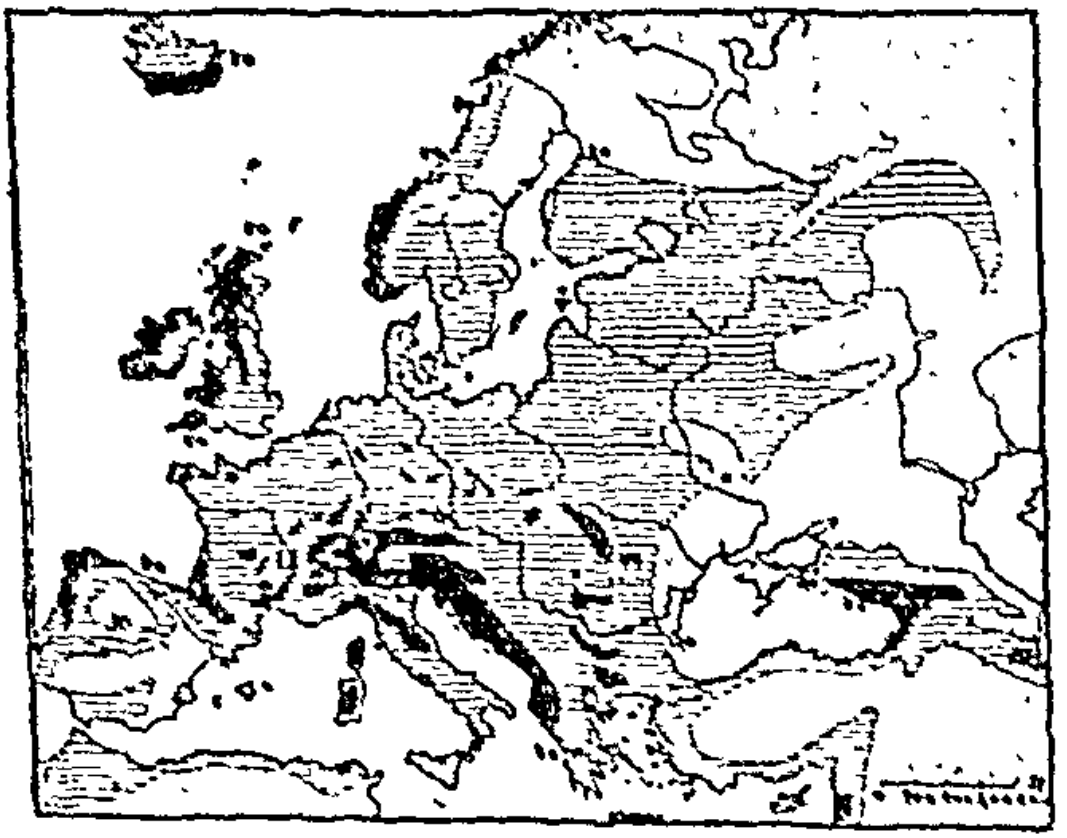

योरुप की मध्यम वार्षिक वर्षा। बिन्दुवाले भागों की वर्षा २० इंच से कम है। रेखांकित भागों में २० से ४० इंच तक वर्षा होती है। काले भागों की वर्षा ४० इंच से ऊपर है।

भूमध्य-सागर-प्रदेश—इस ऋतु में सूर्य दक्षिण में समकोण बनाता है और भूमध्य-सागर की हवा का दबाव हलका होता है। इसलिए इन प्रदेशों में पछुआ हवाएँ आती हैं और ख़ूब पानी बरसाती हैं। फ़्रांस के दक्षिण में सरदी के आरम्भ में ही पानी बरसने लगता

चतुर्थ अध्याय

वनस्पति

वनस्पति के अनुसार योरप निम्न भागों में बँटा है :—

टुंड्रा—प्रदेश एक ऊँचे या बर्फ़ीले रेगिस्तान की एक तंग पेटी है। इसकी दक्षिणी सीमा जुलाई मास की ५० अंश फ़ारेनहाइट तापक्रम-वाला रेखा है। जहाँ अत्यन्त गरम महीने का आनुपातिक तापक्रम (मीन टेम्परेचर) ५० अंश फ़ारेनहाइट से अधिक होता है, वहीं टुंड्रा नष्ट होकर वन में बदल जाता है। इसलिए इस प्रदेश की चौड़ाई एक सी नहीं है। पश्चिमी योरप की अनुकूल जलवायु के कारण वृक्ष-सीमा (ट्री-लिमिट) आर्कटिक वृत्त के भीतर तक चली गई है और टुंड्रा प्रदेश कम होते होते स्कैन्डीनेविया के उत्तर में ज़रासी पट्टी रह गया है। वहाँ से बढ़ कर यह पट्टी ओब के उत्तरी तट से लगी हुई चली गई है। आयमलैंड, स्कैन्डीनेविया-पठार के वृक्ष-रहित केन्द्र और यूराल पहाड़ की बराबर चोटियाँ भी टुंड्रा में ही गिनी जा सकती हैं क्योंकि वहाँ भी टुंड्रा का सा ही तापक्रम रहता है। छोटी गरमी के कुछ हफ़्तों को छोड़ कर, यह प्रदेश सदा जमा रहता है। गरमी में भी धरातल का बरफ़ केवल एक या दो फुट पिघल जाता है। बरफ़ से गहराई तक जमी हुई धरती में पानी नहीं घुस सकता, इसलिए गरमी में टुंड्रा दलदल बन जाता है। ध्रुव की ओर वनस्पति लुप्त हो जाती है। पर अधिकतर प्रदेश में **मास, लिचन** आदि घास (सिवार आदि घास) कुछ कुछ पैदा होती है। **क्लोवेरी** और **क्रेनबेरी** आदि घुंडीदार छोटी छोटी झाड़ियाँ अधिक दक्षिण में मिलती हैं। सुरक्षित स्थानों में कुछ ही इंच ऊँचे छोटे छोटे पेड़

मोटर के लिए पुल और रेल तथा दूसरे कामों के लिए गाल प्रदान करता है।

कोनीफेरस (नोकीले फलवाले) वन—इन वनों में अधिकतर देवदार, सनोबर, 'स्प्रू' और 'लार्च' के लम्बे और सीधे पेड़ होते हैं। ये विस्तृत वन १० हजार के लगभग स्केन्डीनेविया से लेकर रूस तक के सारे प्रदेश को घेरे हुए हैं। पूर्व की ओर अधिक सर्दी पड़ने के कारण ये वन और भी दक्षिण की ओर फैल गये हैं। इस प्रदेश में कड़ाके का जाड़ा पड़ता है और पानी कुछ कम बरसता है। पर इन पेड़ों की पत्तियों की बनावट सुई के समान होती है इसलिए इनको सर्दी अधिक सूखने नहीं पाती और ये सर्दी को भी सह लेते हैं। कपड़ा बनानेवाली मिलों में इन पेड़ों की लकड़ी को चीर कर तख्तों में चलाने की पेटी बनाते हैं। इस प्रदेश के घर भी अच्छे लकड़ी के बने होते हैं, जिनमें कारीगरी काम और सुन्दर रंग होता है। ईंधन धातुओं को गलाने और सुधारकर बर्तनों को बनाने के काम आता है। पेड़ सर्दी में काटे जाते हैं और फरवरी से बनी हुई बर्फ के ऊपर लकड़ियों के लट्ठे घसीट कर डाल दिये जाते हैं। जब बसन्त में बर्फ पिघलती है तब ये नीचे की ओर बहा दिये जाते हैं। जहाँ नदी में प्रपात होता है, वहीं आरा चलाने की मिलें होती हैं। सर्दियों में लकड़ी को चौकोर और सिलेट बनाकर ढाल में डाल देते हैं। छोटे छोटे रद्दी लकड़ी से कागज और दियासलाई बनाते हैं। नार्वे के इस प्रदेश में भी नोकीलों पत्तेवाले (कोनीफेरस) पेड़ों के वन हैं। राइन, एल्ब और मिसुला में लकड़ी के बेड़े बना-कर नीचे लाये जाते हैं। इनको देखभाल करनेवाले, बेड़े की के ऊपर लकड़ी की झोंपड़ियाँ बनाकर रहते हैं।

पत्ती-झाड़नेवाले पेड़ों के वन—इन वन को मनुष्यों ने बहुत कम साफ कर दिया है। एक समय यह समस्त

वाले और थैलीदार जड़ों में पानी जमा करनेवाले पौदे भी बहुत हैं। सफ़ेद और ख़ाकी **ज़ैतून, कार्क, नारंगी, अंजीर, नीबू** और **अंगूर** ख़ूब होते हैं। घास कम होती है, और केवल कुछ अच्छी घाटियों में ही होती है। इसकी जगह फूल और सुगन्धिवाले पौदे होते हैं। **मेंहदी, लारेल** और **साइप्रस** (झाऊ के समान) पौधे भी बहुत हैं। एक समय समस्त दक्षिणी योरप में सदा हरे-भरे रहनेवाले पेड़ों के वन थे। पर वे बड़ी निर्दयता से काट डाले गये, जिससे योरप का बहुत सा ख़ुश्क पर उपजाऊ भाग उजाड़ हो गया है। आयबेरियन पठार में पेड़ों का अभाव है। खुले भागों में झाड़ी और **अल्फा घास** है, जिससे देश अर्द्ध-रेगिस्तान सा जान पड़ता है। स्पेन में कार्क (डाट), **ओक**, इटली में अखरोट, बालकन प्रायद्वीप में **सनोवर**, ओक और **प्लेन** का पेड़ प्रसिद्ध है। केवल सबसे अधिक ऊँचे टीलों पर (जहाँ सरदी में ताप-क्रम बहुत कम रह जाता है) नोकीली पत्तीवाले पेड़ उगते हैं।

स्टेपी—स्टेपी अथवा वृक्षरहित घास के प्रदेश पूर्वी योरप के दक्षिण में पाये जाते हैं, जहाँ सरदी में ख़ूब ठण्ड होती है और गरमियाँ बहुत गरम होती हैं। वर्षा भी थोड़ी ही होती है। यह सब बातें धीरे धीरे उगनेवाले पेड़ों को अच्छी नहीं लगतीं, पर यही बातें **घास** के लिए बड़ी अनुकूल पड़ती हैं। घास बड़ी तेज़ी से उग आती है और फूल फल कर कुछ ही हफ़्तों में पक जाती है। वसन्त ऋतु में यहाँ सुन्दर फूल फूलते हैं। प्रकृति ने स्टेपी को घोड़े, भेड़ तथा अन्य घास चरनेवाले जानवरों के लिए अनुकूल बनाया है। यहाँ न पत्थर है न लकड़ी, जिससे घर बनाया जावे या ईंधन का काम लिया जावे। स्टेपी के लोग अब भी पुरानी चाल के डेरों में रहते हैं, जो फेल्ट या खाल के बने होते हैं।

अत्यन्त आर्द्र या अत्यन्त सूखे भागों को छोड़ कर गेहूँ भूमध्य-सागर के सब भागों और पतझड़वाले पेड़ों के सब वन-प्रदेशों में उगाया जाता है। स्टेपी में तो आदर्श गेहूँ पकता है। स्टेपी इसीलिए अधिकाधिक गेहूँ उगानेवाले प्रदेश बन गये हैं। राई का पौधा अत्यन्त पोढ़ा होता है और दूसरे पौदों से कहीं अधिक दूर उत्तर में उगाया जाता है। उसने कुछ नीचे दक्षिण में जई उगती है। यह दोनों अब मध्य और पूर्वी योरप की अधिक निकम्मी धरती और अधिक ऊँचे प्रान्तों में उगते हैं। जहाँ कहीं खेती सम्भव है, वहाँ जौ पैदा होता है। इनके दक्षिण में गेहूँ और मकई का कटिबन्ध है। मकई को गरमी में अधिक ऊँचे तापक्रम की ज़रूरत होती है। इसलिए पूर्वी योरप में जितनी दूर उत्तर की ओर मकई उगती है उतनी दूर पश्चिमी योरप में नहीं उग सकती है। अत्यन्त ठंडे और अत्यन्त सूखे भागों को छोड़ कर आलू सब कहीं उग सकते हैं। मध्ययोरप के निचले भागों में रूई के लिए चुक्न्दर की खेती प्रसिद्ध है। दाल, मटर, फली आदि की खेती भूमध्यसागर और पतझड़वाले वन के कटिबन्ध में होती है। चारे के लिए दक्षिण में लूसन (दूसने) और अधिक उत्तर में 'क्लोवर' घास उगाई जाती है। सन आदि रेशे के पौदे मध्ययोरप और पश्चिमी रूस में पैदा होते हैं।

भूमध्यसागर के फलों में अंगूर मुख्य है। ज़ैतून, नारंगी, नीबू, अंजीर, शहतूत, अनार और नाशपाती भूमध्यसागर प्रदेश के अन्य प्रसिद्ध फल हैं।

अंगूर की बेल अधिक ठंडी सरदी को क्षतु नहीं सह सकती है। इसलिए यह पूरब की ओर अधिक नीचे अक्षांशों में और पश्चिम की ओर कुछ ऊँचे अक्षांशों में उगती है।

पहाड़ियों के मेंड़ बँधे हुए दक्षिणी ढालों के पास पास अंगूर के बगीचे मध्ययोरप में भी बन गये हैं। ज़ैतून की सीमा ठीक भू-

के प्रदेशों से अधिक है। पर पक्का माल तैयार करनेवाले और बाहर से भोजन मँगानेवाले ज़िलों की आबादी सबसे अधिक घनी है। योरप

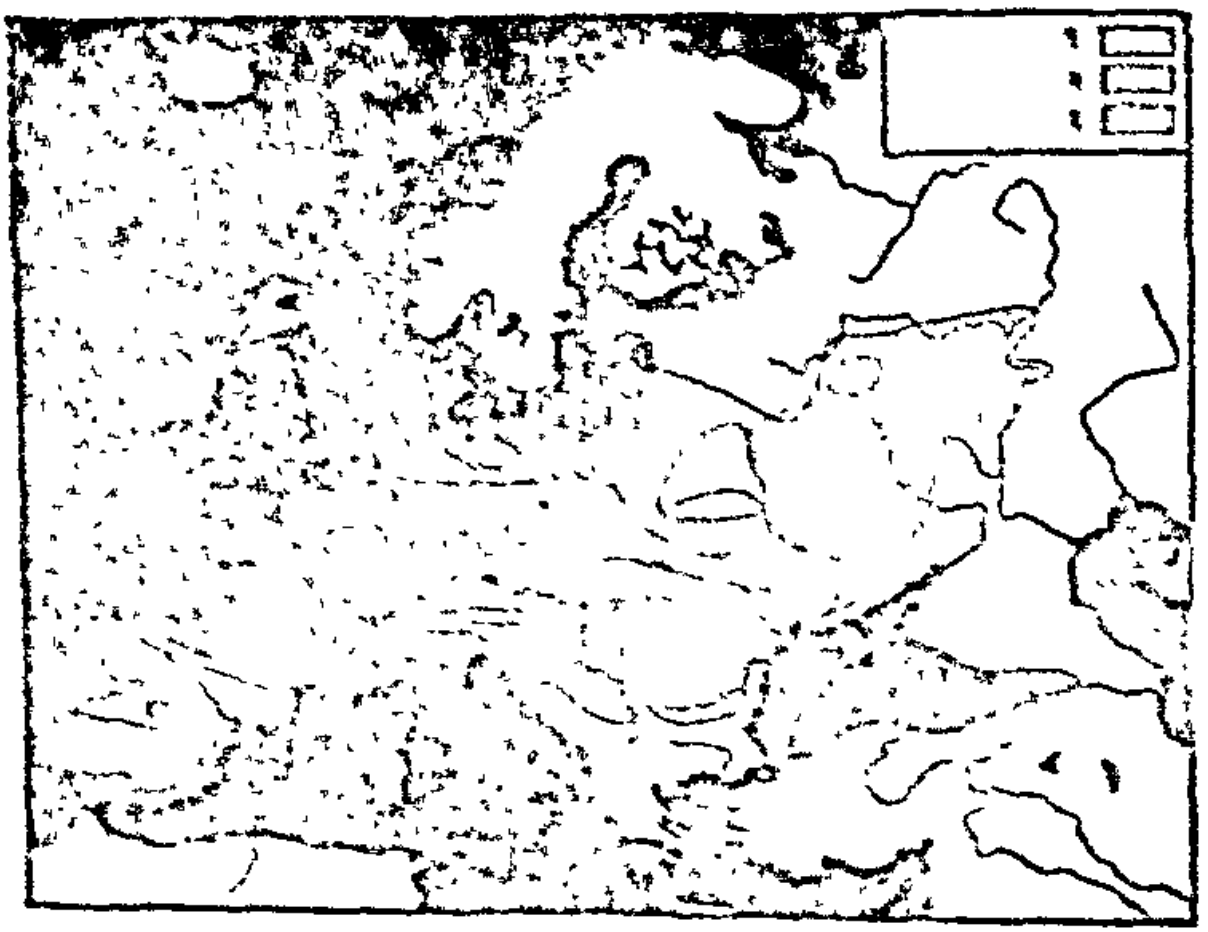

योरप में जन-संख्या की सघनता।

नम्बरों का विवरण (१) १०० से कम (२) २००-२५०, (३) २५० से ऊपर

की जन-संख्या ४० करोड़ है जो प्रतिवर्ग मील में १०६ के हिसाब से बैठती है।

लोग—रियासतें—और भाषायें—ठुंड्रा प्रदेश में लेप आदि लोग इस प्रदेश के पौदों की तरह ही छोटे कद के हैं। पर उत्तरी योरप के लोग—लम्बे, पतले, गोरे, नीली आँखोंवाले, और हलके बालोंवाले होते हैं। इस प्रकार के लोग स्केंडीनेविया, प्रेटिनिटेन, इस

मिले हुए हैं। बाल्कन देशों में मान्टीनीग्रो, बल्गेरिया और कुछ एड्रियाटिक तट भी शामिल हैं। बल्गेरिया का कुछ भाग कृष्णसागर से मिला हुआ है। योरपीय तुरकी देश मारमोरस तट से मिला हुआ है। यूनान देश ऐड्रियाटिक के मुहाने और ईजियनसागर के उत्तरी तट से दक्षिण की ओर फैला हुआ है। रूमेनिया देश बल्गेरिया के उत्तर डेन्यूब से मिला हुआ है। इसके ही अधिकार में कुछ कृष्णसागर-तट भी है। जर्मनी के पूर्व में पोलैंड देश है। शेष पूर्वी योरप में रूसी देश हैं।

अधिकतर यह लकड़ी जर्मनी या ग्रेटब्रिटेन के हाथ बेच दी जाती है। पेड़ पतझड़ और सरदी की ऋतु में काटे जाते हैं और चिकनी बर्फ़ पर घसीट कर बर्फ़ जमी हुई नदियों पर इकट्ठा कर देते हैं। वसन्त ऋतु की बाढ़ के साथ ही लट्ठे या बेड़े आरा की मिलों तक बहा

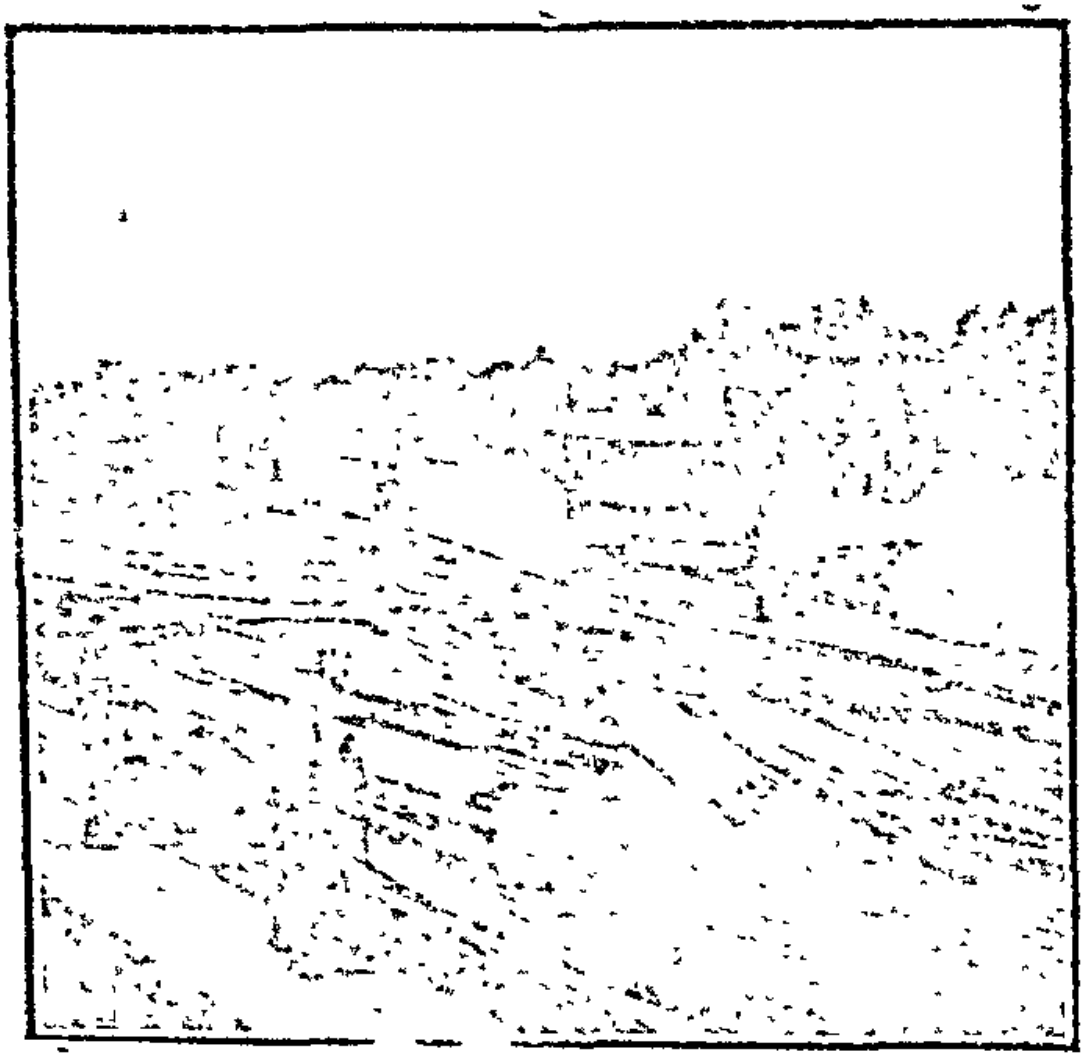

स्वेडिश नदी।

दिये जाते हैं। आरा की मिलें समुद्र-तट पर या तट के पास ही होती हैं। पर, वे उस स्थान में नीचे नहीं होतीं जहाँ के उमड़ते हुए पानी में मशीन चलाने भर को काफ़ी शक्ति होती है।

भिन्न भिन्न काम के लिए भिन्न भिन्न लम्बाई के लट्ठे चीरे जाते हैं।

और घना बसा हुआ है। नगर के पास बर्फीले शीर्ष हैं, जो स्वाभाविक मनुष्य बनाते हैं। यहाँ अनेक सुन्दर बन्दरगाह हैं। समुद्र और मछली के लिए भी काफ़ी प्रसिद्ध है। धरती की निर्धनता के कारण नार्वे के लोगों को भोजन के लिए समुद्र का सहारा लेना पड़ता है। मुमकिन जहाज़ बनाने की कला सीख कर वे बड़े मल्लाह बन गये हैं। छोटे छोटे बड़े भी नाव चला लेते हैं। पुराने समय में भी नार्वेजियन लोगों ने बाहर के समुद्रों में जाने का साहस किया और अच्छी अच्छी बड़ी और मज़बूत नावें बनाईं। उन्होंने समुद्र को पार किया और वे आइस, ग्रीनलैंड, आइसलैंड और अमरीका में भी कोलम्बस से बहुत पहले पहुँच गये थे।

जैसे लकड़ी स्वीडन के लिए है वैसे ही मछली नार्वे के लिए है, **सामन** और **ट्राउट** बढ़िया मछलियों के लिए प्रसिद्ध हैं। समुद्र से **काड** (बाकलिवर आयल) **हेरिङ्ग, घोंघे, लोब्स्टर** आदि मिलती हैं और बड़ी मात्रा में डिब्बा बंदी जाती हैं। हज़ारों मनुष्य मछली मारने और उसे तैयार करने में लगे रहते हैं। तेल और होल आर्कटिक सागर से लाई जाती हैं। नार्वे के **ट्रान्सो** और **हैमरफेस्ट** बन्दरगाह होल मछली मारने के लिए प्रसिद्ध हैं। खनिज और कारख़ाने स्कैन्डीनेविया को खनिज सम्पत्ति प्रचुर है। कच्चा लोहा बहुत ही अच्छा पाया जाता है। यह नार्वे की अपेक्षा स्वीडन में अधिक मिलता है। इसके लिए दो प्रान्त विशेष प्रसिद्ध हैं। एक जिला **टोर्न** और **गेली वारा** के बीच **लापलैण्ड** में है। दूसरे बेर और नलाल जोलों के उत्तर में है। इन दोनों जिलों में तांबा, चांदी और सोना भी निकाला जाता है। कोयले की कमी से कई लोहे की मिलें बन्द हो गई हैं। देश में पहाड़ बहुत हैं। लोहा गलाने में लकड़ी का कोयला जलाया जाता है। इससे लोहा और भी अच्छा हो जाता है। बहुत सी बिजली की शक्ति पानी की सहायता से पैदा होती है, जो रेल

[illegible] है। [illegible] झीलें
हैं। झीलें [illegible] होती हैं। [illegible]
[illegible] हुई होती हैं। [illegible] की [illegible]
[illegible] होती हैं और [illegible] के [illegible] में [illegible]
हैं। [illegible]
[illegible] किया।
[illegible] और [illegible] बना दिया। [illegible]
हुआ कि [illegible] के [illegible] और जहाँ
[illegible] के [illegible]
[illegible] हुए। [illegible]
[illegible] की ओर [illegible] के [illegible]
[illegible] की ओर अधिक [illegible] हो गया।

[illegible] के [illegible] मुख्य नगर होते हैं। [illegible]
[illegible] की ओर होते हैं। पूर्व में अधिक [illegible] की ओर बहुत
कम लोग रहते हैं, इसलिए [illegible] प्रदेश के लिए प्रधान [illegible]
नहीं हैं। प्रधान [illegible] का [illegible] है, इसलिए [illegible] के [illegible]
[illegible] में [illegible] के [illegible] हैं और [illegible] का [illegible] हो है।
बेलफास्ट प्रधान नगर है, जो [illegible] की ओर एक [illegible] पर स्थित
है, और **हार्लैण्डर** और **वोल्फ** [illegible] के [illegible] में [illegible] है। यहीं
[illegible] का स्थान है। [illegible] एक प्रधान बन्दरगाह है।
[illegible] ही [illegible] और [illegible] का केन्द्र है

[illegible] की खाड़ी के [illegible] में एक अच्छा [illegible] है। यह नगर
के [illegible] में है। [illegible]
[illegible] है, जो **डब्लिन** नगर है। आयरलैण्ड में
[illegible] पर [illegible] राजधानी हो गया। यह [illegible]
[illegible] भी है। यहाँ एक बहुत पुराना [illegible] है। पर यह

गोथलैंड के दक्षिणी पूर्वी कोने पर **कार्लसक्रोना** शहर है जो एक किलाबन्द जहाज़ी बेड़े का स्टेशन है। और अपने पुराने शत्रु (रूस) और नये शत्रु (जर्मनी) के सामने है। जल तथा स्थल-मार्ग प्रायः एक ही स्थान पर मिलते हैं। यहीं राजधानी है। पुरानी राजधानी **अपसाला** थी। पर अब बहुत समय से **स्टाक होम** (उत्तर का वेनिस) राजधानी है। यह नाम पड़ने का कारण यह है कि शहर कई द्वीपों पर बसा है, जिन्हें अनेक जलमार्ग अलग करते हैं। यहीं पर उत्तर-दक्षिण का स्थलमार्ग पूर्व-पश्चिम के जलमार्ग को सुगमता से काटता है। प्रधान धन्धा लकड़ी और कपड़े का है। (नार्वे और स्वेडन के तट की जलवायु कातने और बुनने के लिए बड़ी ही अनुकूल है)।

इतिहास—एक समय दोनों देश डेनमार्क के अधिकार में थे। स्वेडेन कुछ अधिक बलवान् रहा, पर नार्वे में पराधीनता इतनी घुसी कि यहां के लोग अपनी भाषा भी खो बैठे। वे अब डेनिश (डेनमार्क की) भाषा बोलते हैं। इस छुटकारे के बाद जब तक उन्हें रूस का डर रहा, दोनों देश मेल से रहे। अन्त में जब यह डर न रहा, तब दोनों में झगड़ा होने लगा। १९०५ ई० में वे बिलकुल अलग हो गये। नार्वे की अपेक्षा स्वेडन लगभग ड्योढ़ा (१,७३,०३५ वर्ग-मील) है। जन-संख्या ५८ लाख है। नार्वे का क्षेत्रफल सवा लाख वर्गमील और जन-संख्या २५ लाख है। नार्वे के उत्तर में कुछ (२०,०००) **फिन** लोग और स्वेडन के उत्तर में बड़े से **लैप** लोग रहते हैं।

स्पिटसबर्गन—यह द्वीप-समूह (२०,००० वर्गमील, जन-संख्या २००) पहले किसी के अधिकार में न था। सन् १९१९ में राष्ट्रसंघ (लीग आफ़ नेशन्स) की सभा ने इसे नार्वे के राज्य में

षष्ठ अध्याय

डेनमार्क

डेनमार्क (१४,००० वर्गमील जन-संख्या ३३ लाख) में स्पष्ट से मिला हुआ **जटलैंड** प्रायद्वीप और पासवाले बहुत से द्वीप शामिल हैं। इनमें सबसे बड़े **ज़ीलैंड** और **फ्यूनन** हैं। **बार्नहोम** का पहाड़ी द्वीप बाल्टिक सागर में है। गत शताब्दी में नॉर्वे के अलग हो जाने से डेनमार्क का बल बहुत घट गया। पर **पश्चिमी द्वीपसमूह** में छोटे छोटे द्वीप, **फेरोद्वीप** और **ग्रीनलैंड** अब भी डेनमार्क के अधिकार में हैं। डेनमार्क की ही सुरक्षा में आइसलैंड को स्वराज्य मिल गया है।

प्रायद्वीप और द्वीपों को मिलाकर डेनमार्क का समुद्र-तट बहुत लम्बा है। पर अच्छे बन्दरगाह कम हैं। पूर्व को छोड़ कर समुद्र के किनारे रेतीले हैं। उथला और मोड़दार **लिटिल बेल्ट** फ्यूनन द्वीप और प्रधान स्थल के बीच में है। चौड़ा और अधिक गहरा **ग्रेट बेल्ट** फ्यूनन और ज़ीलैंड द्वीपों को अलग करता है। यह दोनों जल-प्रणाली **कील** की ओर खुली हैं। ज़ीलैंड और स्वेडीनेविया के बीच में **साउंड** है। ज़ीलैंड के उत्तरी पूर्वी सिरे पर **साउंड** इतना सकरा है, कि सर्दी में बड़ा बर्फ़ जम जाने पर चलनेवाला मनुष्य एक घंटे में ज़ीलैंड से हेल्सिंगबोर्ग (स्वेडन) में पैदल पहुँच सकता है। पर तीनों ही नार्थसागर और बाल्टिक सागर के बीच प्रसिद्ध जल-द्वार हैं। साउंड पर स्थित, **कोपेनहेगन** नगर (**व्यापारियों का बन्दरगाह**) राजधानी है। इसकी व्यापारिक महत्ता इसके नाम

है जिससे बहुत सा दूध-उत्पादन किया होता है। यह द्वीप समूह का केंद्रबिंदु है और उपजाऊ है। १९५१ में यहाँ के कोपेनहेगन का दूध-संघ मेरा गया। दूधवाले को मोटा करने के लिए बहुत सा चारा बाहर से आता है। यह खाद खेतों के भी काम आता है। इसी कारण कोपेनहेगन दूध के मेले लगते हैं। इसलिए दूध और मक्खन भी बनाये जाते हैं। इस प्रकार की उन्नति से खेतिहर का सहयोग प्राप्त होने पर भी इसी समृद्ध द्वीप जिसका नाम ज़ीलैण्ड है उसका देहात के एक हिस्से को छोड़ और कहीं नहीं है।

डेनमार्क के किसानों में सहकारी ढंग से काम करने की आदत है। इससे खर्च भी कम होता है और चीज़ अच्छी तैयार होती है। किसान के खेतों वाले बड़े मकानों में ही रहते हैं, जिन्हें सुविधा करने के लिए किसी भी किसान की दूरी से बाहर है। दूध पहले दुहकर लिया जाता है, फिर दूध जमा कर इसकी परीक्षा होती है, और वह समिति (सोसाइटी) के विशाल-पात्र सहयोगी को सौंप दिया जाता है। फिर मशीन द्वारा मक्खन और पनीर बनाया जाता है। मक्खन निकले हुए दूध का अधिक भाग प्रत्येक सदस्य को लौटा दिया जाता है। यह सुविधा को मोटा करने में खर्च होता है। कुछ सहकारी सहयोगी (को-आपरेटिव सोसाइटी) के दुग्धशाला में भेजे जाते हैं। वहाँ उनका माप व मक्खन भरा जाता है। बीमार जानवर अलग कर दिये जाते हैं।

समुद्र—डेनमार्क में व्यापार का द्वार आधा समस्त देश के ½ के बराबर है) अधिक उपयोगी है। इसी प्रकार स्थल मार्गों से अधिक काम होते हैं। कार्लिटक और नार्थ सागर के बीच में सबसे सीधा और सबसे छोटा मार्ग साउंड से होकर जाता है। **कोपेनहेगन** सर्वोत्तम मार्ग के बीच में एक व्यापारी नगर है यहाँ कई मार्ग मिलते हैं। १,००० वर्ष पहले यह समुद्री डाकुओं से बचने के लिए बनाया गया था। बाल्टिक सागर में यह सर्वोत्तम बन्दरगाह है। पर नॉर्थ सागर के बन्द जाने से कोपेनहेगन का कुछ घटा पहुँचा। कोपेनहेगन

सप्तम अध्याय

जर्मनी

जर्मनी (१८,३०,००० वर्गमील, जन-संख्या ६ करोड़) योरुप भर में अत्यन्त मध्यवर्ती देश है और अल्प्स पर्वत से लेकर **नार्थ** तथा **बाल्टिक सागर** तक फैला हुआ है। जर्मनी प्रायः स्कैंडीनेविया और इटली के ही देशान्तरों में स्थित है। पर, दक्षिणी जर्मनी ५० अक्षांश के दक्षिण में बहुत संकुचित है, और फ्रांस, स्विट्ज़रलैंड, आस्ट्रिया और चेकोस्लोवेकिया से घिरा है। दक्षिणी जर्मनी से उत्तरी जर्मनी कहीं अधिक बड़ा है। समुद्र-तट समस्त सीमा का केवल $\frac{1}{7}$ है। जटलैंड प्रायद्वीप **नार्थसागर** के छोटे तट को इससे कहीं अधिक बड़े **बाल्टिक तट** से अलग करता है।

यह देश चार बड़े बड़े प्राकृतिक भागों में बँटा है। (१) **उत्तरी मैदान** जर्मनी का सबसे अधिक नीचा और चपटा भाग है। यह बिलकुल समतल तो नहीं है, पर बाल्टिक के टीलों को छोड़कर शायद ही कहीं इसकी भूमि ६०० फुट से अधिक ऊँची है। नार्थसागर की ओर निचले मैदान को रेतीले टीले समुद्र से अलग करते हैं। समुद्री घास ने हवा से लाई गई बालू को रोड़ रोक कर टीले बना दिये हैं। टीलों के पीछे नदियों की बाढ़ से दलदल होगये है। बहुत सी दलदली धरती बाँध बना कर सुखा ली गई है, जिससे यह चरने के योग्य हो गई है। इन दलदलों के पीछे धाराओं और सोतों का लहरदार ऊँचा प्रदेश है, जिसमें कहीं रेत है, कहीं पेड़ हैं, और कहीं कंकड़ पत्थर बिछे हैं। गाँव कम हैं। गाँवों ही के पास पास खेती होती है। बाल्टिक तट पर समुद्री धाराओं ने रेत के लम्बे लम्बे बाँध बना दिये हैं।

(४) **अल्प्स** का बहुत ही थोड़ा भाग जर्मनी में पाया जाता है। यह भाग बोहेमिया के दक्षिणी तट पर कान्सटेन्स झील और साल्ज़बर्ग के बीच परिमित है। केवल इसी ज़िले में जर्मनी की ऊँचाई साढ़े छः हज़ार फ़ुट तथा इससे कुछ अधिक ऊँची हो पाती है। इसी जर्मन ज़िले में शाश्वत हिम का प्रान्त है। वहीं ज़ुग्स पिटज़ की सर्वोच्च चोटी ९,७१० फ़ुट हो गई है।

जलवायु—जर्मनी प्रायः ४६ अक्षांश से ५५ उत्तरी अक्षांश तक चला गया है। पर उत्तर तथा दक्षिण के तापक्रम में इतना अन्तर नहीं है, जितना पूर्व-पश्चिम के तापक्रमों में है। नार्वसागर के तट को छोड़ कर जलवायु सब कहीं विषम अर्थात् महाद्वीप-सम्बन्धी है। शीतकाल अत्यन्त ठंडा और ग्रीष्म अत्यन्त गरम होता है। जर्मनी के पूर्वी भाग में अति शीत के दो महीनों में पाला पड़ता है, तभी उसके बाल्टिक सागर तथा उसमें गिरनेवाली नदियों में बर्फ़ जम जाती है। पश्चिम में अटलांटिक हवाओं की कृपा से सागर बर्फ़ से मुक्त रहता है। दक्षिणी जर्मनी अधिक गरम अक्षांशों में अवश्य स्थित है, पर वह इतना ऊँचा है और समुद्र से इतना दूर है कि वहाँ खूब जाड़ा पड़ता है। अल्प्स वा अल्प्स के अग्रभाग में सबसे अधिक सरदी पड़ती है। वर्षा का भी बड़ा ही विषम विभाग है। नार्व-सागर के तट पर साल में २० इंच पानी बरस जाता है। मध्यवर्ती पठार के खुले हुए पश्चिमी तथा दक्षिणी-पश्चिमी ढालों पर ४० इंच वर्षा होती है और सब कहीं वर्षा की कमी है। जैसे जैसे हम पश्चिम से पूर्व को बढ़ते हैं, वैसे वैसे वर्षा भी घटती जाती है।

वन और कृषि—जर्मनी की आधी धरती खेती के काम आती है। ¼ भूमि वनों और जङ्गलों से घिरी है। ¼ भाग में चरागाह है। वनों का प्रबन्ध बड़ी सावधानी से होता है इनसे मूल्यवान् लकड़ी निकलती है। इसलिए जर्मनी में बहुत ही थोड़ी ज़मीन ऐसी है जिसे हम बञ्जर कह सकते हैं। यद्यपि जर्मनी कला-कौशल के लिए प्रसिद्ध है तथापि

जल में चलनेवाले बड़े बड़े जहाज़ मेन्ज़ से या तो दक्षिण की ओर स्विट्ज़रलैंड में होकर जाते हैं अथवा मेन नदी के ऊपर पूर्व की ओर पहुँचते हैं। बड़ी बड़ी नावें मेन में फ्रैंकफर्ट तक ही पहुँच पाती हैं। इसके आगे छोटी छोटी चलती हैं। लुडविग नहर मेन

राइन घाटी का एक दृश्य

नदी को डेन्यूब से मिलाती है। जहाँ मेन नदी से नहर निकलती है वहीं न्यूरेनबर्ग स्थित है। नगर के पास की पहाड़ियों से इस्पात ... होकर जाता था। ... ने भी इसी ... का अनुकरण किया है।

अष्टम अध्याय

पोलैंड

पोलैंड (क्षेत्रफल लगभग १,२०,००० वर्गमील, जनसंख्या १,७८,००,०००) पुराना देश है, सोलहवीं सदी में यह देश योरप भर में सबसे बड़ा राज्य था। फिर इसके बुरे दिन आये। १७९५ में इस देश का **गेलिशिया** प्रान्त आस्ट्रिया ने, **पोसेन** प्रान्त प्रूशा ने, और शेष बड़ा भाग रूस ने दबा लिया। बड़ी लड़ाई के बाद स्वतन्त्र पोलैंड का फिर निर्माण हुआ। यहां पोल लोगों के अतिरिक्त बहुत से यूती, जर्मन और कई लाख यहूदी रहते हैं।

पोलैंडदेश **बाल्टिक** सागर और **कार्पेथियन** पहाड़ के बीच विशाल मैदान (ग्रेटप्लेन) का एक अंश है। अधिकतर यह **विश्चुला** नदी के बेसिन को घेरे हुए है। देश के दक्षिण-पश्चिम में बहती सहायक नदियों के साथ **ओडर** नदी इस देश का पानी यहां से लाती है। देश अधिकतर समतल है। कार्पेथियन के पास पहाड़ी हिस्से हैं। इसी प्रदेश में दलदल, झीलें और जंगल पड़ते हैं। यहां की जलवायु न तो पश्चिमी योरप के समान समशीतोष्ण है, न रूस की भांति विषम ही है। सर्दी में खूब जाड़ा होता है। (देशभर का जनवरी-औसत २४ डिग्री फ़ारेनहाइट है) और ग्रीष्म में गर्मी पड़ती है। औसत से साढ़े में तीस इंच वर्षा हुआ करती है। सर्दी के दिनों में अधिकतर बर्फ़ गिरती है, जो अक्सर कई दिनों जमी रहती है। कभी कभी तो बर्फ़ के अचानक पिघलने से नदियों में बाढ़ आ जाती है और खेतों को डुबो देती है।

इस बड़े और धनी देश का बाल्टिक-तट डेंजिग और प्रूशा के बीच में बहुत ही थोड़ा है। यहाँ पोलैंड का कोई अच्छा बन्दरगाह भी नहीं है। डेंजिग (१,७०,०००) विस्चुला के मुहाने पर स्थित होने से, पोलैंड का स्वाभाविक बन्दरगाह है। पहले विस्चुला की प्रधान धारा यहीं होकर समुद्र में गिरती थी। जब इसने मार्ग बदल दिया, तो भीतरी व्यापार को वश में करने के लिए नहर खोलनी पड़ी। पश्चिमी रूस का गेहूँ यहीं होकर जाता है। डेंजिग में जहाज़ बनाने का भी कारख़ाना है। डेंजिग में जर्मन और पोल दोनों ही का निवास है। पर इस समय डेंजिग बन्दरगाह स्वतन्त्र है।

(२) काली धरतीवाले कटिबन्ध के दक्षिण में अच्छी चराई की भूमि या स्टेपी है। यह भूमि घोड़ों, भेड़ों और ढोरों के लिए अनुकूल है। यहाँ मांस, खाल, चमड़ा, बाल और ऊन की उपज है। रूस का यह भाग सबसे अधिक गरम है। ग्रीष्म में खूब गरमी और खुश्की होती है। सरदी सिर्फ़ तीन महीने रहती है। **डान** नदी और **कास्पियन** सागर के बीच **नमकीन स्टेपी** है, जो कास्पियन-सागर का ही अंग था। अराल के समान कास्पियन भी उस बड़े सागर का बचा हुआ भाग है, जो आर्क्टिक महासागर से कृष्णसागर तक फैला हुआ था, और योरप को एक पृथक् महाद्वीप बना रहा था। वसन्त और शिशिर ऋतु में नमकीन स्टेपी की अल्प घास चरने के लिए घोड़े और ढोर छोड़ दिये जाते हैं। कहा जाता है कि यहाँ चुकन्दर उगाकर शक्कर तैयार हो सकती है।

(३) अत्यन्त दक्षिणी सिरे पर भूमध्य प्रदेश है जहाँ फल उगते हैं।

कृषि और वन—हम देख चुके हैं कि आर्क्टिक महासागर के पास पास उजाड़ टुंड्रा है। दक्षिण में विशाल वन हैं, जो अब भी देश की १० फ़ी सदी ज़मीन घेरे हुए हैं। लकड़ी के अतिरिक्त उत्तरी वनों में जानवरों की खाल (फर) बहुत मूल्यवान् होती है। कृष्णसागर से लेकर ६० अक्षांश तक साफ़ धरती में खेती होती है। इस अक्षांश के आगे खेती विशेष महत्त्व नहीं रखती है, इसी से जन-संख्या कम है। **फ़ामा** और **लोअर वाल्गा** के आगे पूर्व में भी कम खेती होने से आबादी अधिक नहीं है। सबसे अधिक उपजी फ़सल **राई** की है, जो वन-देश के आर पार ६० अक्षांश के दक्षिण छः सात सौ मील चौड़े कटिबन्ध में होती है। **जई** भी खूब होती है, पर यह ५५ अक्षांश के उत्तर में अधिक नहीं होती है। इन फ़सलों के दक्षिण में काली धरतीवाले **यूक्रेन** प्रान्त, **अज़ोव-सागर** के **उत्तरी पूर्वी भाग** और **क्राइमिया** प्रायद्वीप में **गेहूँ** का देश है। अगर इन गेहूँ के प्रदेश

इसे बड़ी सुविधा होती है। यहां सर्वोत्तम शक्कर और चमड़ा भी तैयार किया जाता है। **खारकोफ** से कोयला और समीपवर्ती खेतों से चुकन्दर तथा चमड़ा आता है। पर **कीव** को वास्तव में रूस की काशी समझना चाहिए। यहां यूनानी गिर्जों की भरमार है। प्रतिवर्ष तीन चार लाख यात्री दर्शन करने आते हैं। रूस में राई लोगों का मुख्य भोजन है। गेहूँ तथा गेहूँ का आटा दिसावर भेजा जाता है। अन्न के अतिरिक्त मक्खन, अंडे, लकड़ी, लकड़ी का सामान, सन, नमदा और चमड़ा दिसावर भेजा जाता है। रुई, मशीन, धातु की चीज़ें, चाय, कोयला और कोक बाहर से आता है।

इतिहास—रूसी लोग अधिकतर अल्पायन जाति के **स्लैव** हैं। मंगोलियन **काल्मूक, कज़ाक** (कोसक), **तातारी** आदि एशियायी सन्तान पूर्व में हैं। बहुत से **यहूदी** दूर दूर तक फैले हुए हैं। अधिकांश लोग यूनानी गिर्जे को मानते हैं। कुछ रोमनकेथलिक हैं। प्रोटेस्टेन्ट तो बहुत ही थोड़े हैं। रूस-राज्य का आरम्भ वन-प्रदेश में हुआ। मास्को इसकी प्राकृतिक राजधानी बना। जहाज़ी शक्ति बढ़ाने के लिए पीटर ने पीटर्सबर्ग (लेनिनग्रेड) में नई राजधानी बनाई। १९१७ की राज्यक्रान्ति के बाद फिर मास्को को ही राजधानी बनने का गौरव प्राप्त हुआ। ज़ारशाही का अन्त होने पर रूस का सरकारी नाम साम्यवादी सोवियट प्रजातन्त्र-संघ अर्थात् यूनियन आफ़ सोशल सोवियट रिपब्लिक्स पड़ा। प्रधान रूस में साइबेरिया, श्वेत रूस (ह्वाइट रशा), यूक्रेन, ट्रान्सकाकेशिया, तर्कोमान और युजबेक शामिल हैं। इनके अतिरिक्त ११ स्वतन्त्र प्रजातन्त्र और १८ स्वाधीन राष्ट्र हैं। फिनलैंड, पोलैंड, लैटविया, लिथुएनिया और एस्थोनिया के अलग हो जाने और बसोरविया के छिन जाने (रोमानिया द्वारा) से रूस का क्षेत्रफल तीन लाख वर्गमील कम हो गया, फिर भी, सब मिला कर ८२ लाख वर्गमील है। इसमें प्रायः साढ़े नौ करोड़ मनुष्य रहते हैं।

के समभाग और गरम घाटियों में दूर दूर फैले हुए हैं। निचली घाटियों (१,००० फुट व इससे कुछ ऊपर) में अंगूर और गेहूँ (कहीं कहीं मक्का भी) उगते हैं। इससे कुछ अधिक ऊँचाई पर पतझड़ के वन हैं, और राई तथा जई उगाई जाती है। ४ और ६½ हज़ार फुट के बीच में फ़र तथा देवदार के वन हैं। इसके आगे ग्रीष्म ऋतु के चरागाह हैं। ८,०००

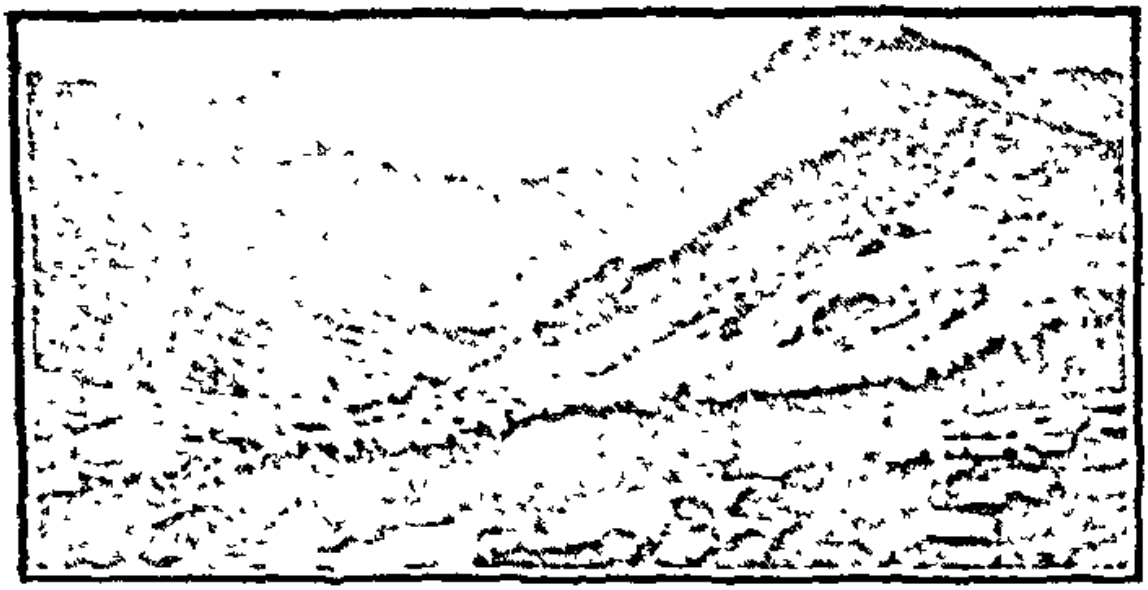

स्विट्ज़रलैंड की वादी।

फुट से अधिक ऊँचाई पर अल्प्स की क्षुद्र वनस्पति है जो टुन्ड्रा से मिलती-जुलती है। ९,००० फुट के ऊपर हिमरेखा है। दक्षिण में गासनी की अधिकता वनस्पति के वर्गीकरण कुछ अधिक ऊँचाई पर है। **टिसिनो** घाटी में शाहबलूत (रेशम के कीड़े पालने के लिए) भी पाये जाते हैं।

कला-कौशल—स्विट्ज़रलैंड में खनिज बहुत कम है। कारख़ानों के लिए कुछ कोयला बाहर से मँगाया जाता है। पर अधिकतर इनका काम बिजली से चलता है, क्योंकि जलशक्ति बहुत है। हिमरेखा पर बने हुए होटलों में भी बिजली की रोशनी होती है। अल्प्स की तराई में बने से कास्टेन्स तक सूती कपड़े बनाने का काम अधिक होता है। रेशमी

हाथ में है कार्पेथियन और सूडेट पहाड़ों के बीच **मोरेवियनगेट** वार्सा, लेनिनग्रेड और मास्को का मार्ग खोल देता है। **ओडर** घाटी से **ब्रेसलाओ** होकर बाल्टिक तट पर भी उतर सकते हैं। सूडेट और एर्ज़गेबर्ज़ में बीच **ग्लेबगैप** में होकर एक रेलवे विएना को ड्रेस्डन, बार्लिन और हेम्बर्ग से जोड़ देती है। **बोहेमियन फारेस्ट** और **अल्पायन फोरलैंड** के बीच में होकर **ओरियन्ट एक्सप्रेस** का मार्ग आता है, जो राइन के नगरों और नार्थ सागर के तटों को विएना से मिला देता है। पूर्व में यह मार्ग हंगारी होता हुआ **मोरावा** और **मारिज़ा** घाटियों का अनुसरण करके **कुस्तुन्तुनिया** में समाप्त हो जाता है। **निश** नगर से एक शाखा **सेलोनिका** को गई है। पर पुराने साम्राज्य के छिन्न भिन्न हो जाने से आज-कल विएना प्रायः सीमा प्रान्तीय नगर होगया है। प्रज्ञानन्द राष्ट्र का मध्यवर्ती नगर **ब्रुक** बन गया है।

पंचदश अध्याय

चेकोस्लोवेकिया

चेकोस्लोवेकिया—(२४,००० वर्गमील, जन-संख्या 1,१६,००,०००) का प्रजातन्त्र राष्ट्र बड़ी लड़ाई के बाद बना। इस देश की पूर्व से पश्चिम तक लम्बाई ६०० मील और अधिक से अधिक चौड़ाई १८२ मील है। देश में तीन प्राकृतिक प्रदेश हैं:—

(१) **बोहेमियन पठार** (२) **मारेविया** तथा **साइलेशिया के निचले मैदान** और (३) **स्लोवेकिया** और **रूसीनिया** के पहाड़ी **प्रदेश** चेक लोगों का निवास पहले दो प्रदेशों में है। **स्लोवेक** लोग स्लोवेकिया में रहते हैं और **चेक** भाषा का ही रूपान्तर बोलते हैं। पर दोनों ही (उत्तरी) **स्लैव** जाति के हैं। पर सारे निवासी स्लैव-जाति के नहीं हैं। बोहेमियों में ¼ लोग जर्मन हैं। इस देश की राजधानी **प्रेग** में दो विश्वविद्यालय हैं। एक जर्मन लोगों के लिए और दूसरा **चेक** लोगों के लिए है। इसी प्रकार **मोरेविया** का **ब्रुन** और **साइलेशिया** का **ट्रोपाओ** नगर जर्मन भाषा-भाषी हैं। दोनों ही में ऊनी कपड़ा बनाया जाता है।

इस समय देश का स्लोवेक भाग कुछ पिछड़ा हुआ है। यहां अधिकतर धरती वन से ढकी है। बहुत थोड़ा क्षेत्र जो और राई उगाने के लिए साफ़ किया गया है। खेती भी पुराने ढंग से होती है। हंगारी के **ग्रोर** पर्वतों के थोड़े से लोहे को छोड़ स्लोवेकिया में खनिज का अभाव है। स्लोवेकिया का सबसे अधिक मूल्यवान् भाग डेन्यूब में मिलनेवाली नदियों की वनाच्छादित दक्षिणी घाटियों में है। **ब्रेटिस्लावा** (प्रेसबर्ग) स्लोवेकिया में नदी का बन्दरगाह है।

षोडश अध्याय

स्पेन और पुर्चगाल

स्पेन (क्षेत्रफल प्रायः २ लाख वर्गमील, जनसंख्या प्रायः २ करोड़) और **पुर्चगाल** (क्षेत्रफल ३५,५०० वर्गमील जनसंख्या ६० लाख) दोनों देश आइबेरिया अथवा **आइबेरिया** प्रायद्वीप के नाम से पुकारे जाते हैं। आइबेरिया का प्रधान भाग **मेसीटा** का पठार है यह दो तीन हज़ार फुट ऊँचा है। केवल इसके तंग तट पर ही नीची धरती मिलती है। इसका तट सपाट है। कटा फटा नहीं है **एटलस** प्रदेश से इसका घनिष्ट सम्बन्ध है।

समस्त पठार पश्चिम की ओर झुका हुआ है। इसलिए बड़ी बड़ी नदियां प्रायः पश्चिम की ओर बहती हैं। और पूर्वी किनारे से निकलती हैं। **डौरो, टेगस गाडियाना** नदियों के निचले मार्ग **पुर्चगाल** में हैं। सभी बन्दरगाह अटलांटिक पर स्थित हैं और उनका रुख अमरीका की ओर है। पश्चिम की ओर बहनेवाली नदियों में **गाडल क्विवर*** का ही समतल मार्ग स्पेन में है। **केन्टेब्रियन** पहाड़ से निकलनेवाली केवल **एब्रो** ही एक ऐसी नदी है, जो पूर्व की ओर बहती है और भूमध्यसागर में गिरती है।

प्रपात और जलाभाव के कारण आइबेरिया की नदियां नाव चलने के लिए अनुकूल नहीं हैं। केवल बड़ी नदियों के निचले भाग में नावें चलती हैं।

जलवायु— भूमध्यसागर के और प्रदेशों के समान **आइबे-**

* (वादी उल कबीर बड़ी नदी)।

इतिहास—नूर लोगों के आक्रमण से प्रायद्वीप को बहुत सी नई बातें मिलीं। पर समुद्र से घिरे हुए होने के कारण समुद्री खोज ने प्राय-द्वीप को एक-दम धन, यश और शक्ति के शिखर पर पहुँचा दिया। पुराने साम्राज्य के नष्ट हो जाने पर भी एशिया और अफ्रीका की लग-भग ९०½ लाख वर्गमील धरती पर पुर्तगालवालों का राज्य है। इसी प्रकार अफ्रीका के लगभग १½ लाख वर्गमील प्रदेश पर स्पेनवालों का अधिकार है।

जिससे इसके किनारों पर बांध बांधने पड़ते हैं। बांधों के कारण मिट्टी इधर-उधर फैलने नहीं पाती। इसका डेल्टा (एड्रिया) बड़ी तेज़ी से बढ़ रहा है। इसके नाम ही से प्रकट है कि एड्रिया-डेल्टा पहले एड्रियाटिक सागर में लगा हुआ था। पर अब यह बीस मील भीतर को हो गया है।

गंगा के मैदान से पो के मैदान में बहुत कम पानी बरसता है। भार अधिक बनने से गरमी में धरती झुलस सी जाती है और सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है। मैदान समतल होने और नदी का तल ऊँचा होने के कारण नहर निकालने में बड़ी सुविधा हुई है।

ग्रीष्म में गरमी बहुत पड़ती है। पानी भी अधिक है। इसलिए सिंचे हुए मैदान में चावल, मकई और सन उगाया जाता है। ग्रीष्म की शुष्क, गरम और धूपवाली ऋतु जैतून, शहतूत, अंगूर और गेहूँ के लिए भी अच्छी होती है। कुछ गेहूँ के तिनके दक्षिण में "लेघार्न" हैट (टोपी) बनाने के लिए मँगा लिये जाते हैं। गेहूँ से 'मेकेरोनी' (सीमी) और मकई से "पोलेन्टा" (दलिया) बनता है। सुरक जलवायु और अन्न की अधिकता के कारण मुर्ग़ी पालना भी सुगम हो गया है। करोड़ों अंडे विदेश भेजे जाते हैं। मैदान के कुछ भागों में ढोर पलते हैं और पनीर बनाया जाता है। धरती उपजाऊ है। पर आबादी बहुत घनी है। मिहनती होते हुए भी लोग निर्धन हैं। उन्हें सावधानी से निर्वाह करना पड़ता है। किसान पोलेन्टा (मकई का दलिया) और पानी से ही कलेवा करता है। उसका भोजन केवल रसदार शाक होता है, जिसे वह कुछ चरबी मिलाकर स्वादिष्ट बना लेता है। कच्ची तरकारी, तेल (ज़ैतून का) और अंगूर का सिरका साधारण भोजन है। विशेष त्योहारों पर पनीर, अंडे और सूखी मछली भी मिला ली जाती है। यद्यपि निचले आर्द्र भागों में ढोर और ऊँचे सुरक भागों में भेड़ें हैं, फिर भी मांस मँहगा पड़ता है, और बहुत कम खाया जाता है। मिलने पर ये लोग मेंढक, घोंघे,

सुरंग खुद जाने और अटलांटिक महासागर की ओर योरप के व्यापार का मुँह मुड़ जाने से जेनोआ बहुत प्रसिद्ध हो गया है। यदि जेनोआ का पृष्ठ-देश निर्धन न होता तो यह नगर और भी अधिक बढ़ जाता।

प्रायद्वीप—एपीनायन पर्वत प्रायद्वीप के बड़े भाग में ऊँची रीढ़ के समान है। तंग निचले भाग उत्तर-पूर्व और दक्षिण-पूर्व की ओर हैं। यह पहाड़ ऐसा मुड़ता है कि उत्तर और दक्षिण में पश्चिमी तट के पास आ जाता है। बीच में पूर्वी तट की ओर झुक गया है। इसी मोड़ के बीच में चौड़ा निचला प्रदेश है। पर इसके कुछ भागों में दलदल हैं, जिनसे ज्वर फैलता है। उत्तरी भाग की जल-वायु महाद्वीप के समान विषम है पर दक्षिण में भूमध्य प्रदेश की सी है।

सपाट ढालों पर अखरोट उगता है, जो प्रायद्वीप-निवासियों का मुख्य भोजन है। जङ्गलों में तरह तरह के कुकुरमुत्ता भी उगते हैं, जो या तो ताज़े खाये जाते हैं या कतर कर सुखा लिये जाते हैं। तेल में डालकर उनका अचार भी बना लेते हैं। देवदारु के वन में नुकीले छिलके जलाये जाते हैं और फल, बादाम की जगह मिठाइयों में पड़ते हैं। सुरक ग्रीष्म घास को झुलसा देती है, इसलिए गायें कम पाली जाती हैं, और मक्खन तथा पनीर भी थोड़ा होता है। पर, भेड़ बकरी बहुत पाली जाती हैं, जो दूध देती हैं और जिनके बाल और ऊन से कपड़े बनते हैं। पहाड़ी किसान स्वावलम्बी हैं और अपनी सब आवश्यकतायें अपने आपही पूरी कर लेते हैं। दक्षिण-पश्चिम में पहाड़ उजाड़ हैं, इसलिए लोग प्रायः तट पर ही रहते हैं और मछली मारते हैं।

प्रायद्वीप में बड़ी बड़ी नदियाँ पूर्व की अपेक्षा पश्चिम में बहुत हैं। इसलिए मुख्य मुख्य नगर भी पश्चिम में ही हैं **जेनोआ, फ्लारेंस, पिसा, लेघार्न, रोम** और **नेपिल्स** सब पश्चिम में ही हैं। वे छोटे निचले मैदान के बीच स्थित हैं। प्रायद्वीप में बड़े रेल मार्ग भी तटों के आस-पास ही निकाले गये

हैं। पूर्व की ओर प्रधान लाइन **बोलोग्ना** होकर मैदान में दक्षिणी किनारे से होकर जाती है। वहीं से दूसरी लाइन एपीनाइन को पार करके फ्लारेन्स पहुँचती है। जो हिन्दुस्तानी यात्री परिश्रमी बोरुए में शीघ्र पहुँचना चाहते हैं, वे जहाज से उतर कर **ब्रिंडिसी** में रेल पर

नपिल्स और विसूवियस।

सवार हो लेते हैं। स्पेन का चक्कर काटकर आनेवाले जहाज भी डाक और यात्रियों को लेने के लिए ब्रिंडिसी में ठहरते हैं। **एपीनाइन** पर्वत के पश्चिम में भी इसी प्रकार की तटीय सड़क है। जगद्विख्यात कोयलेवाले **फ्लारेंस** नगर से मध्य इटली में एक प्रसिद्ध मार्ग **आर्नो** घाटी से ऊपर चढ़ता है और **टाइबरघाटी** से **रोम** में उतर आता है। अधिक दक्षिण में अपने ही नाम की खाड़ी पर स्थित इटली का सबसे बड़ा शहर **नेपिल्स** बसा है। पश्चिमी प्रायद्वीप का प्राकृतिक केन्द्र **रोम** (५,११,०००) है। आरम्भकाल में इसकी सात पहाड़ियां मन्दिरों के लिए, गहरा पानी नावों के लिए और खुली जगह बाज़ार के लिए

अनुकूल थी। इसी से यह राजधानी बना, फिर पोप ने इसे ईसाइयों का सर्वराज बनाया। धर्म और राज-नीति के साथ ही साथ यह शिक्षा और कला का भी केन्द्र हो गया है।

इटली के द्वीप-**सिसली** (९,९०० वर्गमील) की जलवायु समस्त इटली से अधिक मृदुल है, और यहाँ अंगूर अधिक उगते हैं। नीबू और नारंगी बहुत प्रसिद्ध हैं। द्वीप का उत्तरी आधा भाग एपीनाइन पहाड़ का ही सिलसिला है। **इटना** नाम का प्रज्वलित ज्वालामुखी **केटेनिया** नगर के ऊपर पूर्व में १०,७३० फुट ऊँचा है। उत्तरी तट पर बसा हुआ **पेलर्मो** नगर द्वीप की राजधानी है। सिसली के उत्तर आग्नेय **लिपारी** द्वीप योरपीय बाज़ारों के लिए शाक-भाजी की फ़सल कुछ पहले उगाते हैं। **टस्कन** तट के सामने **एल्बा** द्वीप में लोहा अधिक निकलता है। अधिक पश्चिम में कोर्सिका के **सार्डिनिया** (९२,००० वर्गमील) पहाड़ी द्वीप में लोहा निकलता है। **कोर्सिका** द्वीप पर फ़्रांसीसियों का अधिकार है।

इतिहास—प्राचीन काल में रोम की शक्ति ने इटली को एक कर दिया। पर इस साम्राज्य के नष्ट होते ही इटली में कई रियासतें हो गईं। १८६० में सार्डिनिया के राजा का फ्लारेन्स में अभिषेक करके एकता का प्रयत्न हुआ। १८७० में रोम के मिल जाने पर इटली की एकता पूरी हो गई। १९१९ में आस्ट्रिया ने ट्रेन्टिनो और एड्रियाटिक सागर के सिरेवाले प्रदेश इटली को प्रदान किये। अफ्रीका में प्रायः ९ लाख वर्गमील के उपनिवेश (इरीट्रिया, इटेलियन सोमालीलैंड, और ट्रिपली तथा साइरेनेसिया) और चीन में टिअनटिसिन की ज़मीन पहले ही से इटली के हाथ में थी। फिर भी इटली के वर्तमान भाग्य-विधाता मसोलिनी इटली-साम्राज्य को बढ़ाने की ही धुन में लगे हैं।

———

अष्टादश अध्याय

बाल्कन प्रायद्वीप

दक्षिणी योरप के तीन बड़े प्रायद्वीपों में **बाल्कन** प्रायद्वीप सबसे अधिक पूर्वी है। अपने विषम धरातल और कटे-फटे तट के लिए यह प्रदेश विशेष प्रसिद्ध है। देश का एक बड़ा भाग दो तीन हजार फुट ऊँचे पठार से घिरा है। पठार को कई पर्वतश्रेणियाँ पार करती हैं। पश्चिमी तट पर **डिनारिक अल्प्स** इटली के उत्तर से आरम्भ होकर **रोड्स** [illegible] तक चले गये हैं।

इसकी उत्तरी सीमा **साये** तथा निचली **डेन्यूब** के दक्षिण में माना जाती थी। पर [illegible] **यूगोस्लेविया** ने दक्षिणी हंगारी [illegible] आस्ट्रिया को [illegible] तब से यह सीमा इन नदियों के उत्तर में बहुत कुछ [illegible]। रोमनिया की राजनैतिक सीमा इन [illegible] के उत्तर में है। पर [illegible] सीमा इसी प्रायद्वीप के भीतर [illegible]। **मोरावा मारिजा** और **वार्डार** नदियों की घाटियाँ **ईजियन** [illegible]। **ओरियन्ट इक्सप्रेस** [illegible] **नार्थ-सागर** में कुस्तुन्तुनिया से मोरावा [illegible] **निश** जङ्क्शन से **फटती** [illegible] **एथेन्स** में [illegible]।

[illegible] के [illegible] समान है। [illegible] बहुत [illegible] प्रायद्वीप के दक्षिण में [illegible] वायु पर [illegible] जाता है

आते हैं। **बलग्रेड** नगर **सावे** और **डेन्यूब** नदियों के संगम पर बसा है। पास ही मोराबा नदी है। इस प्रकार यह नगर मध्ययोरप के जल और स्थल-मार्गों के संगम पर है। यूगोस्लेविया में सबसे अधिक महत्वपूर्ण नगर होने के कारण यह अब भी राजधानी है। **मांटीनीग्रो** और **बलमेशिया** में होकर यह इसकी एड्रियाटिक सागर तक होगई है।

यूगोस्लेविया अथवा यूगोस्लेनविया का अर्थ दक्षिणी-स्लैव है। दक्षिणी-स्लैवों में **सर्ब, क्रोट** और **स्लोवीन** लोग शामिल हैं। पहाड़ों ने इनको अलग अलग तीन पृथक् लोगों में बदल दिया है। यद्यपि लोग न केवल सर्बिया में बल्कि **बोसनिया, हर्जेगोविना** और मान्टीनीग्रो में भी रहते हैं। **क्रोट** लोग (जो १२ वीं सदी में ईसाई के साथ मिला दिये गये। **क्रोशिया, स्लोवेनिया** और **बलमेशिया** में रहते हैं। **स्लोवेन** लोग **कार्निओला, दक्षिण स्टिरिया** और **कारिन्थिया** तथा **इस्टिरिया** के कुछ भागों में रहते हैं। भाषा के आधार पर वे क्रोटों से मिलते हैं। **मान्टीनीग्रो** और **अल्बेनिया**-(११,००० वर्गमील, जनसंख्या ८½ लाख) मान्टीनीग्रो सर्बों का एक ऐसा दुर्ग है। यह दुर्ग पहाड़ों का बना है। यहाँ के सिवाय केवल ने बना **सेटिंज नगर** इसकी राजधानी है। काले पर्वत या मान्टेनिग्रो भी इसी प्रकार का पहाड़ी देश है जहाँ सर्बजाति बहुत बस है।

बलगेरिया—बलगेरिया (४०,००० वर्गमील, जनसंख्या ४८,५०,०००) कार्पेथन पहाड़ों से घिरा है। **डेन्यूब** नदी की ओर ढालू होता गया है, और डेन्यूब का इधर बिलकुल ऐसा बनाता है। इस देश में सर्बों का बिलकुल उल्टा है। इसी से बिलकुल का बहुत से लोग बसे हैं। इस में गेहूँ, कपास और तम्बाकू की खेती है। देश में

(१,१८,०००) है। यह नगर समुद्र से ६ मील की दूरी पर एक पहाड़ी पर बसा हुआ [illegible] है। यह नगर रेल-द्वारा **हेलोनिका** [illegible] नगर से जुड़ा हुआ है। इसका बन्दरगाह **पिरियस** है।

योरपीय तुर्की—के कृष्ण सागर और इंजियनसागर के बीच का थोड़ा सा भाग तथा द्वीप का कुछ भाग शामिल है। [illegible]

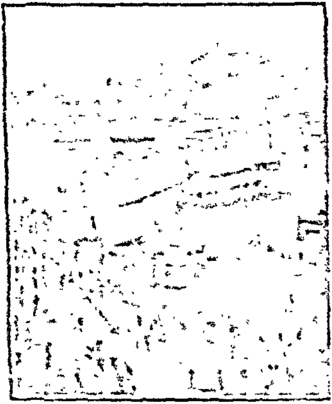

कुस्तुन्तुनिया का दृश्य

[illegible] ([illegible]) है। यहाँ **कुस्तुन्तुनिया** [illegible] एक बड़ा [illegible] है। [illegible]

रक्षा हो सकती है। इसका सुन्दर स्वाभाविक बन्दरगाह एशिया और योरप के बीच के जल और स्थल मार्गों को अपने वश में किये हुए है। बड़ी लड़ाई के बाद पहले तो योरप में कुस्तुन्तुनियाँ को छोड़ कुछ न मिला था, पर १९२२ में **लामेन** सन्धि के अनुसार योरपीय तुर्कों की सीमा पश्चिम में **मारिज़ा** नदी तक बढ़ गई, जो प्राकृतिक सीमा है।

ऊनविंशति अध्याय

संयुक्त-राज्य।

संयुक्त राज्य (१,२१,००० वर्गमील, जन-संख्या ४,७३,००,०००) में **ग्रेटब्रिटेन, आयरलैंड** और छोटे छोटे प्रायः ५,००० द्वीप शामिल हैं। **स्काटलैंड, इँग्लैंड,** और **वेल्स** के मिलने से ग्रेटब्रिटेन बनता है। ब्रिटिशद्वीप ५० और ६० उत्तरी अक्षांशों के बीच में स्थित हैं। इनकी यह स्थिति स्थल गोलार्द्ध के केन्द्र के निकट है। समस्त भूमण्डल के ५ करोड़ ३० लाख वर्गमील क्षेत्रफल का ४ करोड़ वर्गमील इसी गोलार्द्ध में है। जहाज यहाँ से एक सप्ताह में कनाडा, दो सप्ताह में भारतवर्ष, १७ दिन में दक्षिण अफ्रीका और ३ सप्ताह में आस्ट्रेलिया तथा न्यूज़ीलैंड पहुँच जाते हैं।

ब्रिटिश द्वीप वास्तव में मध्य और उत्तरी पश्चिमी योरप के ही अंग हैं। योरप की डूबी हुई स्थल सीमा आयरलैंड से भी १०० मील आगे चली गई है। इस सारे प्रदेश में समुद्र कहीं भी ६०० फुट से अधिक गहरा नहीं है। यदि **नार्थसागर** की तली १०० फुट ही ऊपर उठ आवे तो इँग्लैंड और नेदरलैंड फिर जुड़ जावें। इँग्लैंड का मध्यवर्ती और दक्षिणी मैदान योरप के विशाल मैदान का ही सिलसिला है। जिस प्रकार योरपीय मैदान के उत्तर-पश्चिम में स्केंडीनेविया का पठार है। इसी प्रकार ब्रिटिश मैदान के भी उत्तर-पश्चिम में **नदर्न हाईलैंड, ग्रेम्पीयन** पहाड़, **पीनायन** श्रेणी और **केम्ब्रियन** पठार हैं।

हैं। सबसे बड़ी **टेम्स** नदी केवल २१० मील लम्बी है। इसे और सेवर्न को छोड़ प्रायः एक ही ओर में गिरनेवाली नदियों के बड़े छोटे हैं। **सेवर्न, मरसी** और **डार्वे** नदियाँ आदित्य भाग को छोड़ती हैं। **टेम्स, जल, हम्बर** और **ल्लाइड** नदियाँ **नार्थ** भाग की ओर से जाती हैं। स्काटलैंड की सबसे बड़ी नदी **क्लेनन** है। सिंचाई-नहरों की लंबाई प्रायः दो तीन हजार फुट ही है। इसी से नदियों का प्रायः सारा जल बहकर समुद्र में जाता है और बिजली बहुत बड़ी है। बहुत सी नदियाँ प्रारम्भ में पहाड़ी धारायें हैं, पर शीघ्र ही वे मन्दगामिनी बन गई हैं। प्रति दिन दो बार ज्वार-भाटा आता है। अटलांटिक की ओर इनकी ऊँचाई **ब्रिस्टल** में ४० फुट और **लिवरपूल** में ३० फुट है। स्काटलैंड के तट में होकर **लंदन** तक पहुँचते में इनकी ऊँचाई १४ फुट ही रह जाती है। पर यह ज्वार-भाटा मनुष्यों आदि के लिए दो बात का होता है। इसी नदियाँ हमेशा बनाये हैं और ज्वार-भाटे के साथ ये बड़े बड़े जहाज कई मील तक इनमें आ जा सकते हैं।

समुद्रतट बहुत ही कटा-छँटा है। पश्चिम तट पर नहरों का अधिक जोर होने और मार के कुछ अंश से कटाव भी अधिक है। **स्काटलैंड** का किनारा तो मानों के **फिअर्डों** के ही बनाया हो गया है। इन कटावों के कारण समुद्र तट ऐसा घुमा हुआ है कि कितनी ही जगहों में भीतरी भाग की समुद्र से ७० मील से अधिक दूर नहीं है। यहाँ तक कि २०० वर्गमील के पीछे एक मील तट है। बड़ी खाड़ियों में बीस वर्गमील के पीछे १ मील तट है। समस्त तट की लम्बाई ३,००० मील है। इस तट ने यहाँ के लोगों को नाविक बनाने में बड़ी सहायता दी है।

धरती—इसकी और पहाड़ भाग के छोड़ कर देश प्रायः समतल है। यहाँ खेती और चरागाह में बहुत है। स्काटलैंड

मिले पर है। धन का ½ भाग इँगलैंड में है, जो पहाड़ियों की कमज़ोर ज़मीन पर पाया जाता है। अधिकतर ज़मीन में दलदल है जहाँ सिवार, घाई, निकल घास तथा झाड़ी के सिवा और कुछ नहीं उगता है। इँगलैंड और स्काटलैंड में १,००० फुट ऊँचाईवाली और स्काटलैंड तथा आयरलैंड में ६०० फुट ऊँची ज़मीन प्रायः ऐसी ही है। आयरलैंड के बिलकुल पश्चिम और स्काटलैंड के उत्तर-पश्चिम में ऐसी दलदलवाली धरती समुद्र-तट तक फैली हुई है। ऐसी ज़मीन में सिवल घास हो सकती है। इसके ऊपरवाली नेती पथरीली धरती बिलकुल ही व्यर्थ है। देश की बची हुई धरती अरबाही या खेती के काम में आती है। २४ एकड़ खेती धरती पर चरागाह है जहाँ प्रायः २१ लाख घोड़े, तथा करोड़ दोर, और सौन करोड़ भेड़ें चरती हैं। चेविएट और चेम्बिडन आदि ऊँचे भागों में भेड़ पाली जाती है। पश्चिमी प्रान्त सिवले प्रदेशों में दोर बहुत है। आयरलैंड में सुअर और गधे बहुत पाले जाते हैं। नदियों, झीलों, और उथले तथा हरे समुद्र (विशेषकर डागरबैंक) में मछलियाँ पकड़ी जाती हैं। डिवन के दक्षी जिले और सब जिलों से अधिक सुअर और घुड़साले होते हैं। यहाँ गेहूँ बहुत है। पर देश में जितने गेहूँ की खपत है उसका केवल ½ यहाँ होता है। अब हिन्दुस्तान, कनाडा, आस्ट्रेलिया संयुक्तराज्य, अर्जेन्टाइन और रूस से आता है। जितने लोग खेती करते उससे बहुत अधिक लोग खेती के औज़ार बनाने में लगे हैं। आयरलैंड के उत्तर-पूर्व और दक्षिण-पूर्व में जई का बहुत प्रचार है। जौ की खेती बहुत और जिसमें लिखे हुए इंगलैंड सिटलैंड (सब इंग्लैंड, ट्वेन्ट नदी और एडी स्काटलैंड की टे नदी के तट में होता है। इसी से ब्रेंडिस और ब्रेकन्ट बिस्कुट बनते हैं। जौ की बची खुची डण्ठल काग़ज़, गत्ता, छप्पर आदि बनाने के काम आती है। खेती में सेवर नदी के तट और आयरलैंड और डेरी के बीच और देखी,

[illegible]

[illegible]

हल, साउथम्पटन, लिवरपूल, और बेलफास्ट [illegible] में [illegible] कोयला [illegible] है [illegible] [illegible]हैवन, [illegible] पोर्ट्स्माउथ, डेवनपोर्ट, पेम्ब्रोक, [illegible] और रोसिथ में हैं।

[illegible]

किले के चारों ओर बसा है और पूर्वी तटीय मार्ग पर शासन करता है। इसी लिए स्काटलैण्ड के राजाओं ने अपनी राजधानी इसी नगर में बनाई। प्रान्तीय सरकार का केन्द्र इस समय भी यहीं है। एडिनबर्ग से कुछ ऊपर **फोर्थ** इस्चुअरी पर पुल बन जाने से यह नगर रेलवे जंक्शन भी हो गया है। यहीं छपाई आदि के कारखाने हैं। पूर्वी स्काटलैण्ड का सबसे अधिक व्यापार एडिनबर्ग के **लीथ** बन्दरगाह में होकर जाता है।

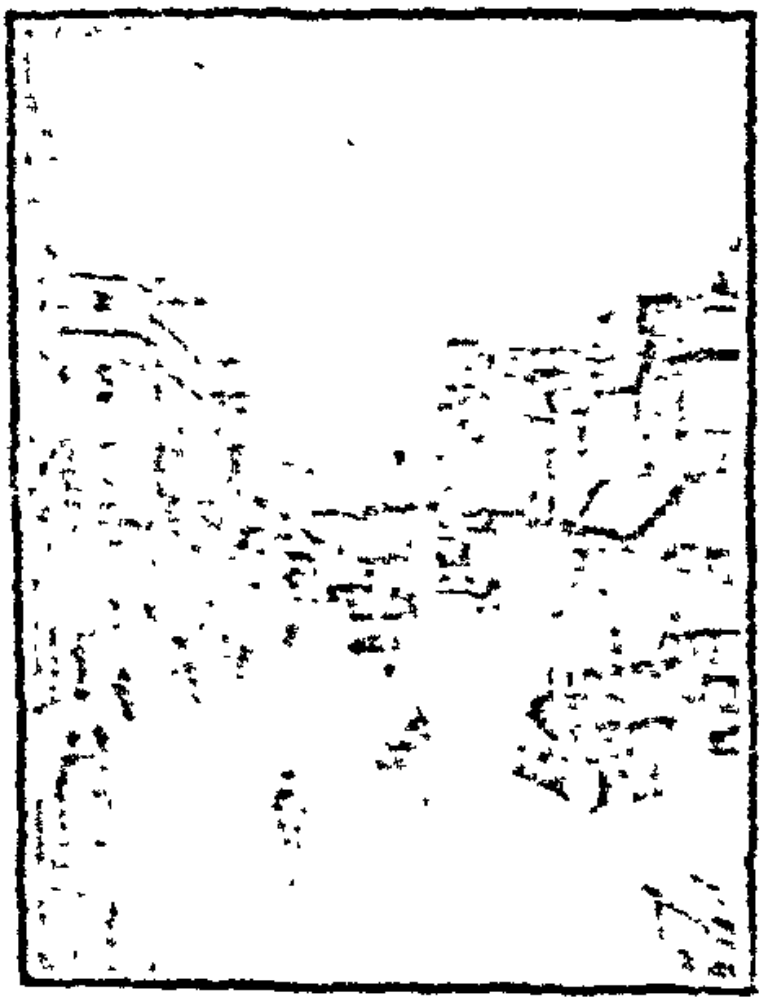

लन्दन का बाजार

लन्दन—टेम्स नदी की निचली इस्चुअरी में कुछ एक स्थान कुछ ऊँचा था। ज्वार-भाटा आने पर जब इस्चुअरी के दोनों किनारे दलदल हो जाते थे, तब भी यहाँ की धरती सूखी रहती थी। इसलिए समुद्र-

मार्ग से भीतर आनेवाले रोमन लोगों ने यहीं पर अपने जहाज़ों से उतरना ठीक समझा। इस स्थान से पश्चिम में नदी पांच थी। इस लिए उन्होंने यहीं पर नदी के ऊपर पुल बना दिया। पुल बन जाने से लन्दन नगर में दक्षिणी पूर्वी इँग्लैण्ड के सभी स्थलमार्ग आकर मिल गये। एक समतल मैदान के बीच में मार्गों का केन्द्र होने से लन्दन नगर इँगलैंड की राजधानी के लिए अत्यन्त अनुकूल था। पुल से पश्चिम

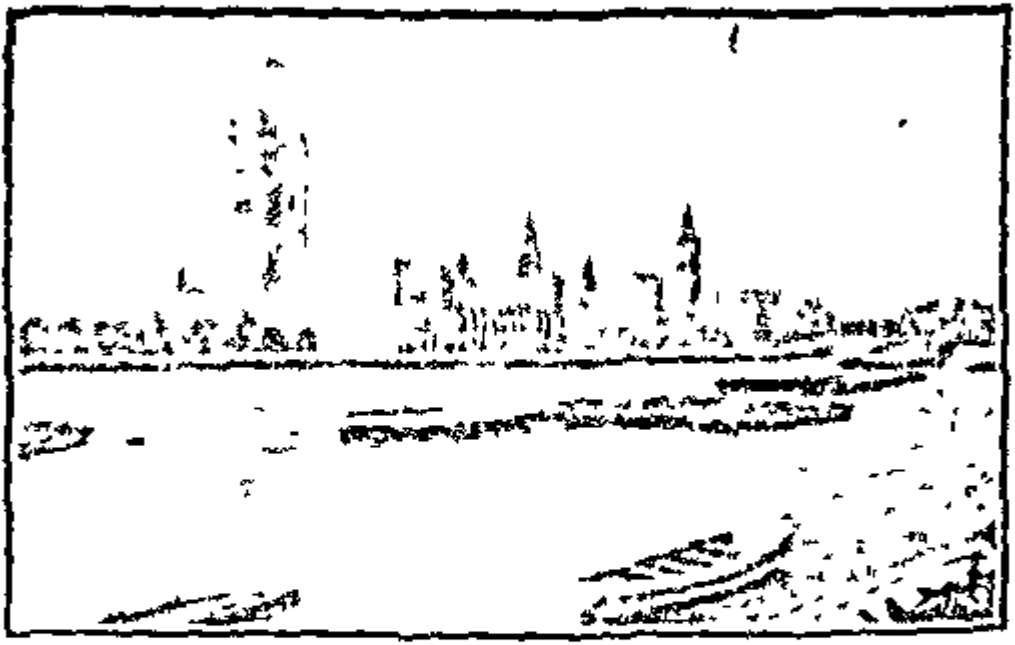

वैसे वैसे लन्दन भी दुनिया का सबसे बड़ा नगर (७१ लाख) होता गया। रेलों ने पुरानी सड़कों का अनुसरण करके लन्दन को ही ब्रिटेन का सबसे बड़ा जङ्क्शन बनाया। विमान-मार्गों का केन्द्र भी यहीं हो गया। ज्वार-भाटे का पानी लन्दन-पुल से भी आगे पहुँचता है। पर रोमन-पुल के जमाने छोटे थे। इसलिए लन्दन टेम्स इस्तुबरी का सबसे बड़ा बन्दर-गाह बना रहा। यहां से दुनिया के प्रायः प्रत्येक भाग के लिए जहाज़ छूटा करते हैं और कच्चा माल लादा करते हैं। लन्दन में शराब, कागज़, मिट्टी के बर्तन और चमड़े के कई कारखाने हैं। यहीं बड़े बड़े बङ्क और विश्वविद्यालय हैं। एक छोटे से नगर से बढ़ते बढ़ते अब लन्दन नगर इतना बड़ा हो गया है कि यहां की सब सड़कों की पैदल सैर करना प्रायः जीवन भर असम्भव है।

———

अमरीका एक विशाल द्वीप है। इसके उत्तर में **आर्क्टिक महा-सागर** (४८ लाख वर्गमील), दक्षिण में **दक्षिण-महासागर** (८५ लाख वर्गमील), पूर्व में **अटलांटिक** महासागर (चार करोड़ वर्गमील) इसे योरप और अफ्रीका से अलग करते हैं। इसी प्रकार पश्चिम में **प्रशान्त-महासागर** (७ करोड़ वर्गमील) इसे एशिया और आस्ट्रेलिया से अलग करता है। धुर दक्षिण और उत्तर को छोड़ कर यह महाद्वीप प्रशान्त-महासागर और अटलांटिक महासागर को पृथक् करता है। आर्टिक सागर का उत्तरी-पश्चिमी मार्ग प्रायः सदा बरफ़ से ढका रहता है। पर दक्षिणी मार्ग के प-आफ़-गुड होप के नीचे नीचे हिन्द-महासागर से होता हुआ दक्षिणी अमरीका के **केप-हार्न** का चक्कर काटता है और साल भर बरफ़ से मुक्त रहता है। हार्नकेप का मार्ग भयानक पहुआ आंधियों और पहाड़ी समुद्र-बीच में है। पृथिवी की परिक्रमा करने के लिए हवा का सहारा लेनेवाले जहाज़ **केप** के मार्ग से जाते हैं और **हार्न** के मार्ग से लौटते हैं। धुआंकश किसी भी मार्ग का अनुसरण कर लेते हैं। बहुधा वे **टेराडेलफ्यूगो** और दक्षिणी अमरीका के बीच **मेजीलन** जल-डमरू-मध्य से होकर जाते हैं। अब तो हज़ारों मील का चक्कर बचाने के लिए मध्य-अमरीका में **पनामा**-नहर खुल गई है।

प्रशान्त-महासागर अटलांटिक-महासागर से कहीं अधिक चौड़ा है। धुर उत्तर में यह अत्यन्त सिकुड़ गया है। यहां एशिया का तट अमरीका के तट से केवल ३६ मील रह जाता है। बीच में (२०० गज़ से भी कम) उथली **बेहरिंग** प्रणाली है। पूर्व की ओर उत्तरी अमरीका के आर्टिक तट को **बेफ़िन** की खाड़ी और **डेविस** प्रणाली से ढके हुए **ग्रीनलैंड** (५ लाख वर्गमील) से अलग करती हैं।

लिवरपूल **क्यूबेक** से २,६०० मील **न्यूयार्क** से ३,००० मील

भी अधिक ऊँची है। एशिया में ६०० फ़ुट से नीची ज़मीन भी कम है। उत्तरी अमरीका का तट दक्षिणी अमरीका से कहीं अधिक कटा-फटा है। इसलिए उत्तरी अमरीका के समुद्र-तट की लम्बाई (४६,६०० मील) दक्षिणी अमरीका के तट की लम्बाई (१,७८,००० मील) से प्रायः तिगुनी है।

उत्तरी अमरीका का उत्तरी सिरा **मरक्वीसन** अन्तरीप के दक्षिणी सिरे **टीहांटीपेक** से २,६०० मील दूर है। इसकी अधिक से अधिक चौड़ाई भी इतनी ही है। दक्षिणी अमरीका की लम्बाई उत्तर से दक्षिण तक ४,७०० मील है, जो प्रायः अफ़्रीक़ा के बराबर है, पर अधिक से अधिक चौड़ाई केवल सवा तीन हज़ार मील ही है। उत्तरी अमरीका यूरेशिया के समान भू-मध्य-रेखा के उत्तर में स्थित है और शीतोष्ण अक्षांशों में सबसे अधिक चौड़ा है। यूरेशिया की विशाल चौड़ाई के सामने उत्तरी अमरीका की चौड़ाई बहुत कम है। इसका फल जलवायु पर भी पड़ता है। पश्चिमी द्वीप-समूह की समता पूर्वी द्वीपसमूह से है, पर पश्चिमी द्वीप-समूह कर्क-रेखा के बहुत पास है।

दक्षिणी अमरीका का आकार अफ़्रीक़ा के समान है पर इसके अक्षांश भिन्न हैं। उत्तरी १० अक्षांश दक्षिणी अमरीका के उत्तरी तट को बहुत कम काटता है, पर यही अक्षांश-रेखा अफ़्रीक़ा के सबसे चौड़े भाग से होकर जाती है। दक्षिणी २० अक्षांश और भू-मध्य-रेखा के बीच दक्षिणी अमरीका सबसे ज्यादा चौड़ा है, पर अफ़्रीक़ा इन्हीं अक्षांशों के बीच सिकुड़ता जाता है। दक्षिणी अमरीका दक्षिण की ओर भी अफ़्रीक़ा की अपेक्षा अधिक दूर चला गया है। **केप** प्रदेश और दक्षिणी अमरीका की **प्लेट** नदी इन्हीं अक्षांशों में स्थित है। दक्षिणी अमरीका और अफ़्रीक़ा की ऊँची नीची ज़मीन का विभाग भी भिन्न है। अफ़्रीक़ा में सबसे नीची ज़मीन भू-मध्य-रेखा के पास पूर्व की ओर है। पर दक्षिणी अमरीका में भू-मध्य-रेखा के पासवाले प्रदेश में ६०० फ़ुट से कम ही

सिपी प्रशान्त महासागर के पहाड़ों से अपार मिट्टी लाती है, जिससे मेक्सिको की खाड़ी में विशाल डेल्टा बन जाता है। जब वसन्त ऋतु में प्रशान्त महासागर के पहाड़ों की बरफ़ पिघलती है तभी इसमें बाढ़ आती है। एमेजन नदी कांगो की भांति वर्षा-ऋतु में फैलती है और पानी एवं मिट्टी समुद्र में बहा लाती है। प्लेट नदी में गर्मी की वर्षा के पीछे बाढ़ आती है। इस नदी ने अपने बेसिन में बहुत सी कांप (पुलिन) फैला दी है। उत्तरी और दक्षिणी अमरीका के खुश्क भागों में नदियां या तो सूख जाती हैं या भीतर ही को बहती हैं।

अमरीका के राजनैतिक विभाग—समस्त अमरीका को जीत कर योरपीय लोगों ने इसमें उपनिवेश बसाये हैं। लेकिन उत्तरी अमरीका शीतोष्ण कटिबन्ध में स्थित हैं। इसलिए यहां उत्तरी योरप की ट्यूटानिक और स्केन्डीनेवियन जातियों का निवास है। मध्य एवं दक्षिणी अमरीका में स्पेन और पुर्तगालवालों ने स्वतन्त्रता पूर्वक मूलनिवासियों से शादी-ब्याह किया है। कनाडा और पश्चिमी द्वीप-समूह को छोड़ कर प्रायः नई दुनिया के सभी राष्ट्र प्रजा-सत्तात्मक हैं। दक्षिणी अमरीका में भी थोड़े से भाग (गायना एवं कुछ टापुओं) पर ब्रिटिश फ्रांसीसी और डच लोगों का अधिकार है।

उत्तरी अमरीका में सबसे बड़े प्रजा-सत्तात्मक राष्ट्र अमरीका संयुक्त-राष्ट्र और मेक्सिको के हैं। दक्षिणी अमरीका में ब्रेजिल और अर्जेन्टाइन सबसे बड़े हैं।

— —

समानान्तर **वीलैंड** तथा अन्य नहरों-द्वारा भीतर को प्रवेश करते हैं, तथापि बड़े जहाज़ों का रास्ता रुक जाता है। प्रतिवर्ष हज़ारों यात्री इनका दर्शन करने जाते हैं, इसलिए अड़ोस-पड़ोस में बहुत से नगर बस गये हैं। पहले इस प्रपात से निकली हुई जल-शक्ति (४० लाख अश्व-शक्ति) व्यर्थ ही जाती थी। अब इस बिजली से काम लिया जाता है, और तरह तरह के कारख़ाने खुल रहे हैं। इससे प्रपात की सुन्दरता घटती जाती है, पर साथ ही उपयोगिता बढ़ती जाती है।

ओंटेरिओ झील बहुत गहरी है। इसके किनारे १०० फुट से कम ही ऊँचे हैं और यहां कई अच्छे बन्दरगाह हैं। इस झील के नीचे **सेंट लारेन्स** चौड़ी होकर एक सुन्दर सहस्र द्वीपी झील में परिणत हो जाती है और **मांट्रियल** के ऊपर सेन्टलूई झील में गिरते समय एक बार फिर **लेशीन** प्रपात बनाती है, जिसमें छोटे छोटे जहाज़ नहरों-द्वारा सुपीरिअर झील के किनारे तक पहुँचते हैं। पर समुद्र की ओर लौटते समय कुछ जहाज़ सीधे उतर भी जाते हैं। प्रपात के ठीक नीचे एक टीले पर मांट्रियल स्थित है। यहीं उत्तर की ओर से **ओटावा** नदी सेन्ट-लारेंस से आ मिलती है। पूर्व की ओर कुछ दूर जाने **रिचलो** नदी मिलती है, जिसकी घाटी न्यूयार्क के लिए प्रधान मार्ग बनाती है। ज्यों ज्यों सेंट लारेन्स समुद्र के निकट पहुँचती है, त्यों त्यों चौड़ी होती जाती है। इसका खुला मुहाना (इस्चुअरी) चौड़ा ही नहीं बरन गहरा भी है। इसी मुहाने पर बनाच्छादित **एन्टीकोस्टी** द्वीप स्थित है। इस्चुअरी के चिह्न बहुत दूर तक समुद्र में भी मिलते हैं, और ज्वार-भाटा तो मांट्रियल और क्यूबेक (६०० मील के बीच **पीरिवस** (त्रिधारा) तक पहुँचता है। सर्दी के दिनों में प्रतिवर्ष मेटन्सार से तीन महीने तक (पर झीलों के पास पाँच महीने तक) बर्फ़ से फिर जाती है। तब नोवा स्कोशिया के **हेलीफैक्स**, न्यू ब्रंज़विक के **सेंट जान** या न्यू इंग्लैंड के बन्दरगाहों से काम लिया जाता है।

कम हो गया, पर इस घटी के मुकाबले में जो लाभ कई अन्दर आने-वाली गहरी नदियों और सुन्दर बन्दरगाहों के बनने से हुआ, वह कम नहीं है।

भूमि की बनावट और मनुष्य-जीवन में घनिष्ठ सम्बन्ध है। भीतरी कड़े पथरीले भाग में ऊपर की तह घिस कर नदियों की उपजाऊ घाटी बन गई। वेगवती नदियाँ इस उच्च प्रदेश से नीचे उतरते समय प्रपात बनाती हैं, जिनसे सस्ती बिजली तैयार होती है। इसलिए इस प्रपात-रेखा के पास पास समृद्ध कला-भवन और सघन जन-संख्यावाले नगर बस गये हैं। दूसरे कटिबन्ध में स्थल की बनावट उपनिवेश के लिए बाधक है। पूर्वी एपेलीशियन में पुरानी ठोस चट्टानें हैं। यद्यपि ये सात हज़ार फ़ुट से अधिक ऊँची नहीं हैं, तो भी पूर्व से पश्चिम के लिए मार्ग दुर्गम हैं। उत्तरी एपेलीशियन का दृश्य गोल पहाड़ियों, गहरी तथा उपजाऊ घाटियों और बरफ़ से बनी हुई झीलों से पूर्ण है। एपेलीशियन के बीच एक बड़ा आखात सेन्टलारेन्स से न्यूयार्क तक चला गया है। इसके उत्तरी सिरे पर **चैम्पलेन** झील है। दक्षिणी सिरे पर हडसन की घाटी है जो ठीक दक्षिण में न्यूयार्क पहुँचती है। इससे भी अधिक महत्त्वपूर्ण **मोहाक** नदी है जो **हडसन** के दाहिने किनारे पर आ मिलता है **मोहाक** का निकास आटेरियो झील के पास है। इसकी चौड़ी और नीची घाटी बड़ी झीलों तक सीधा मार्ग खोल देती है।

पूर्व की ओर से देखने पर एपेलीशियन पठार पर्वत-श्रेणी के समान जान पड़ता है। दूर से यह नीला दिखाई देता है इसी से यह नीली पहाड़ी (ब्लूरिज) कहलाता है **माउट मिचेल** इसकी सर्वोच्च (६,७३० फ़ुट) चोटी है।

दक्षिण एपेलीशियन उत्तरी की अपेक्षा अधिक चौड़ा और ऊँचा है, लेकिन इनमें होकर बहुत कम अच्छे मार्ग हैं क्योंकि नदियाँ एक-दम

मिसीसिपी के प्रथम ४०० मील का सर्पाकार मार्ग छोटी छोटी झीलों, दलदलों और देवदारु के वनों के बीच से आता है। इसमें प्रपात आदि भी हैं। बहुत सी धाराओं के मिलने से यह धीरे धीरे चौड़ी होती जाती है। **सेंटपाल** और **मिनिआपोलिस** (जोड़वां शहरों) के नीचे से समुद्र तक यह नावों के योग्य गहरी है। पर इसकी धारा अक्सर दो तीन सौ फुट ऊँचे करारों से घिरी है। यह अपनी वार्षिक बाढ़ के बाद (जो वसन्त-ऋतु में पहाड़ी बरफ़ पिघलने से होती है) अपना टेढ़ा मार्ग अक्सर बदल देती है। एपेलीशियन पहाड़ से आने-वाली सबसे अधिक प्रसिद्ध नदी **ओहाइयो** बायें किनारे से और **आरकांस** और **रेडरिवर** दाहने किनारे पर आ मिलती हैं। इस भाग में मिसीसिपी ज़मीन काटने के बदले निचली हांगहो के समान नई भूमि बनाती है। धारा मन्द पड़ जाने से ये दोनों नदियां बहुत सी मिट्टी तली में छोड़ देती हैं, जो धीरे धीरे पासवाले बाढ़ के मैदान से ऊँची हो जाती है, जहां बाढ़ रोकने के लिए सैकड़ों मीलों तक बांध बांध दिये गये हैं। जब कभी बांध टूट जाता है तब नदी के दोनों ओर का ढालू मैदान डूब जाता है। इसमें समुद्र में लगभग डेढ़ सौ मील की दूरी से डेल्टा बनना आरम्भ हो जाता है। यह नदी कई उथली धाराओं में बँट गई है। एक धारा, जिस पर न्यूआर्लिअन्स स्थित है, बांध बना कर जहाज़ चलाने योग्य गहरी कर दी गई है। मिसीसिपी का डेल्टा बड़ी तेज़ी से बढ़ रहा है। इसकी बहुत सी मिट्टी समुद्र में भी चली जाती है।

पश्चिमी कार्डिलेरा—कार्डिलेरा में तीन प्रधान कटिबन्ध हैं, जो एलास्का से **टी हांटीपेक** के योजक तक चले गये हैं—(१) पूर्वी या राकी पहाड़, (२) कार्डिलेरा पठार, जो पूर्व में राकी और (३) पश्चिम में प्रशान्तमहासागर की श्रेणियों के बीच स्थित है।

राकी—पर्वत ऊँचे मैदान के ऊपर प्राय: वृक्ष-रहित नग्न शिलाओं

ऊँचे **ब्रोज़ नेस्ट** और **कूटेने** दर्रे हैं, जिनसे होकर खनिज-प्रान्तों को मार्ग गये हैं। कनेडियन राकी और सेल्कर्क तथा अन्य समानान्तर पहाड़ियों के बीच ८०० मील लम्बा एक आखात है। **फ्रेज़र, कोलम्बिया** नदियाँ इसी लम्बे गढ़े से निकलती हैं, और विचित्र-

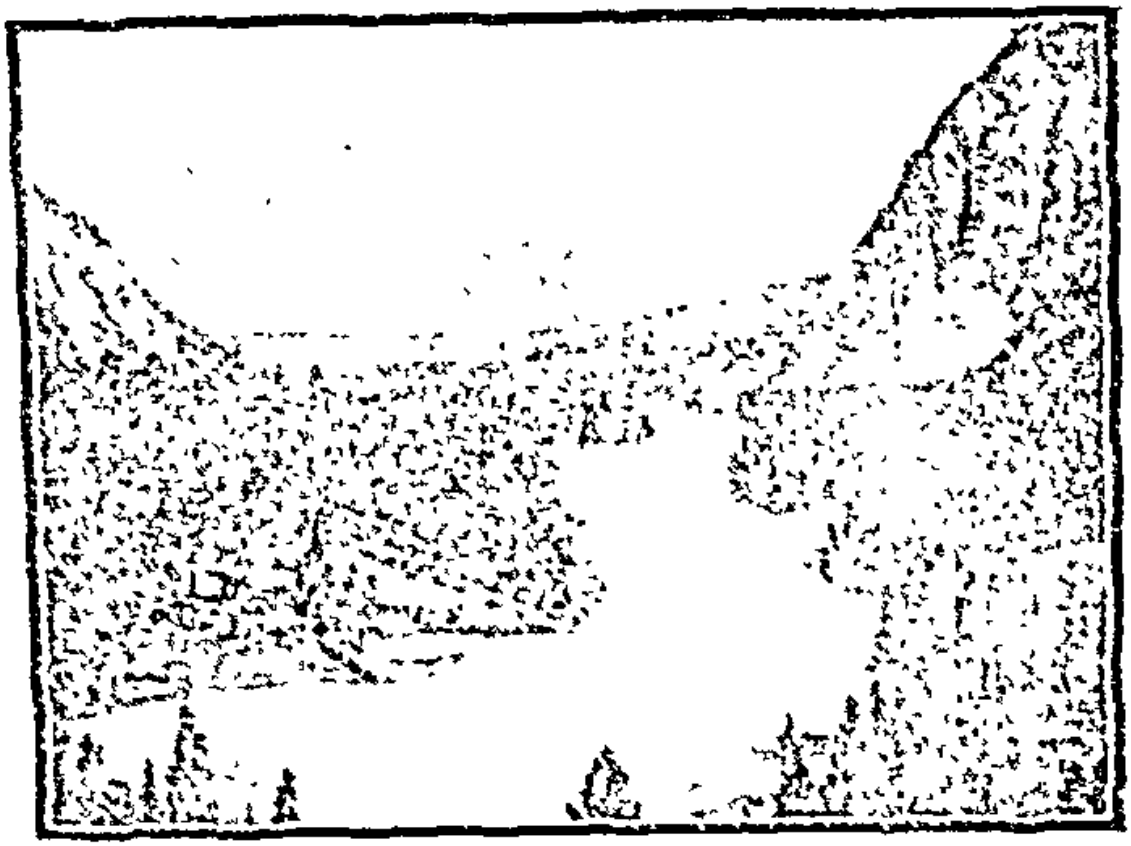

कनेडियन राकी के शिखर और घाटियाँ।

मार्गों-द्वारा प्रशान्तमहासागर में गिरती हैं। **फ्रेज़र** और आगे दक्षिण से **कोलम्बिया** यहाँ होकर पहले उत्तर की ओर बहती हैं। फिर **गोल्ड** और **सेल्कर्क** श्रेणियों के सिरे से मुड़कर दक्षिण की ओर ऐसी घाटियों में बहती हैं जो इन पहाड़ियों तथा अपने पुराने मार्ग के समानान्तर हैं। अन्त में वे पश्चिम की ओर मुड़ती हैं और प्रशान्त महासागर की पर्वत-श्रेणियों को तोड़कर ऊँचे पहाड़ों की दीवारों से ढका हुआ भयंकर सकरा मार्ग (गोर्ज) बनाती हैं।

फ्रेज़र और कोलम्बिया नदियों में बह जाता है। (३) इडाहो, ओरेगान और वाशिङ्गटन के लावा पठार का पानी स्नेक नदी-द्वारा उत्तर की ओर कोलम्बिया में जाता है। (४) ग्रेट बेसिन १३,००० फुट ऊँचा है। (५) कोलोरेडो-पठार और आगे है। (६) मेक्सिको का पठार पूर्वी और पश्चिमी सिएरा मेडर विशाल, प्रज्वलित ज्वालामुखी पर्वत-श्रेणी के द्वारा दक्षिण में जुड़े हुए हैं। पोपोकेटी पेटल (१७,५२० फुट), ओरीज़ोवा (१८,२५० फुट) तथा कई शान्त चोटियां भी इसी में सम्मिलित हैं, जो टीहान्टीपेक योजक की ओर एक-दम नीची हो गई हैं।

यूकान पठार में क्लान्डायक तथा अन्य सोने की खानें हैं। यह एक पहाड़ी, ऊँचा-नीचा, तथा अज्ञात प्रदेश है। केवल स्वर्ण की खानें तथा उनके मार्गों ही से लोग परिचित हैं।

दक्खिनी पठारों में भूमि के घिसने के चिह्न स्पष्ट दिखाई देते हैं लावा-पठार पर पुराने समय में ही ज्वालामुखी पर्वतों से बह बह कर काले लावा की विराट् तहें जम गईं। ये कहीं कहीं चार हज़ार फुट गहरी हैं। स्नेक नदी ने लावा तथा नीचेवाली चट्टान को काट कर २,००० फुट से भी अधिक गहरी नदकन्दरा (कैनियन) बना दी है। शुष्क प्रदेश में नर प्रदेश की अपेक्षा कभी धीरे धीरे और कभी जल्दी जल्दी भूमि घिसती है। जब कभी पानी बरसता है तब इतने ज़ोर से बरसता है कि सारी ढीली मिट्टी की धारायें मटीले पानी से उबलने लगती हैं और कंकड़-पत्थरों से अपनी तली एकदम काट देती हैं। घाटी की दीवारें कुछ धीरे धीरे घिसती हैं। क्योंकि यहां पानी नीचे को इतने ज़ोर से नहीं बैठता है।

शुष्क प्रदेश के आदर्श नदकन्दरा की दीवारें प्रायः लम्बाकार होती हैं। ये कई हज़ार फुट ऊँची होती हैं और अक्सर भिन्न भिन्न भागों में भिन्न भिन्न रङ्गों की होती हैं, क्योंकि नई नई तहें खुलती रहती हैं। पठार के उच्चतम भाग से उतरते समय स्नेक नदी शोशोन प्रपात बनाती है।

तृतीय अध्याय

जलवायु और वनस्पति

जलवायु—जनवरी शीतकाल का एक आदर्श महीना है। इस महीने में महाद्वीप के भीतरी भागों में हवा का दबाव बहुत ऊँचा रहता है। इसी से पानी बन बरसता है। परिध्रुवी तट पर मुहानी पछुआ हवायें ३५ अक्षांश तक चलती हैं। जिनसे वहाँ पानी बरसता है। इसी ओर ऊँचे पहाड़ों की रुकावट होने से वर्षा की मात्रा और भी बढ़ जाती है। मेक्सिको की खाड़ी से उत्तर-पूर्व की ओर और मीलों के पूर्व की ओर चक्रवात (साइक्लोन) (उत्तरी अमरीका के पूर्वी भाग में) पानी बरसाते हैं। पर बहुधा इनसे उत्तरी ओर चलनेवाले प्रति चक्रवात के निकलने से धुर दक्षिण प्रदेश को छोड़ कर यहाँ की सामान्य हवायें उत्तरी-परिध्रुवी अथवा पछुआ होती हैं।

जुलाई—इस माह में यहाँ का हवा का दबाव एशिया के मुकाबले में बहुत कम हल्का होता है पर फिर भी ध्रुव की हवा पास के महासागरों की अपेक्षा कुछ ठण्डी होती है। मुहानी पछुआ हवायें कुछ उत्तर की ओर बढ़ जाती हैं और दक्षिण की ओर केवल **वैंकूवर** ही तक पानी बरसाती हैं। पर उत्तर-दक्षिण महाद्वीप के पूर्व में लेकर परिध्रुव तक फैला हुआ है इसलिये मैदान और मैक्सिको में पूर्वी ट्रेड हवायें आ जाती हैं। इसी कारण इन प्रदेशों की मुख्य वर्षा ऋतु होती है। लगभग ४० उत्तरी अक्षांश के उत्तर-परिध्रुवी तट पर सदा वर्षा होती रहती है, पर इसी अक्षांशवाले भीतरी भागों में केवल गरमी में वर्षा होती है। ४२ उत्तरी अक्षांश के दक्षिण में स्थित परिध्रुवी तट पर गरमी में वर्षा का कम

होता है और तीनों ऋतुओं में यहाँ पानी बरसता ही रहता है। और आगे दक्षिण में केवल शीतकाल में वर्षा होती है। पहाड़ों में

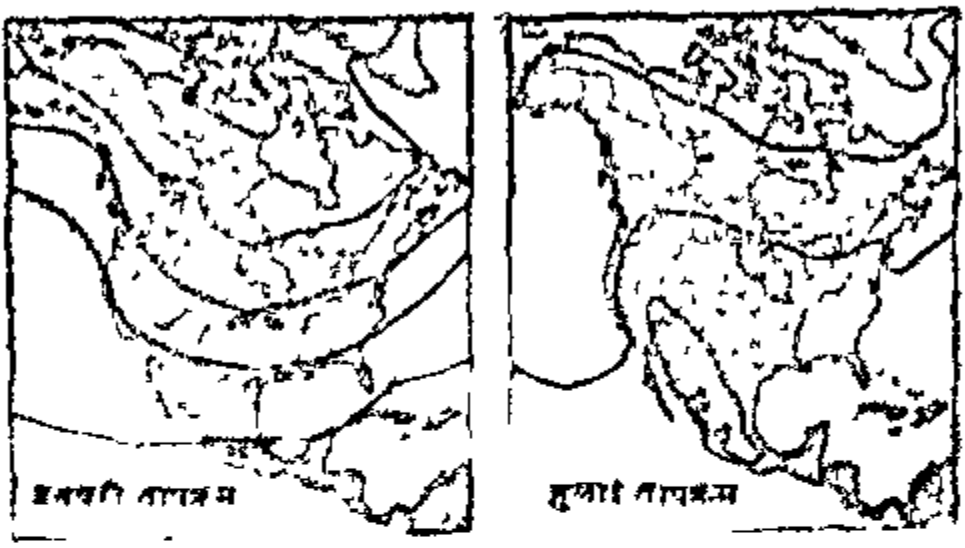

से बचाने के लिए ऊपर की मिट्टी को बहुत ही बारीक कर देते हैं। सूखी खेती की फसलों में अल्फा या लुसर्न घास बड़ी क़ीमती होती है। इसकी गहरी जड़ें पानी की तलाश में बहुत नीचे चली जाती हैं और साल में इसकी कई फसलें काटी जाती हैं।

मरुभूमि—यह सुरक्ष सेजबुश गुच्छों या कटीले रामबाँस से घिरी है। इसके पौधे अपने पत्तों को छोटा करते करते काँटे बना लेते हैं और मज़बूत फूले हुए तने में पानी जमा रखते हैं। ये कई जाति, आकार और रूप के होते हैं। मेक्सिको के पठार की सामान्य वनस्पति में से हैं।

उष्ण कटिबन्ध प्रदेश—मेक्सिको, मध्य-अमरीका और पश्चिमी द्वीपसमूह के तटवाले मैदानों के उष्णप्रदेश की वनस्पति लङ्का और मलय प्रायद्वीप की वनस्पति से मिलती है। महोगनी तथा अन्य सुन्दर लकड़ी, रबड़ एवं उष्णकटिबन्ध के अन्य पौधे उष्णार्द्र जङ्गलों में उगते हैं। सुरक्ष प्रदेश में ईख, कहवा, कोकिन, और अन्य उष्णकटिबन्ध की फसलें उष्ण-प्रदेश में उगती हैं। गेहूँ, आलू आदि शीतोष्ण कटिबन्ध की फसलें कुछ हजार फुट की ऊँचाई पर उगती हैं।

ध्रुव के रीछ, वालरस, सील और ह्वेल ठण्डे पानी या बरफ़ में मिलते हैं। खाल, मांस और चर्बी के लिए इनका शिकार होता है। ह्वेल की हड्डी भी बड़े काम की होती है।

वन के पशु—नोकीली पत्तीवाले पेड़ों की पत्तियां सरदी में भी बनी रहती हैं। और घास, पत्ते, बीज तथा बेरी फल आदि इतनी अधिकता से मिलते हैं कि सरदी में केरिबो वन में चला आता है। वन की पत्ती और तने के समान इसके भी विचित्र दाग़ पड़ जाते हैं। उत्तरी अमरीका के हिरण की—**केरिबो** और **वापिटी** (लाल हिरण) आदि—कई जातियां हैं।

भेड़िया, वनबिलाव, पूमा (चीते के समान), लाल, भूरे और बादामी रंग के रीछ बड़े बड़े हिंसक हैं। ये अधिकतर राकी पहाड़ पर पाये जाते हैं। लोमड़ी, **निउला, स्टोट, विज्जू** आदि छोटे छोटे हिंसक जीव हैं।

स्कन्क—की रक्षा का एक-मात्र साधन उसकी विचित्र गन्ध है। असंख्य फ़रधारी जानवरों में **बीवर** बड़ा ही दिलचस्प है। यह वन की धाराओं के आर-पार बांध बांध देता है, और बड़े जटिल घर बनाता है। बहुत से जानवर भी सङ्गठन-शक्ति के लाभों से परिचित हो गये हैं। **केरिबो**, बीवर आदि शाकाहारी पशु इनमें प्रधान हैं। हिंसक जन्तुओं को ऐसा जीवन नहीं भाता। पर यहां के भेड़िये और कुत्ते झुंड बांधकर शिकार करते हैं।

प्रेरी अथवा स्टेपी-पशु—प्रेरी प्रदेश में गरमी की ऋतु में बहुत भोजन मिलता है। पर सरदी में टुंड्रा के समान ही उजाड़ रहता है। इसलिए इस प्रदेश के जानवरों को भी (अक्सर बड़े बड़े झुंडों में) विचरना पड़ता है। नई दुनिया के प्रेरी (स्टेपी) में ऊंटों, जंगली घोड़ों, गधों और बकरों का अभाव है। यहां का मुख्य चरनेवाला जानवर बिसन है, जो भैंसे का निकट सम्बन्धी है। ६० वर्ष

(रुई न करनेवाले चूहे) बनाते और लोग, कपास की खेती करने के काम आती थी। उस मेलबर्न में घोड़े लाने तक रेल इन्डियन (मुल्किवासी) अपने हुए जंगली घोड़ों की भीड़ी ही पीठ पर चढ़ना सीख गये। इन घोड़े सवारियों से सिखा और शिकारी होने ही वो अब सचमुच बड़े हो दिया। आज-कल प्रेरी के सुरक्षा भागों में इनके गल्ले फिरते हैं। रेगिस्तान प्रदेश (डेजर्ट एरियस) में ये शिकार बड़ भी करते हैं। पर इनकी संख्या घटती जा रही है।

जंगल के मुल्किवासी शिकार करने के अतिरिक्त खेती करना भी सिखे गये हैं।

इन्होंने अपने खेत की दूसरी की हुई है, मकई और कुलथी से कुछ खेती आप ईजाद की। इसी से ये अन्न-भाषों के लाभ से परिचित आने हैं। छोटे छोटे अन्न-विभाजक पीस के आटे पर ये आज भी हाथ का चक्की को अपनी भाषा में रख लेते हैं। ये लोग अब भी ऐसे प्रकृतिक हैं कि खरीद-कर लाया बेकन-डबल्ड का उपयोग करने पर इन्हें अपने ही शिकार की चाह है बड़े दिल है

अंग्रेजों में अपने आपको बहुत बड़ा बड़ा ही विचार होता होता है। इनमें से कुछ तो इस बात पर ही बहुत कुछ अपने आपको समझ बैठे हैं कि वे अंग्रेज हैं। पर इस बात में संदेह नहीं कि इनमें बहुत से ऐसे हैं कि जिन्होंने इस अन्न को अपने ही हाथ से बोया है।

अंग्रेजों के अपने अंग्रेजपन के विचार ही इन्हें अपने ही देश, जो कि इन्हें बहुत प्यारा है, से बाहर ले जाते हैं।

इन्हीं विचारों का यह बहुत ही अच्छा फल है कि ये लोग आज दुनिया के हर कोने में फैले हुए हैं। इन्हें ये विचार ही अपने देश को छोड़ने के लिए विवश करते हैं। इन्हीं विचारों के कारण ये लोग अपने को अंग्रेज कहने में गौरव समझते हैं।

अधिकतर फ़्रांसीसी भाषा-भाषी लोग हैं। और भागों में अंगरेज़ी बोलनेवाले हैं। संयुक्तराष्ट्र में और भी खिचड़ी है। पूर्वी और उत्तरी योरुप से यहाँ उपनिवेशक आते हैं। अफ़्रीकन ग़ुलामों की सन्तान सारी जन-संख्या की $\frac{1}{14}$ है। दक्षिणी रियासतों के कुछ भागों में ये गोरों से भी अधिक हैं। मध्य-अमरीका, मेक्सिको और दूसरी रियासत में स्पेन के वंशज हैं।

टुंड्रा-प्रदेश के समुद्र-तट पर रहनेवाले लोग इस्कीमो हैं। समुद्र से ही वे अधिकतर अपनी जीविका कमाते हैं। उन्होंने अपनी कायक (नाव) और हथियार (हार्पून या भाला) बनाने में कमाल कर दिया है। वे इन दोनों ही आवश्यक चीज़ों को शिकार किये हुए जानवरों और समुद्र में बह आई हुई लकड़ी की सहायता से बनाते हैं। इस्कीमो एक

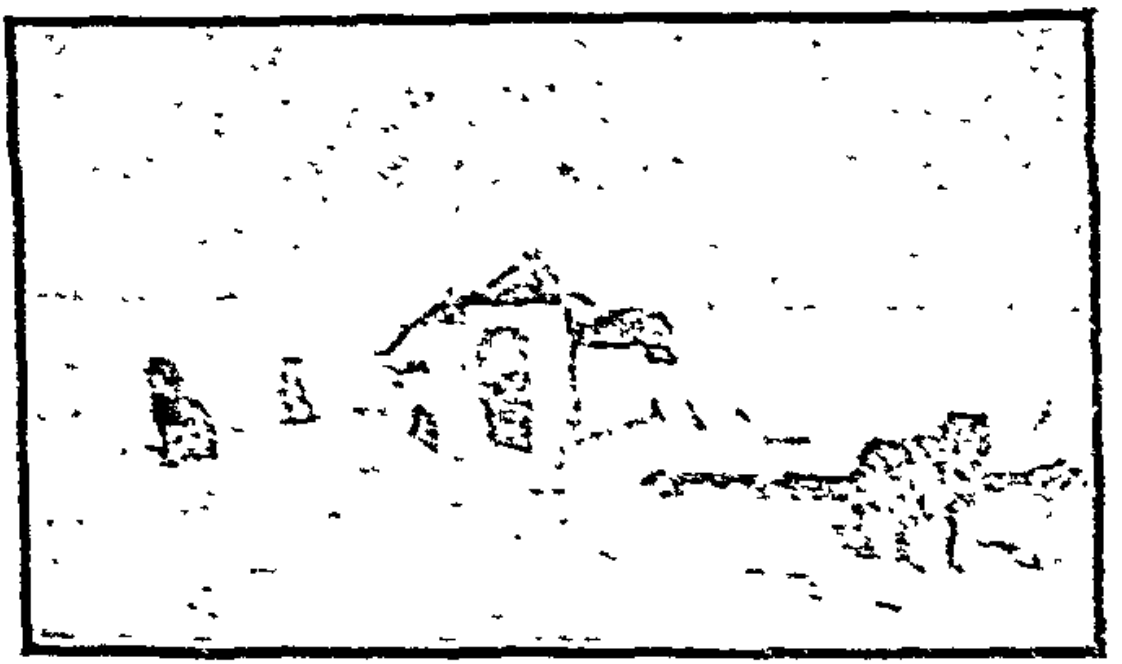

एस्किमो-गृह और कुत्ते।

घूमनेवाली जाति है, जो ख़ुश्की में स्लेज (बिना पहिये की गाड़ी) इस्तेमाल करती है। गरमी में खाल का डेरा ही इन लोगों का घर है सरदी में वे बरफ़ की झोपड़ा बनाती हैं। सफ़ेद रीछ से बचने के

कनाडा—क्षेत्रफल (९९,००,००० वर्ग मील, जनसंख्या ८८ लाख) योरप के बराबर है। कनाडा और संयुक्त राष्ट्र के बीच ४९ डिग्री अक्षांश की काल्पनिक सीमा है। दोनों के प्राकृतिक भाग एक ही हैं, अर्थात् पूर्व में (१) लारेन्शियन पठार, (२) बीच के प्रेरी मैदान और (३) पश्चिम में कार्डिलेरा प्रदेश। शासन के लिए कनाडा में (१) समुद्री प्रान्त—नोवास्कोशिया, प्रिंस एडवर्ड द्वीप और न्यूनब्रन्सविक (२) लारेन्शियन प्रान्त तथा पूर्वी कनाडा—क्यूबेक और ओंटेरियो, (३) प्रेरी प्रान्त—मेनीटोबा सस्केचवान और अलबर्टा (४) कार्डिलेरस प्रान्त—दक्षिण में ब्रिटिश कोलम्बिया, उत्तर में यूकान, और (५) हुड्सन में कार्डिलेरी (उत्तर-पश्चिमी प्रदेश) है।

प्रिंसएडवर्ड—(२,१८८ वर्ग मील, जनसंख्या ८८ हजार) है। एक लंबा द्वीप है, जिसका सब विभाग में बराबर-बराबर है। इसकी जलवायु अच्छी और समशीतोष्ण है। यहां की उपजाऊ लाल मैदानी मिट्टी में खेती का धन्धा होता है। इसके बड़े बड़े बन्दरगाह के किनारे मछली मारना लोगों का मुख्य पेशा है। इसका आलू के बड़ा व्यापार और दोस्त बंदरगाह है। शार्लोटटाउन के पास और अच्छे बाजार भेजने के लिए बनाए गए हैं। इस द्वीप में इसका मुख्य नगर है। यहां का, खेती और मछली के मुख्य व्यापार है। दूसरा नगर शार्लोटटाउन है।

नोवास्कोशिया—(२१,००० वर्ग मील, जनसंख्या ५ लाख) यह भी मुख्यतः मछली के व्यापार है। इसके दक्षिण बन्दरगाहों में हैलीफैक्स और सिडनी बन्दरगाह हैं। यह हैलीफैक्स बन्दरगाह के कारण बहुत महत्वपूर्ण है। यह बन्दरगाह सब ऋतुओं में बर्फ से मुक्त रहता है। इसके अतिरिक्त यहां खनिज पदार्थ का कोयला, लोहा

कटे फटे (फ़िऑर्ड) तट पर बहुत सुन्दर बन्दरगाह हैं। फ़ॉर्टी की खाड़ी की ओरवाले बन्दरगाह साल भर बरफ़ से मुक्त रहते हैं। मछली मारने के काम में बड़ी उन्नति है। पर जब से ग्रीनलैंड के जहाज़ चलने बन्द हुए तब से जहाज़ बनाने का काम ढीला पड़ गया है। इस प्रान्त का बहुत सा भाग इस स्प्रुस के वन से ढका है जिससे पल्प बनाया जाता है। देश में साफ़ ज़मीन और उपनिवेश बढ़ने के साथ ही खेती और **गो-पालन** में भी उन्नति हो रही है। सेन्टजान नदी के मुहाने पर स्थित **सेन्टजान** नगर प्रधान बन्दरगाह है। पर राजधानी **फ्रेडरिक्टन** है जो इसी नदी के किनारे १० मील ऊपर ज्वार-भाटे के सिरे पर स्थित है। यह सेन्टजान नदी (४२० मील) संयुक्त-राज्य से निकलती है और एक तंग दर्रे से होकर फ़ॉर्टी-ये में गिरती है। मुहाने से निकल यह एक चट्टान के ऊपर से गिरती है। भाटे (उतार) के समय समुद्र की ओर एक छोटा प्रपात बन जाता है। ज्वार होने पर यह प्रपात ठीक विपरीत दिशा में भीतर की ओर गिरता है। बड़े ज्वार-भाटे के समय प्रपात का अभाव रहता है और जहाज़ दिन भर में [illegible] जा सकते हैं। प्रपात और दर्रे के बीच की भूमि नहरी है। यदि देश की ऐसी विचित्र बनावट न होती तो बृहत् ज्वार-भाटे के समय [illegible] बहुत सी [illegible] जमीन [illegible] से डूब जाया करती। [illegible] जहाज़ [illegible] सकते हैं।

नोवास्कोशिया प्रान्त—[illegible] ([illegible]) **[illegible]** [illegible]

पास इरक्वुअरी मुड़ती है, यद्यपि ज्वारभाटा यहां से १० मील और ऊपर तक जाता है। इसी मोड़ पर पटारों के टुकड़े पास पास आजाते हैं। क्यूबेक के ऊपर घाटी चौड़ी है और ओंटेरियो झील तक फैली चली गई है। एक हज़ार मील तक असंख्य छोटी छोटी नदियां प्रपात बनाती हुई गिरती हैं, जिनसे सस्ती बिजली तैयार हो सकती है। इस प्रताप-रेखा के पास पास बहुत से नगरों के बस जाने की सम्भावना है। पर यहां खनिज कम हैं। पहले यहीं मूलनिवासी मकई उगाते थे। फिर उपनिवेशकों ने गेहूँ उगाना आरम्भ किया। जब से पश्चिमी प्रेरी में सस्ता गेहूँ होने लगा तब से क्यूबेक की ज़मीन फल उगाने और ढोर पालने के काम आने लगी। ग्रीष्म-ऋतु में सर्वोत्तम पनीर और शीतकाल में मक्खन निकलता है। शीतकाल में ठंड बहुत होती है और बरफ़ भी पड़ती है जिससे स्लेज-द्वारा यात्रा करने में सुगमता रहती है। गरमी में काफ़ी गरमी होती है, जिससे तम्बाकू, मकई आदि फ़सलें भी पक जाती हैं। मेपिल-शक्कर बड़े बड़े शहरों में साफ़ की जाती है।

मुख्य नगर सेन्टलारेन्स नदी पर **क्यूबेक** और **मांटियल** हैं। ओटावा नदी के बायें किनारे पर ओटावा शहर के सामने **हल** शहर बसा है। यह लम्बरिंग (लकड़ी तैयार करने का) का केन्द्र है। यहां दियासलाई, पल्प और काग़ज़ बनाया जाता है। कला-कौशल के अनेक नगरों में से **शेब्रोक** बिजली के काम और मशीनरी के लिए प्रसिद्ध है और खनिज प्रान्त में स्थित है।

क्यूबेक शहर सेन्टलारेन्स नदी के ऊपर छोटी पहाड़ी पर बड़ा ही सुन्दर बसा है। नदी की चौड़ी मध्य-घाटी का यही तंग दरवाज़ा है। सुगमता-पूर्वक सुरक्षित होने और मार्गों का अच्छा केन्द्र होने के कारण यहां (नमदे के) व्यापार की मंडी बनाई गई थी। इस उत्तम स्थिति के कारण इसे 'नई दुनिया का ज़िबराल्टर' कहते हैं। ऊँचाई पर बसे हुए पुराने शहर के बहुत से गिरजाघर और मनोहर कुंज प्राचीन फ्रांस की याद दिलाते हैं। शहर का नवीन व्यापारिक मुहल्ला पहाड़ी के

धाओं के संयोग से यहां की जन-संख्या अब चार लाख से ऊपर है। पश्चिम का अनाज यहां की अनेक आटा की चक्कियों और आबकारियों में काम आता है। खाल से बूट और चमड़े का सामान, तथा चरबी से मोमबत्ती और साबुन बनता है। **हडसन-बेली रेलवे** संयुक्त-राष्ट्र से कच्ची रुई, शक्कर और तम्बाकू ले आती है। क्यूबेक के वन यहां की लकड़ी और पल्प की मिलों को आहार पहुँचाते रहते हैं। खनिज प्रान्तों से कच्ची धातु सस्ते किराये ही पर लाई जाती है, इनसे इंजिन, मशीनरी और तरह तरह की चीजें बनती हैं*।

आंटेरिओ—(४ लाख वर्गमील, जन-संख्या २६ लाख) आन्टेरियो प्रान्त में (१) लारेंशियन पठार और (२) लारेंस घाटी शामिल हैं। यह घाटी **आंटेरियो, इरी** और **हूरन** झीलों के बीच **लेक प्रायद्वीप** में सबसे अधिक चौड़ी है। लारेंशियन पठार एक ऊँचा-नीचा प्रदेश है, जो १,२०० फुट से अधिक शायद ही कहीं ऊँचा हो। यह पठार हूरन और सुपीरियर झील के ऊँचे किनारे बनाता है। पर **ईरी** और **आंटेरियो** झील से दूर हो जाता है। इसी से इनके किनारे चपटे हैं। नदियों के जल-विभाजक बहुत नीचे हैं और सारा पठार बरफीली झीलों से ढका है। आंटेरियो के धरातल का लगभग ¼ भाग पानी है। पठार से नीचे उतरते समय नदियों में काफ़ी प्रपात बन गये हैं, जिनसे जल और बिजली दोनों ही मिलते हैं। उत्तरी आन्टेरियो वन-प्रदेश है और बहुत कम आबाद है। ओटावा नदी के द्वारा बहुत सी लकड़ी नीचे ओटावा शहर को बहा दी जाती है। **ओटावा** शहर चालीस फुट ऊँचे **चाडियर** प्रपात के नीचे

---

*सेन्ट लारेन्स अप्रैल से आधे दिसम्बर तक खुली रहती है। वेलायल जलडमरूमध्य जुलाई से दिसम्बर तक खुला होता है। आरम्भ में दोनों ही बरफ़ से भरे रहते हैं। पर उनमें खुली हुई पानी की गलियां मिलती हैं।

ओटावा (८७,०००) यह डोमिनियन की राजधानी तथा पूर्वी कनाडा का तीसरे नंबर का शहर है, और मान्ट्रियल से सौ मील की दूरी पर **ओटावा** और **रिडो** नदियों के संगम पर बसा है। शहर का कुछ भाग ऊँची ज़मीन पर बसा है, जहाँ से **चाडियर** प्रपात भली भाँति दिखाई देता है। इस प्रपात ने ही शहर की स्थिति नियत की है।

रिडो नहर ने ओटावा को **किंग्स्टन** शहर से मिला दिया है। यह शहर आन्टेरियो झील के पूर्वी सिरे पर बसा है। यहाँ आटे की मिलें, जहाज़, चमड़ा, लोहा, और तम्बाकू बनाने के कारखाने हैं। खेती के औज़ार सभी बड़े शहरों में बनते हैं। झील के बन्दरगाहों में जहाज़ बनाने का काम होता है। **फोर्ट विलियम** और **पोर्ट आर्थर** सुपीरियर झील के पश्चिमी सिरे के निकट बसे हैं। पश्चिमी प्रेरी प्रदेश से आनेवाली रेलवे का यहाँ सेन्टलारेन्स के जलमार्ग से यहीं मेल होता है। इसी से ये शहर बड़ी तेज़ी से बढ़ गये हैं। प्रेरी की राजधानी और कनाडा के **तीसरे** शहर **विनीपेग** से ये दोनों केवल ४०० मील दूर हैं, पर मान्ट्रियल से १,००० मील है। सेन्टलारेन्स और झीलों के द्वारा प्रतिवर्ष पूर्व और पश्चिम के बीच विशाल व्यापार होता है। शीत-काल में बरफ़ से बन्द हो जाने पर भी **सू** नहर का व्यापार **स्वेज़** नहर से भी अधिक है।

प्रेरी प्रान्त—१८८६ ईसवी में मान्ट्रियल से बैंकूवर तक कनेडियन पैसिफिक रेलवे खुल जाने से कनाडा के गेहूँ के प्रदेश पश्चिम की ओर बड़ी शीघ्रता से बढ़ गये हैं। बड़ी झीलों और राकी पहाड़ के बीच का देश **मेनीटोबा, सस्कचवान** और **अल्बर्टा** प्रान्तों में बँटा है। प्रत्येक प्रान्त का क्षेत्रफल लगभग ढाई लाख २,५३,००० वर्ग मील है। रेलवे की पासवाली अनुकूल भूमि में गेहूँ ही बनाया जाता है।

मेनीटोबा—मेनीटोबा प्रान्त सबसे पूर्व होने के कारण प्रेरी

विनीपेग-विनीपेगोसिस और दूसरी हिमकालीन झीलें यहाँ से लेकर संयुक्त-राष्ट्र तक फैली हुई थीं। अनेक नदियों-द्वारा लाई गई मिट्टी और झील की वनस्पति ने धीरे धीरे झील के दक्षिणी भाग को भर दिया। अब यह चौड़ी घाटी बन गई है, जिससे होकर **रेडवर** (लाल नदी) उत्तर की ओर विनीपेग झील में गिरती है। जहाँ यह घाटी मेनीटोबा प्रान्त में प्रवेश करती है, वहाँ इसकी चौड़ाई पचास मील से अधिक है और गहरी बारीक मिट्टी से ढकी है, जिसमें पत्थर का नाम भी नहीं है। और भागों में पथरीली मिट्टी के टीलों ने दूर दूर तक चारों ओर फैले हुए प्रेरी की विषमता को दूर कर समतल बना दिया है। विनीपेग झील के पूर्व **अगासिज़** झील की प्राचीन तटरेखा (जो कहीं भी २०० फुट से अधिक ऊँची नहीं है) दूसरे प्रेरी का किनारा बनाती है, जो समुद्रतट से १,६०० फुट ऊँचा है।

सस्कचवान पश्चिम में ऊँचा होता चला गया है। राकी पर्वत के नीचे इसकी ऊँचाई लगभग २,००० फुट है। झीलों में सबसे बड़ी **एथेबास्का** है। यह नदियों के द्वार से पूर्व है—जो इसका पानी सस्कचवान या मेकेंज़ी नदी में ले जाती हैं। दूसरा भाग शीत-कटिबन्ध वन से ढका है। यहाँ मनदे के लिए जानवरों का शिकार होता है। पर इण्डियन लोगों की भी जनसंख्या यहाँ बहुत कम है। ज्यों ज्यों रेलवे उत्तर की ओर फैलती जाती है, त्यों त्यों बस्तियाँ भी बढ़ते जा रहे हैं।

अलबर्टा में राकी पहाड़ के पूर्वी ढाल शामिल हैं। अलबर्टा प्रान्त सस्कचवान की अपेक्षा अधिक ऊँचा और सुरक्ष है। आरम्भ में यह सबका सब घास का प्रदेश था, जहाँ बड़े बड़े चरागाहों में ढोर चरते थे। पर अब नहरों-द्वारा सिंचाई हो जाने के कारण बहुतसा भाग गेहूँ पैदा करने लगा है।

गेहूँ के प्रदेश—प्रेरी प्रदेश गेहूँ के लिए अत्यन्त अनुकूल

है। जहाँ ग्रीष्म ऋतु में गरमी हो जाती है और जलवायु सूखी र[illegible] है, वहीं गेहूँ की खेती होती है। इंगलैण्ड की ओर उत्तर के का[illegible] शरद् में बोया नहीं जा सकता, पर वसन्त का गेहूँ खूब फलता [illegible] कुछ रक्षित समतल मैदानों में बहुत सफाई करने की आवश्यकता [illegible] पड़ती है। मजदूरों की भी कमी है। इस कारण मशीन से खूब [illegible] किया जाता है। भूमि उपजाऊ है। इसमें गरमी और नमी भी ठी[illegible] रहती है। वसन्त में बरफ पिघलने से अंकुर फूटनेवाले बीजों को पा[illegible] मिल जाता है। ग्रीष्म की प्रथम वर्षा [illegible] में भर जाती है। [illegible] आदर्श रूप में पकने और कटने में सहाय[illegible] होती है [illegible] जाती है, ज्योंही बोया जाता [illegible] जारी रहता है। जहाँ और जून [illegible] क्योंकि सूर्य के उत्तरी कर्क रेखा की ओ[illegible] भागों में सबसे बड़े दि[illegible] प्रेरी [illegible] भाग) जहाँ बस[illegible] गेहूँ तैयार होता है [illegible] गेहूँ का भी [illegible] विनिपेग [illegible] गेहूँ पकता है, वे[illegible]

[illegible] गेहूँ है [illegible]

बन्दर इयाम लाइन की अपेक्षा बहुत कम है। (२) कनेडियन नार्दर्न रेलवे ऊपरी दोनों मार्गों को जोड़ती है, और विनीपेग से चलकर एडमांटन, यलोहेड-पास और फ्रेज़र-घाटी से होती हुई वैंकूवर में पहुँच जाती है। गेहूँ की फसल कटने और झीलों के जमने में बहुत थोड़े समय का अन्तर रहता है। जो गेहूँ देरी से झीलों के बन्दरगाहों में पहुँचता है वह या तो दूसरी ऋतु तक एलीवेटरों में

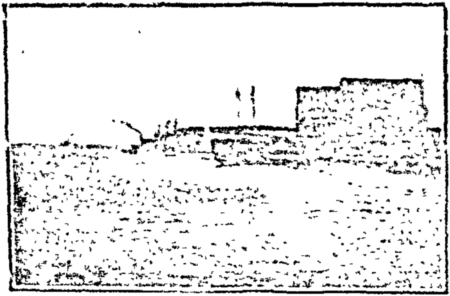

[illegible]

[illegible] जाता है [illegible] पोर्टलैण्ड [illegible]

—

कर लेती हैं। इसी प्रकार प्रशान्तमहासागर में गिरनेवाली नदियाँ (स्विज़रलैंड के समान) लम्बी और तंग झीलों के रूप में चौड़ी हो जाती हैं। कोलम्बिया नदी में अपना पानी पहुँचानेवाली ऐरो लेक्स सर्वोत्तम है।

ब्रिटिश कोलम्बिया के बड़े पश्चिमी ढाल पछुआ हवाओं के मार्ग में स्थित है, इससे यहाँ सदा पानी बरसता रहता है। समुद्र-तल के स्थानों (विशेष कर **वैंकूवर द्वीप**) में जल-वायु समशीतोष्ण है। हवा की ओट के ढाल सब कहीं हवा के सम्मुखवाले स्थानों की अपेक्षा अधिक ख़ुश्क हैं। कुछ भीतरी घाटियों में सिंचाई करनी पड़ती है। तापक्रम ऊँचाई के अनुसार भिन्न होता जाता है। हवा के सामनेवाले ढाल सघन वन से ढके हैं, और दुनिया भर में सर्वोत्तम लकड़ी प्रदान करते हैं। पर पूर्वी ढाल ख़ुश्क है। लकड़ी की चिराई का काम प्रसिद्ध है। कस्केडी के उत्तर में सुन्दर कृषि-प्रदेश है, जहाँ फल और गेहूँ दोनों ही उगते हैं। ख़ुश्क घाटियाँ ढोर पालने और गोरस तैयार करने के काम आती हैं।

पहले-पहल यहाँ सोना निकालने की ख़बर पाते ही लोग हज़ारों की संख्या में आने लगे। पर आरम्भ में उपनिवेशकों को अपनी रक्षा अपने हाथ (पिस्तौल) से करनी पड़ती थी। सबसे अच्छा निशानाबाज़ ही सबका सरदार हो जाता। रेलवे के खुल जाने से बहुत कुछ दशा सुधर गई। पर पहाड़ों के बहुत से खनिज अब भी रेलवे से दूर हैं। खान में काम करनेवालों के लिए प्रत्येक आवश्यक चीज़ गधों की पीठ पर ढालू और भयानक दर्रों से होकर भेजी जाती है। सोना सब कहीं मिलता है, पर **कूटेनी** ज़िले में विशेष रूप से है। इसी ज़िले में **क्रोज़नेस्ट** दर्रे के पास कोयला भी निकलता है, जिससे प्रधान केन्द्र **रोसलैंड** में कच्चे सोने को साफ़ करने में बड़ी सुविधा होगई है। प्रायः धुआँ न देनेवाला कोयला वैंकूवर

बहुत ही सुन्दर है। यह शहर कारखानों का गढ़, मछलियों की मण्डियों के लिए, पहाड़ों की लकड़ी और खनिज एवं ब्रिटिश कोलम्बिया की [illegible] के पास [illegible] का केन्द्र है। यह सुन्दर बन्दरगाह नैनेमो के सामने ही है, जहाँ से जहाज़ों के लिए सस्ता पर अच्छा कोयला बहुतायत से मिलता है। [illegible], चीन, जापान और आस्ट्रेलिया के प्रशान्तमहासागर के तटवाले बन्दरगाहों को यहाँ से जहाज़ नियत समय पर छूटा करते हैं।

प्रिन्स रूपर्ट—यह ग्रांड ट्रंक पैसिफ़िक रेलवे का पश्चिमी स्टेशन है। [illegible] से जापान के लिए यहीं सबसे सीधा मार्ग है। इसकी बनावट के ठीक ठीक बन जाने पर यह एक बड़ा बन्दरगाह बन जायगा।

वैंकूवर द्वीप—यह [illegible] है। [illegible] [illegible] है। [illegible] इसके सुन्दर [illegible] [illegible] बन्दरगाह हैं [illegible] विक्टोरिया नगर ([illegible]) [illegible] है। एस्क्वि-माल्ट [illegible] है [illegible] [illegible] है।

[illegible] है [illegible], [illegible] ([illegible]) [illegible] है। [illegible] है। [illegible] है, [illegible] है [illegible] है, [illegible] है।

प्रसिद्ध हैं। मूल-निवासी इन्डियन लोगों की मुट्ठी भर जन-संख्या फ़र इकट्ठा करने, केरिबो (हिरण) का शिकार करने और झीलों एवं नदियों से मछली मारने में लगी रहती है। **हडसन-बे** कम्पनी के व्यापारिक केन्द्रों (चौकियों) को छोड़कर यहां कोई बड़ा नगर नहीं है।

एलास्का में सोने को छोड़कर कोयला तथा और भी खनिज निकलते हैं। खेती करने के भी प्रयत्न हो रहे हैं। यहाँ इन्डियन, इस्कीमो और कुछ गोरों का बसनिवेश है। गोरे लोग, खनिज के सिवा हेलीबूट और काड मछली मारने में संलग्न हैं।

बरमूडा-द्वीपसमूह—यह मूँगे के द्वीपों और दीवारों का समूह है। न्यूफ़ाउंडलैंड और वेस्ट इंडीज़ के बीचो बीच में है। यहां महत्त्वपूर्ण जहाज़ी बेड़े का अड्डा है। भूमि उपजाऊ नहीं है, पर जल-वायु समशीतोष्ण है और पहले उगनेवाली तरकारियां पैदा की जाती हैं। यहां अंगरेज़ी शासन है।

गरम और हेमन्त ख़ूब ठंडी होती है। जब कभी उत्तर की हवा चलती है तब एकदम तापक्रम गिर जाता है। इन हवाओं के साथ साथ वसन्त-काल में प्रेरी के खेतों में अक्सर पाला पड़ता है। टैक्साज़ और आरीज़ोना की निचली भूमि भी ख़ुश्क है।

अन्तःप्रवाही प्रदेश—**राकी** की प्रधान चोटियों और पश्चिम की ओर **सिअरानवादा** की प्रधान चोटियों के बीच **ग्रेट साल्ट लेक** नाम के एक बड़े आखात का केन्द्र है। झील समुद्र-तल से लगभग ४,००० फ़ीट की ऊँचाई पर है। समस्त प्रदेश उच्च, और ख़ुश्क है। हवा ने भी यहाँ ख़ूब सफ़ाई की है। इस कारण इस प्रदेश की **उटा, इडाहो** और **व्योमिंग** रियासतों में बसे हुए लोग प्रायः भेड़ पालने का काम करते हैं।

पश्चिमी तट की रियासतें—**वाशिंगटन** और **ओरेगान** की रियासतें ब्रिटिश कोलम्बिया से मिलती जुलती हैं। लोग पहाड़ों के ढाल पर लकड़ी काटने (लम्बरिंग) का काम करते हैं, और घाटियों की चपटी भूमि में खेती करते हैं। फ्रेज़र के समान कोलम्बिया नदी भी मछली के मारने का प्रधान केन्द्र है। इस प्रदेश का मुख्य बन्दरगाह **प्यूगेट साउंड** है, जो पश्चिमी तट के दिसावरी व्यापार में सेन फ़्रांसिस्को का साझी है।

केलिफ़ोर्निया—पश्चिम में केलिफ़ोर्निया रियासत एक बग़ीचा है। यहाँ की जलवायु भूमध्य-सागर की सी है और गेहूँ, नींबू, नाशपाती, अख़रोट, किशमिश आदि फल ख़ूब होते हैं, जो पूर्वी रियासतों को भेजे जाते हैं। इस तट पर **सेनफ़्रांसिस्को** सबसे बड़ा शहर तथा प्रधान बन्दरगाह है। **प्यूगेट साउंड** और कोलम्बिया नदी पर बसा हुआ **पोर्टलैंड** शहर स्यूयार्क से **शिकागो** होकर आनेवाली नार्दन पेसिफ़िक रेलवे के अन्तिम स्टेशन हैं।

की जन-संख्या बहुत कम है, क्योंकि भेड़ चराना और खनिज खोद निकालना ही यहां के लोगों का पेशा है। भेड़ें चराने का काम लोगों को ऊँची घाटियों और ढालों पर फैला देता है। खनिज निकालने का पेशा केवल दूर दूर बिखरे हुए कैम्पों में लोगों को इकट्ठा करता है, जहां खानों का पता चलता है। सोना, तांबा और सीसा प्रसिद्ध खनिज हैं। **डेन्वर** एक अत्यन्त प्रसिद्ध खनिज केन्द्र है।

ढाल की रियासतों में **प्रेरी** शामिल है, जहां किसानों और ग्वालों के उपनिवेश हैं। इसलिए उच्च भूमि की अपेक्षा यहां की जनसंख्या अधिक सघन है। कांसास और नेब्रास्का ढोर चरानेवाली रियासतें हैं। इन दोनों में बहुत से ढोर और घोड़े हैं। इसी से **कांसास-सिटी** और **ओमाहा** शहर मास के व्यापार के प्रसिद्ध केन्द्र बन गये हैं, जहां से मास टिन्बा में बन्द कर दुनिया के सब भागों को जाने लगा है। डाकोटा अन्न के लिए प्रसिद्ध है। उत्तरी **डकोटा** में गेहूँ अधिक होता है और दक्षिणी **डाकोटा** में जौ की अधिकता है। मकई संयुक्त-राष्ट्र की एक और प्रसिद्ध उपज है। सारी दुनिया की $\frac{1}{2}$ मकई संयुक्त राष्ट्र में पैदा होती है। गेहूं और जौ की अपेक्षा मकई को अधिक उष्ण जलवायु की आवश्यकता होती इस कारण **कान्सास** और **नेब्रास्का** में सब मकई पैदा होती है। क्योंकि यह डाकोटा की अपेक्षा अधिक गरम है। इस मकई का सिट्टा सिट्टा कर यहां सुअर मोटे किये जाते हैं, जो मास का व्यापार करनेवाले केन्द्रों को कटने जाया करते हैं।

मिसीसिपी स्टेटस—मिसीसिपी नदी अपने समस्त मार्ग में रियासतों की सीमा बनाती है। **मिनेसोटा, आयोवा, मिसूरी, आर्कांसास** और **लूसीनिया** रियासतें पश्चिम की ओर स्थित हैं। इस नदी का पूर्व और **विस्कोसिन, इलीनो-**

पकाने और उस पर बारीक रेशा चढ़ाने के लिए लम्बी गरम ऋतु और काफ़ी पानी की आवश्यकता होती है। दक्षिणी अटलांटिक महासागर और मेक्सिको की खाड़ी के पास पास खूब वर्षा होती है और जल-वायु भी उष्ण है। इसलिए ये रियासतें अन्न पैदा करने के लिए अनुकूल नहीं हैं। पर तम्बाकू और कपास के लिए दुनिया भर में इनका उच्च स्थान है। केन्टकी, वर्जीनिया और उत्तरी केरोलिना दुनिया भर की तम्बाकू की समस्त उपज का ½ पैदा करती है। यह उपज **सेन्टलूई, रिचमांड** और **बाल्टीमूर** शहर के कारख़ानों के लिए बड़े काम की है। इन रियासतों के दक्षिण फ़्लारिडा को छोड़ कर सब कहीं समुद्र के समीप कपास उगती है। सबसे उच्च कोटि की कपास जार्जिया और दक्षिणी केरोलिना के पास के निचले रेतीले द्वीपों में होती है और 'सी-आयलैंड' (समुद्र-द्वीप) कपास* कहलाती है। इसके रेशे बहुत लम्बे और मज़बूत होते हैं। टेक्साज़, मिसीसिपी और जार्जिया-रियासतें बहुत ज़्यादा कपास पैदा करती हैं। सब मिला कर दुनिया भर की कपास की उपज का ½ यहीं पैदा होता है। ग्रेटब्रिटेन के पुतली-घरों में तीन-चौथाई रुई यहीं से पहुँचती है। बाहर जानेवाली रुई मेक्सिको की खाड़ी पर स्थित **गाल्वेस्टन** और **न्युआर्लियन्स** अथवा अटलांटिक-तट के **सवन्ना** और **चार्लस्टन** बन्दरगाहों से होकर भेजी जाती है। कुछ रेलवे द्वारा न्यूयार्क पहुँचती है, जहाँ से विलायत को भेजी जाती है। संयुक्तराष्ट्र में भी **फ़ाल-रिवर, लोवेल** आदि कई नगरों में कपड़ा बुना जाता है।

---

*कपास कोट कर बिनौलों से तेल पेरे लेते हैं, जिससे साबुन आदि बनाते हैं या जिसको साफ़ करके खाते हैं और उसकी खली जानवरों को खिलाते हैं। रुई को दबा कर बाहर भेजने के लिए गट्ठे बाँध लेते हैं अथवा धुन कर कात लेते हैं। धागे से तरह तरह का कपड़ा बुना जाता है।

पश्चिम में बाधा डालती है। उत्तरी मिसीसिपी का बेसिन शिकागो के लिए सुगम है। इस प्रदेश की कृषि और खनिज-सम्बन्धी सम्पत्ति अपार है। प्रायः समतल होने से यहाँ रेलवे लाइनें भी सीधी और सुगमता से खोली जा सकती हैं। इसी से यह ३१ रेलवे-लाइनों का अंकरण है। २६ लाइनें ऐसी हैं जिनकी कई शाखाएँ हैं। सेंटलारेंस और मिसीसिपी के जलमार्गों का भी यहीं संगम है। यह एक बड़ा बन्दरगाह भी है। क्षुद्र-धारा गहरी कर दी गई है और २२ मील के फैलाव में डाक (जहाज़ों के ठहरने) बना दिये गये हैं। शिकागो एक विशाल व्यापारिक मंडी तथा पुतली-घरों का केन्द्र है। लोहा और कोयला यहाँ से दूर नहीं है, जिससे यहाँ आनेवाली रेलवे-लाइनों के लिए पटरी और इंजिन, खेती के औज़ार और बिजली का सामान सस्ता होता है। यह मांस, लकड़ी, ऊनरा, गेहूँ, कच्ची धातु, मकई और ढोरों का विशाल केन्द्र है। मांस के लिए तो यह दुनिया भर में सबसे बड़ा बन्दर है। लगभग दो लाख आदमी तीन सौ मील-धारा यहाँ लाये जाते हैं। मांस के अतिरिक्त चर्बी से साबुन, खाल से चमड़ा, हड्डी से बटन का माद और लोहू से खादी का खाद सस्ता ही बनता है। इसी प्रकार काठ, लकड़ी बनाने की भी बड़े बड़े कारखाने हैं।

मेनुफैक्चर में दुनिया भर की दृष्टि का है। शिकागो अपनी रेलमार्गविद्या और कोठारों से विख्यात है। मेल के साथ ही साथ मध्यश्रेणि के लिए भी विख्यात है। सुपरिया स्टोर के अध्यक्ष तथा मार्शलफील्ड के मॉल विख्यात हैं। लेक और ओहियो नदियों पर से निकलती है। ओहियो के साथ साथ नहर भी बनी हुई है। एलीगेनी में सोने की खुदाई है। बड़ा लम्बा सुपरिया स्टोर के लिए मिसीसिपी और मिसीसिपी से विख्यात हुआ है। पूर्वोत्तरिया के तट-प्रदेश में सिरकसे और एरिए में सर्वोत्तम है और पश्चिमी मेसिसिपिया बड़े लोहे और कोयले का सबसे बड़ा केन्द्र है

नदी यहाँ इतनी चौड़ी और गहरी है कि उस पर पुल नहीं बन सकता। पर नीचे सुरंग-द्वारा आना जाना होता है। मोहाक घाटी से होकर ईरी नहर के बन जाने से न्यूयार्क का सामना करनेवाले बोस्टन, फिलेडेल्फिया और बाल्टीमूर नगर बहुत पीछे रह गये और न्यूयार्क संयुक्त-राष्ट्र की व्यापारिक राजधानी और लन्दन को दौड़ कर दुनिया भर में सबसे बड़ा नगर हो गया। पीछे बड़ी बड़ी रेलवे-लाइनों के खुलने से न केवल यहाँ का व्यापार बल्कि कला-कौशल भी बहुत बढ़ गया। मांस, दूध, गेहूँ, आटा, मिट्टी का तेल, मशीनरी तथा सूती और ऊनी माल यहाँ से बाहर जाता है। जन-संख्या के बढ़ने से शहर भी पुराने स्थान से तीस-चालीस मील तक दौड़ गया है। पर महत्वपूर्ण व्यापार पुराने ही स्थान पर होता रहा है, जहाँ एक ओर बड़ी बड़ी दुकानें थीं, इस कारण यहाँ की ज़मीन इतनी महँगी हो गई है कि लोगों को तीस-चालीस मंज़िल के एक एक हज़ार फुट ऊँचे मकान बनाने पड़े। एक एक घर में तीन-चार हज़ार मनुष्य रहते हैं। एक एक घर मानो ग्राम अथवा क़स्बा है। अमरीकी, इटलियन, आर्मीनिश, जर्मन यहूदी और चीनी आदि दूर दूर देशों के लोग यहाँ बस गए हैं। लगभग बारह भाषाओं में यहाँ के अख़बार छपते हैं। दर्शन के लिए बाहर से आनेवाले मनुष्य अधिकतर इसी बन्दरगाह में आते हैं, इसलिए मज़दूरों की कमी नहीं रहती।

फिलेडेल्फिया—शहर डेलावेर नदी पर समुद्र से १०० मील की दूरी पर बसा है। पर बड़े से बड़े जहाज़ यहाँ आ सकते हैं। एपेलाशियन पार करके दुर्गम मार्गों-द्वारा यहाँ कच्चा माल और कोयला आता है। ओहाइयो की ऊन से कालीन बनते हैं। सूती माल, फ़ौलाद, जहाज़, इञ्जन, चमड़ा तैयार करना, तेल साफ़ करना आदि यहाँ बहुत से काम होते हैं।

वाशिंगटन—यह पोटोमैक नदी पर प्रपात के ठीक नीचे उस स्थान पर बसा है, जहाँ तक ज्वारभाटा आता है। पहले यह प्रदेश

डीट्राइट (ह्यूरॉन और ह्यूरन झील के बीच सेन्ट क्लेयर पर) सुपीरियर झील के पश्चिमी किनारे पर स्थित ड्यूलूथ, लोहे और इस्पात के केन्द्र [illegible], अब की सबसे बड़ी मंडी **बोस्टन** तथा प्रसिद्ध विश्वविद्यालय वाले **हार्वर्ड** [illegible] कैलिफोर्निया में सिंचाई-द्वारा [illegible] **सॉल्टलेक सिटी**, तथा प्रशान्तमहासागर के **लॉस एंजलीज़**, **सियाटिल**, **डेन्वर** आदि अनेक नगरों का उल्लेख करना विस्तार भय से छोड़ दिया गया है।

संयुक्तराष्ट्र के छोटे छोटे कस्बों में घर बनाने के लिए लकड़ी का प्रयोग होता है। अब तो बड़े बड़े शहरों में ईंट या सीमेन्ट का घर होता है जिन पर सीमेन्ट का लेप [illegible] हर एक शहर में मकान बनाने के लिए [illegible]

[illegible]

गन्ना और कोको उगता है। केला, आम, नारंगी, अनन्नास आदि फल अपने आप उगते हैं।

अनन्नास।

(२) **शीतोष्ण प्रदेश** ३,००० और ५,००० फुट के बीच में है। यहाँ सिन्दूर (ओक), चाड़, तम्बाकू, फली, मकई, गेहूँ और अनुकूल ऊँचाई पर आलू उगते हैं। रामबास खुश्क प्रदेश में होता है। इसका रूप और आकार विचित्र हो जाता है। इसके दूधिया रस से एक प्रकार की शराब बनाई जाती है। यूकेटान में सीसल हेम्प होता है जिसके रेशों से मज़बूत रस्सियाँ बनाई जाती हैं, जो कनाडा और संयुक्त-राष्ट्र में गेहूँ के खेतों की बाँधनेवाली मशीनों (बाइंडिंग मेशीन्स) के काम आती हैं।

राजधानी है, और यद्यपि दोनों तटों से एक एक रेलवे-लाइन आती है और दूसरी रेलवे-लाइनों ने इसे संयुक्त-राष्ट्र से मिला दिया है, फिर भी यहाँ पहुँचना कठिन ही है।

मेक्सिको देश पहले स्पेनवालों के हाथ में था, जिन्होंने प्राचीन एवं सभ्य अज़्टेक लोगों को प्रायः नष्ट कर दिया। अब यहाँ भी संयुक्त-राष्ट्र के समान प्रजातन्त्रात्मक शासन है। २७ रियासतें, तीन प्रदेश (टेरीटरी) और एक फेडरल रियासत है। पर स्पैनिश भाषा, रोमन-कैथलिक मत, शहरों की बनावट, लोगों के रहन-सहन पर अब भी स्पेन की मुहर लगी है।

———

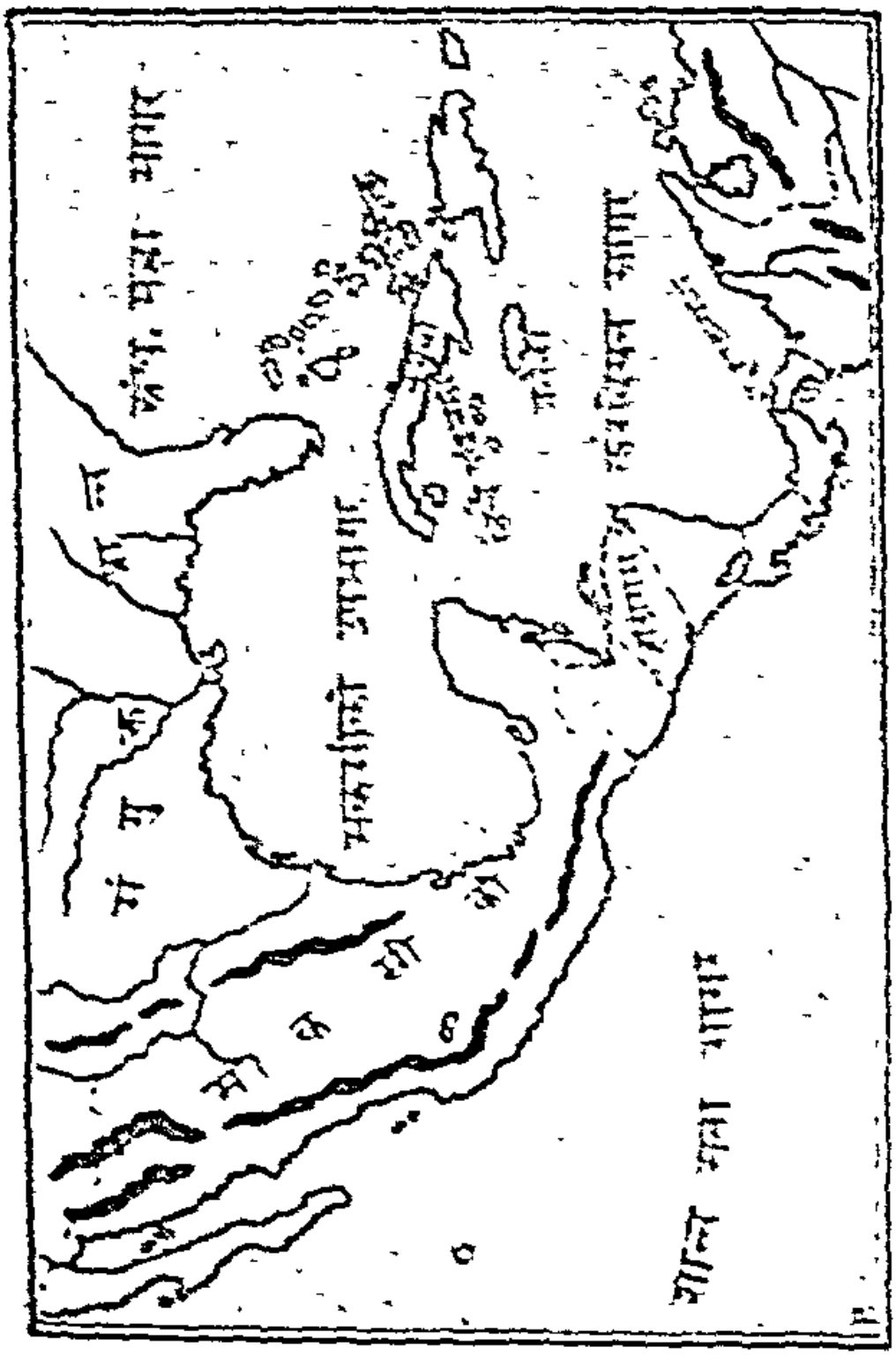

मध्य अमेरिका।

खेतों में काम कराने के लिए गुलाम बना कर लाये थे। दासता से १८०४ ई० में छुटकारा पाकर **हेइटी** में इन्होंने भी स्वतन्त्र प्रजातन्त्र राष्ट्र की स्थापना की है। इस राष्ट्र का सारा प्रबन्ध हबशी लोग ही करते हैं, पर बहुत दिनों तक फ्रांसीसी सम्बन्ध रहने से राष्ट्र-भाषा फ्रांसीसी है। साधारण लोग इसी का अपभ्रंश बोलते हैं। इससे बड़े पूर्वी **सैनडोमिंगो** राष्ट्र में स्पेनवालों का अधिक प्रभाव पड़ा है। सबसे बड़ा द्वीप **क्यूबा** है, जो पहले स्पेन के अधिकार में था, पर अब स्वतन्त्र है। इसका तट ऊँचा तथा नुकीली दीवारों से घिरा है। मध्य द्वीप पहाड़ी है और सघन वनों से ढका है। तम्बाकू और ईख मुख्य पैदावार हैं। इस द्वीप का परिचयी भाग सबसे अधिक घना बसा है। यहीं उत्तरी तट पर इसकी राजधानी **हवन्ना** स्थित है। यह एक सुन्दर बन्दरगाह है और सिगार बनाने का मुख्य केन्द्र है। पूर्वी भाग में **सेन्टियागो** बन्दरगाह के निकट मूल्यवान् लोहे की खानें हैं। **पोर्टोरिको** में ईख, कहवा, तम्बाकू और ढोर प्रधान सम्पत्ति है। संयुक्त-राष्ट्र का यहां विशेष प्रभाव है। **जमैका, ट्रिनीडाड, बरबेडास, बहमाज़** और **लीवर्ड** द्वीपसमूह ब्रिटिश-साम्राज्य के अंग हैं। ईख, केला, नीबू, नारियल, सोरघा, और कोका मुख्य उपज हैं। जमैका की राजधानी **किङ्गस्टन** एक अच्छा बन्दरगाह है और केला, नारंगी, कहवा और पहाड़ों के ढाल की लकड़ी दिखाकर भेजता है। ट्रिनीडाड में अस्फाल्ट की अच्छी खान है।

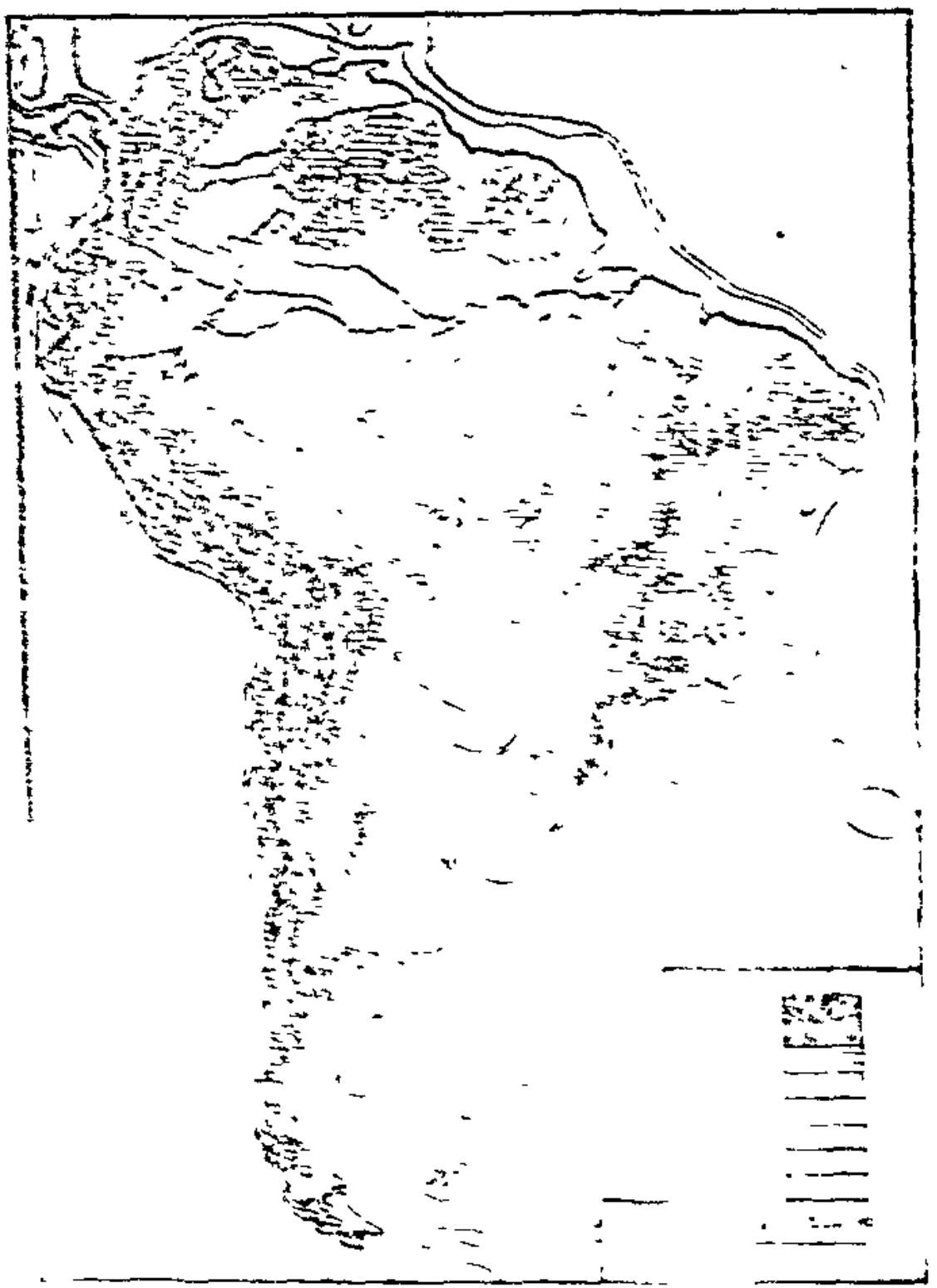

[illegible]

पास्को से नीचे एक पर्वतीश्रेणी प्रशान्तमहासागर के पास उसके समानान्तर चलती हुई **मेजलिन** प्रणाली तक पहुँचती है। **युकेडार** में फैल कर यह **क्विटो** का पठार बनाती है। प्रशान्त और प्रज्वलित ज्वालामुखी पहाड़ों का प्रदेश है। श्रेणी के इस भाग में १९ ज्वालामुखी हैं। इनमें सबसे ऊँचे **चिंबराज़ो** (२०,५००फुट) और **कोटोपैक्सी** (१९,५००फुट) हैं। १८७९ में **कोटोपैक्सी** के फूटने से समीपवर्ती प्रदेश एक गज़ मोटे गारा और पत्थर से दब कर बड़ी दूर तक रोगिस्तान में परिणत होगया था। यह इतने ज़ोर से फूटा था कि सवा सौ मन का एक पत्थर बीस मील की दूरी पर जा गिरा था। सबसे ऊँची चोटी (२३,००० फुट) **एकान्केगुआ** मकररेखा के ठीक दक्षिण में है [illegible] **अम्पलाटा** दर्रा (१२,५०० फुट) है जिससे होकर **चिली** से **अर्जेन्टायना** का मार्ग है। इस स्थान के [illegible] होता गया है। उसमें दो [illegible] बीच प्रसिद्ध [illegible] चिली में [illegible] समुद्र के [illegible] और [illegible] दब कर [illegible] द्वीप हो [illegible] **चिली** द्वीप है। [illegible] में और कहीं [illegible] होते हैं [illegible] ढाँचे का [illegible] बीच में [illegible] **अटाटो, काका** [illegible] **मेगडलीना** [illegible] करिबियन [illegible] [illegible] श्रेणियों [illegible]

अत्यन्त मनोहर है। ब्रेज़िल पठार के सर्वोच्च भागों का पानी **टोकोन्टिन्स, एरेग्वे, जिंगू, टैपेहौज़** नदियों के द्वारा एमेज़ान नदी में बह जाता है। कुछ **परना** नदी में पहुँचता है।

मध्यवर्त्ती मैदान—ये निचले प्रदेश दुनिया भर में सबसे अधिक विस्तारवाले हैं। उत्तर में **ओरिनोको**, मध्य में एमेज़ान-द्वारा और दक्षिण में **पेरग्व-परना**-द्वारा इनका वर्षा-जल बहा लिया जाता है। इनकी सहायक नदियों के बीच के जल-विभाजक बहुत नीचे हैं, जिससे वर्षा के दिनों में बाढ़ से डूबे हुए मैदानों का पानी कई बड़ी नदियों में जाता है। गहरी और उपजाऊ भूमि की मिट्टी **रेडरिवर** घाटी के समान ही बारीक है, जिसमें पत्थर का नाम भी नहीं है। मध्यवर्त्ती मैदान उत्तर में [illegible] अथवा **ओरिनोको** के [illegible] कटि-बन्ध के [illegible] एमेज़ान नदी के [illegible] सघन वन [illegible] मैदान बनाते हैं।

एडीज़ प्रदेश [illegible] **असप-लाटा** [illegible] **टान्सकान्टीनेन्टल** [illegible]

रेलवे—एक ट्रान्सकान्टीनेन्टल लाइन दक्षिण अमरीका के आर-पार शीतोष्ण अक्षांशों में बनाई गई है। यहाँ महाद्वीप सकरा है और एक ही दर्रा पार करना पड़ता है। यह लाइन **अस्पलटा** दर्रे के नीचे १०,३०० फुट की ऊँचाई पर (ढाई मील) सुरंग पार करती है। निचले शीतोष्ण प्रदेशों में रेलवे लाइनें शीघ्रता से बढ़ रही हैं। और अटलांटिक तथा प्रशान्तमहासागर के तटों से ऊँचे भागों तक लाई जा रही हैं। पर एंडीज़ प्रदेश में रेलवे लाइनों का बनाना बड़ा कठिन है। दर्रे बड़ी ऊँचाई पर हैं। असंख्य नदी-नालों पर पुल बांधना होता है। बहुत सी श्रेणियों को पार करना पड़ता है। अथवा उनमें सुरंग बनाना पड़ता है और अधिक ऊँचाई की पतली हवा में काम करना पड़ता है। प्रशान्तमहासागर के तट के **एरीका, मोलेंडो** और **एन्टोफ़ेगस्टा** स्थानों से रेलवे लाइनें १४,००० फुट ऊँचे दर्रे पार करके बोलिविया पठार पर **टिटीकाका** झील और **ला-पाज़** राजधानी के लिए गई हैं। पर बहुत सा माल अब भी **लामा** और खच्चरों के द्वारा जाता है। इसमें देर तो लगती है, पर खर्च कम पड़ता है। एक लाइन एन्डीज़ की घाटियों से होकर महाद्वीप के उत्तर से दक्षिण तक खुल कर वर्तमान रेलवे लाइनों से मिला दी जायगी। दूसरी ट्रान्सकान्टीनेन्टल लाइन रियो डीजनरी को बोलिविया के पठार और प्रशान्तमहासागर के तट को मिलायगी। कई छोटी छोटी लाइनें प्रशान्तमहासागर के तट से एमेज़ान की सहायक नदियों के वन स्थानों तक खुलेंगी जहाँ से नावें चल सकती हैं।

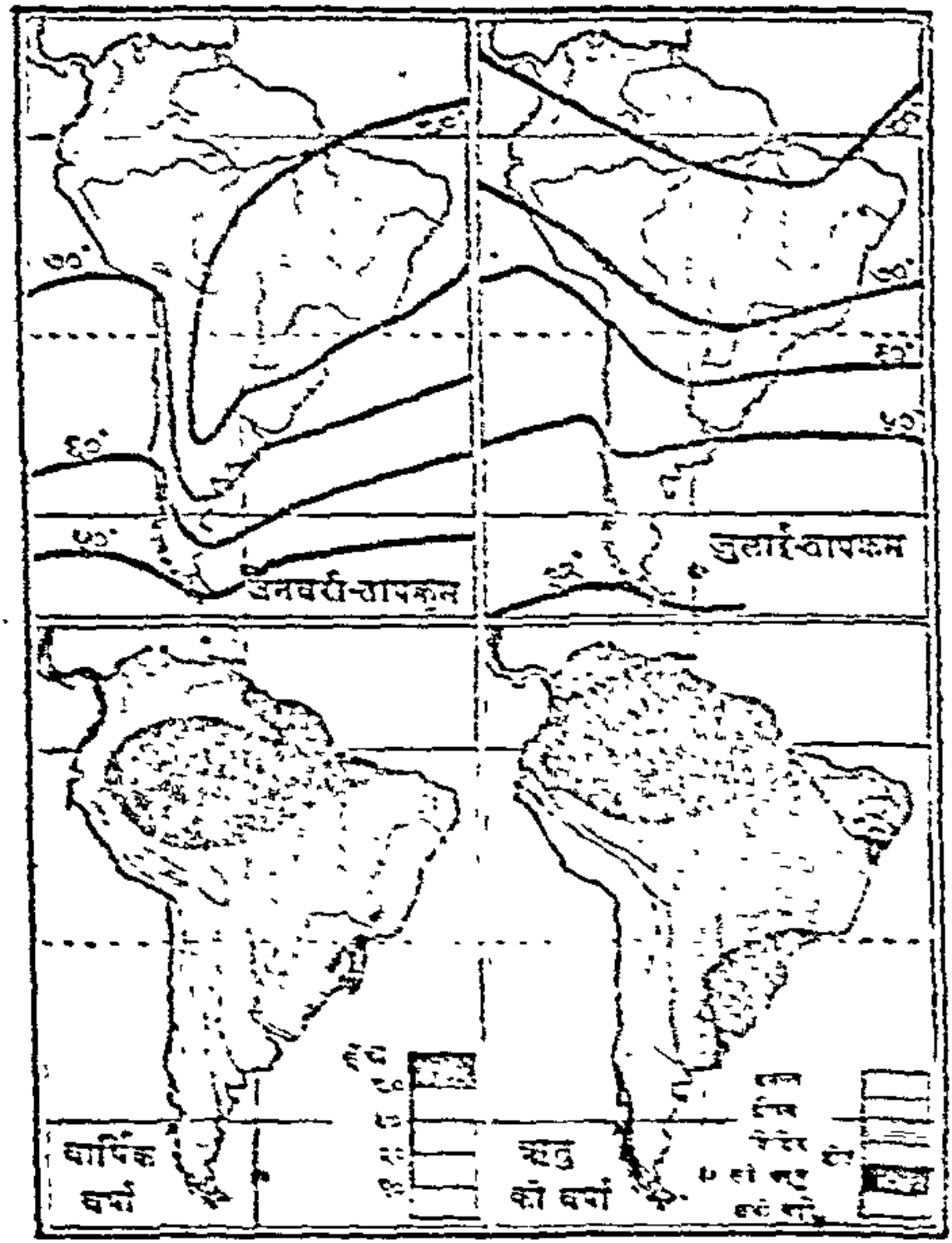

दक्षिणी अमरीका का तापक्रम और वर्षा।

रंग सुन्दर होता है। इनकी लकड़ी का दाना भी मज़बूत होता है। पर मज़दूरों के अभाव से उनको काटकर बाज़ार भेजना असम्भव है। नदी के कुछ बन्दरगाहों के आस-पास वन साफ़ कर लिया गया है और स्थानों में यहां पेड़ों का राज्य है न कि मनुष्यों का। कोलम्बिया, एक्वेडार, पेरू और बोलिविया के "मान्टाना" में **सेल्वा** है। पूर्वी एंडीज़ के "मान्टाना" में ही एंडीज़ की मनोरम सुन्दरता का अनुभव हो सकता है। धुँधले पहाड़ हज़ारों फ़ुट ऊपर उठे हैं। उनके पैरों को झागदार वेगवती नदियां धोती हैं। उनके सिरों पर नुकीली चोटियां हैं। उनके निचले ढालों पर सघन वनस्पतियां हैं। हरियाली के बीच बीच तरह तरह के फूलों के समूह हैं। वन के ऊपर घास के ढालों पर भी लाल और पीले फूल शोभा देते हैं। नालों की ओर उतरने पर पहाड़ियों के ढालों पर सफ़ेद और गुलाबी फूलोंवाले सिनोकोना*-वृक्षों के कुंज हैं। सपाट ढाल के चिकने तट में झरनेवाली झाग की सफ़ेद चादरें तली के फूलों और झाड़ियों में झुरमुट लगाती सी जान पड़ती हैं। गिरते हुए पानी का कोलाहल सब कहीं सुनाई देता है। जैसे जैसे नाले चौड़े होते जाते हैं, वैसे वैसे विस्तृत दृश्य दिखाई देते हैं। अविच्छिन्न वन से ढका हुआ अपार मैदान फैलता चला गया है। आकाश के मन्द नीलेपन को छोड़कर सब कहीं इसकी ही हरियाली दृष्टिगोचर होती है।

सवन्ना—सघन वन के उत्तर ओरिनोको के सवन्ना (**लानोज़** और ग्रेज़ील के **कम्पास**) उच्च कटिबन्धवाले घास के मैदान हैं। नदियों के किनारे और पहाड़ों के ढालों पर वन हैं। और स्थानों में एक-आध ही पेड़ हैं।

---

* सिनकोना की ही छाल से क्वनैन बनाई जाती है

पम्पाज़—उत्तरी अर्जेन्टाइना, यूरुग्वे और दक्षिणी ब्रेज़ील के घास के मैदान पम्पाज़ हैं। समुद्र-तट के निकट पम्पाज़ में थोड़ा-बहुत पानी साल भर बरसता रहता है, पर यह वन के लिए काफ़ी नहीं होता। अधिक भीतर की ओर तथा दक्षिण की ओर जलवायु ख़ुश्क होती जाती है, जिससे घास भी अच्छी नहीं होती है। असली पम्पाज़ (जो घास का एक समुद्र है और जिसमें कहीं कहीं छतरी के आकार-वाले एक-आध पेड़ हैं) प्रायः महाद्वीप के अधबिच में अटलांटिक महासागर और यूरुग्वे नदी के निचले भाग से कोलेरेडो नदी तक फैला हुआ है। वसन्त ऋतु में पुराना घास के जल जाने से पम्पा-प्रदेश कोयले के समान काला हो जाता है। जब अंकुर निकलते हैं तब

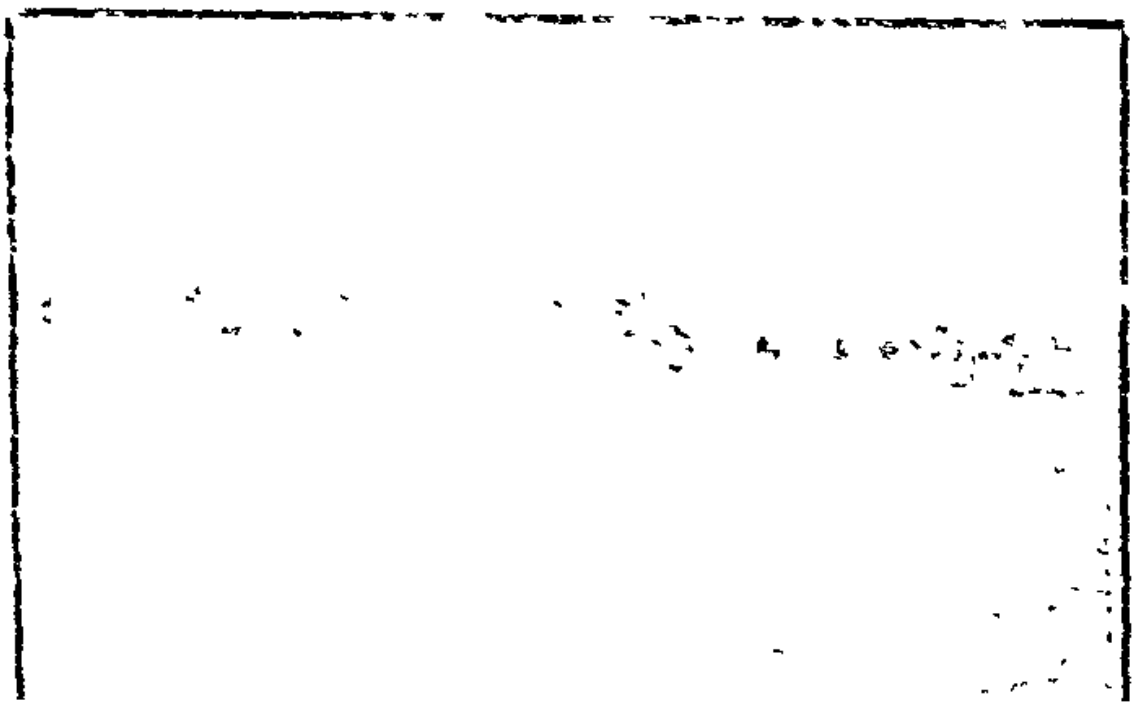

(दूध के लिए नहीं) पाले जाते हैं। किसी समय ढोरों को संसार की मांस-मण्डियों में भेजना बड़ी जटिल समस्या थी। अगर वे ज़िन्दा भेजे जाते तो ख़र्चा अधिक होता। बहुत से जानवर रास्ते में मर जाते।

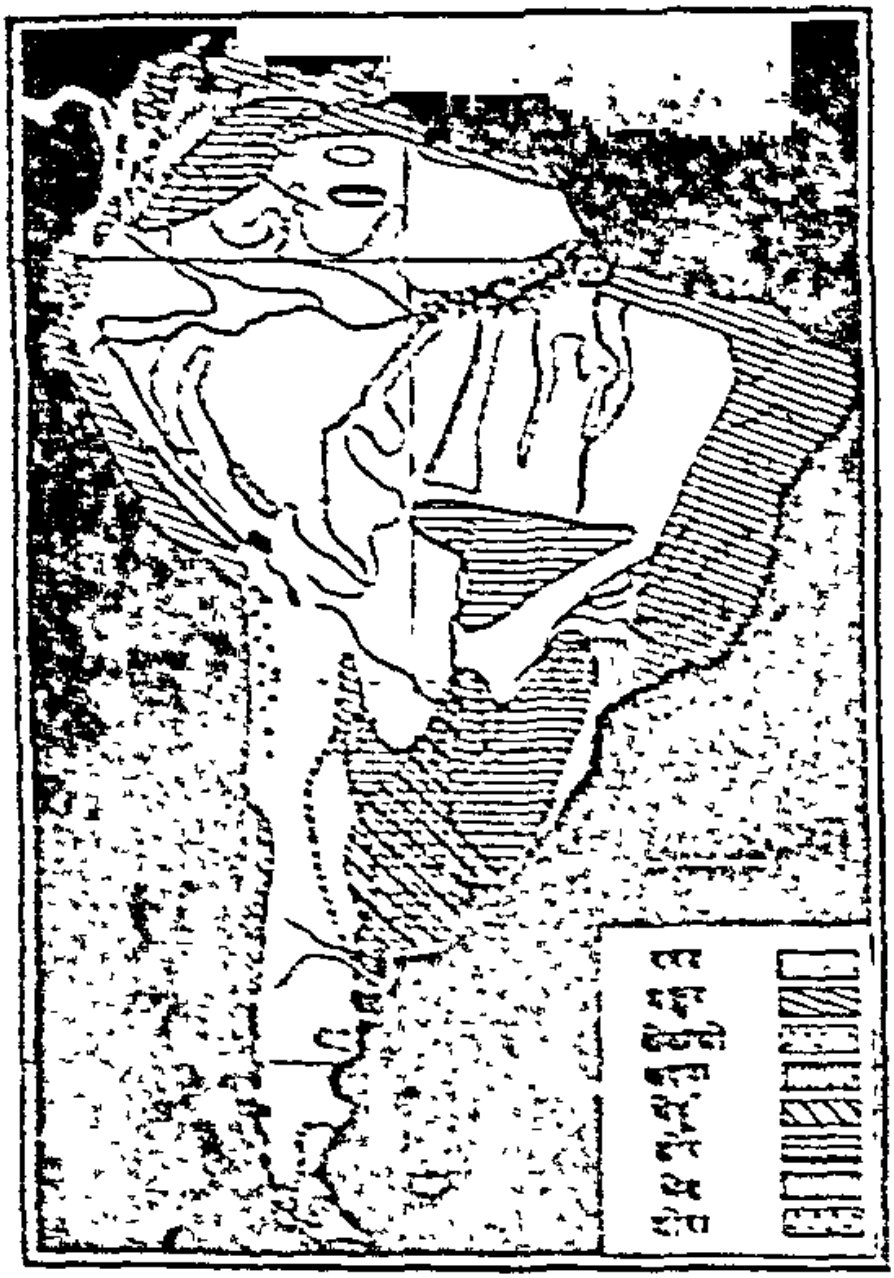

दक्षिणी अमरीका की संरचना।

जो पहुँचते उनकी भी दुर्दशा हो जाती। ठंडी बरफ़ की कोठरियों में बन्द करके दूर देशों में कच्चा मांस भेजने की प्रथा चल निकलने से

रूई का शिकार करने लगे। जहाँ खेती हो सकती है वहाँ गोरे लोग बस गये और खेती करने लगे।

भेड़ों के लिए नियत भागों में भेड़ों के अनुकूल बहुत घास होती है। अब यह बहुत से उन्नत चरागाहों में बँटा है, जहाँ भेड़ों की ऊन कतरने और दबाकर गट्ठा बनाने में नवीन से नवीन मशीनों का प्रयोग होता है। भेड़ों को बीमारी न लगे, इसलिए उनको नहलाने के लिए पक्के तालाब बने हैं। कुछ चरागाहों में डेढ़ डेढ़ लाख भेड़ें हैं। गड़रिये [illegible] सुख का जीवन [illegible] मालिकों [illegible] सामान्य [illegible] है [illegible]

[illegible]

के घर भूचाल के डर से एक मंज़िले हैं। गर्मी से बचने के लिए उनकी दीवारें भी बहुत मोटी हैं।

ब्रिटिश गायना (९०,००० वर्गमील, जनसंख्या ३,८४,०००) ओरिनोको के डेल्टा से पूर्व है। तट गोरन के दलदलों से भरा है। ब्रिटिश गायना में इसेक्यूबो और दूसरी नदियों द्वारा बनाया हुआ २० मील चौड़ा उपजाऊ मैदान (२) लानोज़ और वनाच्छादित दक्षिणी भाग शामिल हैं। अधिकतर लोग तट की पेटी में रहते हैं। प्रथम बसनेवाले डच लोगों ने बांध बांध कर नहरें निकालीं और पम्प से निचली भूमि का पानी बाहर भेज कर बहुत सी ज़मीन निकाल ली। ब्रिटिश गायना एक डच्ण कटिबन्ध का हालैंड है। **जार्ज टाउन** राजधानी है, जो **डेमरारा** नदी के दायें किनारे पर ईख के खेतों और खजूर के पेड़ों के बीच बसा है। इन खेतों में काम करने के लिए बहुत से हिन्दुस्तानी मज़दूर गये हैं। पठार में सोना भी निकलता है। ब्रिटिश गायना, डच और फ्रांसीसी गायना दोनों से बड़ा है। डच गायना की राजधानी **पेरामेरिबो** है और फ्रांसीसी गायना की राजधानी **केर्ह्न** है।

ओरिनोको (१,२०० मील) गायना पठार से निकलती है, और जल्दी जल्दी उतर कर समुद्र-तल से १ हज़ार फुट की ऊँचाई पर दो भागों में बँट जाती है। एक शाखा **कासीक्वेर** दक्षिण की ओर एमेज़ान की सहायक **रिओनीग्रो** में गिरती है। ओरिनोको की दूसरी प्रधान धारा गायना पठार की तलहटी के उत्तर-पश्चिम की ओर विपरीत दिशा में बहती हुई समुद्र में गिरती है। ओरिनोको (१) उत्तरी भाग में उष्णार्द्र जंगल से होकर बहती है। (२) मध्य एवं निचले मार्ग में घास के मैदान से होकर बहती है (३) इसके तट पर गोरन का दलदल है। समुद्र में प्रवेश करने से पहले यह ३१ मील के अन्तर से दो प्रपात बनाती है।

प्रथम प्रपात से ऊपर इसमें १०० मील तक नावें चल सकती हैं। दूसरे से तीसरे ४०० मील तक चलती हैं। [illegible] तक इसमें अधिक जल आता है। जुलाई और अगस्त में इसमें सबसे अधिक पानी होता है। यही वह [illegible] भूमि को जमा देती है। [illegible] से इसके दोनों पर [illegible] मिलती हैं। [illegible] सम्पत्ति [illegible], [illegible] और [illegible] हैं। [illegible] [illegible] की दूरी पर **[illegible]** नदी का [illegible] है।

[illegible] ([illegible] मनसंख्या ४४, ००,०००)

[illegible] **[illegible]** [illegible] और [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] के कारण [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

पर स्थित है। यहर दो ऊँची चोटियों के साढ़े आठ हज़ार फुट ऊँचे ढाल पर बना है। चोटियों के ढाल में मज़बूतीनिया का दरख्त भली भाँति लगाने का ढाला है। वेनेज़ुएला के **वेरेन्क्वेला** बन्दरगाह से यहाँ तक १२ दिन का रास्ता है। मुहाने से अलडोराडो तक नावों और, मछलियों से भरी हुई मेगडलीना में स्टीमर चलते हैं। अलडोराडो से आगे **होन्डा प्रपात** बचाने के लिए बेरड्रान तक रेल है। यहाँ से फिर नदी मेगडलीना की यात्रा **जीरार्डाट** में समाप्त हो जाती है और राजधानी (बोगोटा) तक रेल ७० मील की यात्रा रेलवे द्वारा पूरी होती है। वेनेज़ुएला मेगडलीना के मुहाने पर स्थित होने से प्रसिद्ध है। वैसे यहाँ का बन्दरगाह कुछ अच्छा नहीं है। बड़े बड़े जहाज़ों को ठिकाने के लिए लगभग पाँच मील लम्बा घाट गहरे समुद्र तक बनाया गया है। **कार्टेजीना** का बन्दरगाह इससे कहीं अच्छा है।

इक्वेडार—(१,२०,००० वर्गमील, जनसंख्या १२ लाख) में कोलम्बिया के समान ही (१) इक्वेटर तटीय मैदान (२) मिश्र मिश्र कॉर्डिलेरा एंडीज़ प्रदेश और (३) अमेज़ान बेसिन का बन्दरगाह **सान्टाना** है। इसका नाम से एक है, यहाँ होकर मूलबरेरा जाती है। यह ऊँचे पठार पर अवस्थित क्वेरीटोरा है। यहाँ कविटा की खानें हैं। यहाँ एंडीज़ की सर्वोच्च चोटियाँ २०,००० फुट ऊँची हैं। बहुत सी ज्वालामुखी हैं। पूर्वी ढाल पर वर्षा बहुत होती है। यह पश्चिमी ढाल सूखा है। और **गैयिक्वल** (मुख्य बन्दरगाह) के दक्षिण-पश्चिम रेगिस्तान का आरम्भ है। गैयिक्वल इसी नाम की खाड़ी पर समुद्र से १०० मील की दूरी पर स्थित है और इस देश के कोकोआ के व्यापार का मुख्य केन्द्र है। मुहाने और नदी के कारण यह बंदरगाह है और जल में मिट्टी से घिरे हैं। यही दुनिया का अधिकतर कोकोआ और कोकोलेट तैयार होता है।

शराब और चोकोलेट के भी कारखाने हैं। तट से ७०० मील पश्चिम **गेलापेगोस** (कच्छपद्वीप) नामी ज्वालामुखी द्वीप-समूह पर इक्वेडार का ही अधिकार है।

पेरू—(७ लाख वर्गमील, जन-संख्या ४६ लाख) बीस से ८० मील चौड़ा पेरू का समुद्र-तट रेतीला है। इसमें छोटी छोटी नदियाँ

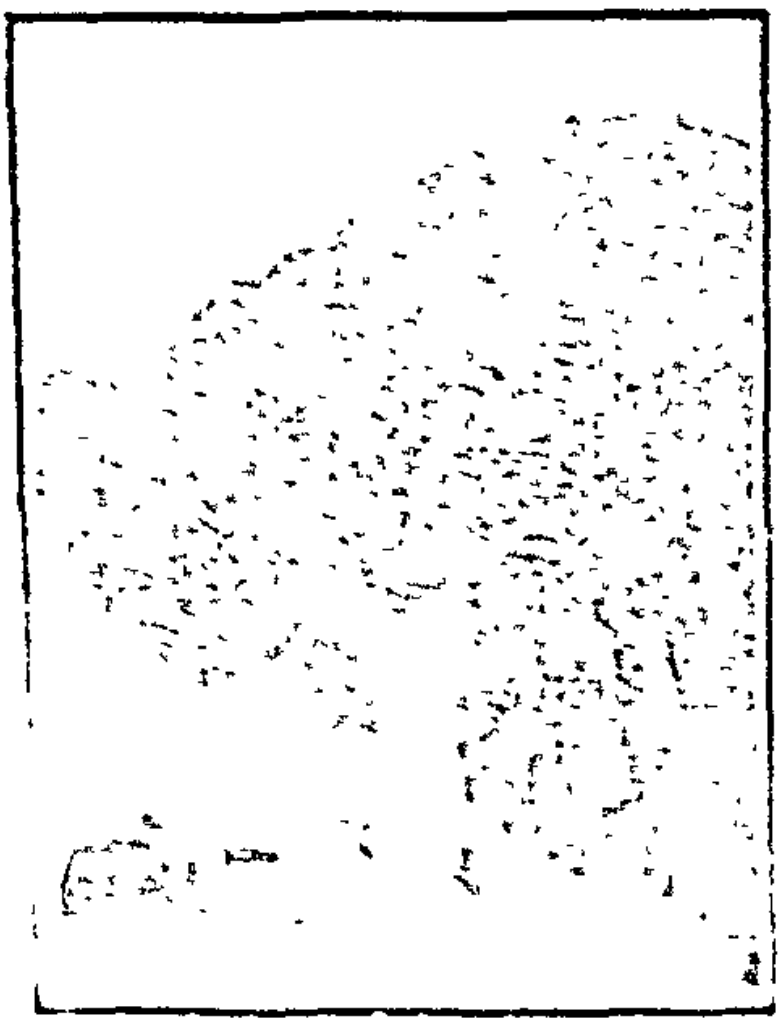

मील से जाने के बदले पहले **कैलाओ** से पनामा (१२७०), वहाँ से न्यूयार्क (२,०३० मील) समुद्र द्वारा पारा (२,००० मील) और फिर एनेज़ान के ऊपर इक्वीटास (२,३००) के ७,००० मील से ऊपर का चक्कर काटा जाता है। भीतरी भागों में इस देश की पुरानी चाल की सड़कों का बड़ी पगडण्डियों का अनुसरण होता है। पुरानी राजधानी **कुज़को** थी। पर वह स्पेनवालों के लिए समुद्र से बहुत दूर थी। इसलिए उन्होंने नई राजधानी **लीमा** में बनाई, जो [illegible] मुख्य बन्दरगाह **कैलाओ** से थोड़ी ही मील दूर [illegible]

बोलिविया

[illegible]

सान्टाना

[illegible]

भरी है उसके आसपास हैं। टिटीकाका झील में टिटीकाका का पानी खारा होने पर भी यह बहुत उपजाऊ है और मूल मूल का मका का विस्तृत मैदान बना रही है। इस पठार का जीवन निचले भाग के जीवन से भिन्न नहीं है, जो प्रायः इतना ही ऊँचा है, पर भूमध्यरेखा से दूर है। ऊँचे पठारों का बहुत ही थोड़ा भाग खेती के योग्य है इसलिए जनसंख्या भी कम ही है। टिटीकाका के पास बसे हुए इंडियन लोगों का एकमात्र भोजन आलू है। निचले भाग के समान यहाँ [illegible] [illegible]

[illegible]

देश २,८०० मील लम्बा है, पर इतना सकरा (लगभग १०० मील) है कि समुद्र से बहुत दूर जाना असम्भव है।

इस देश के तीन प्राकृतिक विभाग हैं। (१) उत्तरी भाग पूर्वी हवाओं के मार्ग पर पहाड़ के पीछे स्थित है—यह रेगिस्तान है। यहाँ मूल्यवान् शोरे की खानें हैं, जो खाद के काम आता है। सबसे अच्छा शोरा समुद्र से कुछ दूरी पर तट-मैदान के बाहर ३,००० फुट की ऊँचाई पर मिलता है। [illegible] द्वारा और पानी एन्डीज की धाराओं से नालों द्वारा लाया जाता है। इक्वीक एन्टफगास्टा और और [illegible] है [illegible] का केन्द्र है [illegible] यह प्रदेश कम आबाद है। [illegible]

कोई आश्चर्य है कि लोगों को अपने पुराने तरीकों तथा विधान को बनाये रखना कठिन है। कोई भी नीति पूरे क्षेत्र के लिये उपयोगी साबित हो जाये है।

कैलिफोर्निया—सैन्फ्रांसिस्को (सैन्फ्रांसिस्को) के लिये एक दन्तकथा है। कानूनी ढंग होने से यह एक बड़ा केन्द्र व्यापारिक है। यह न मॉन्ट्रियल के समान नदीय, न क्यूबाजुएने के समान घने है, पर मिनाक्लोरिन इंडियन का इतना बड़ा अस्तित्व कोलोरेडो है। इनके इंडियन समुद्रतट से १,८०० फुट है। इनकिन्यू तट को गन्धों बन जाती है और मीठापानी में पाला भी पड़ जाता है। अंगे के कैलीफोर्निया को कनाडा में अधिक करने वालों को आवश्यकता पड़ जाती है।

कैलिफोर्निया (नार्थ पोर्ट)—इसमें से बाहरवालों का इतना बड़ा कोलम्बिया है। ऐसा तो नाम ही पहाड़ियों पर बना था। पर बाल्टिमोर २० पर बना है। कुछ तो ऐसी बात है कि पुल में कुछ तब जाने के लिए जीने की उपमान होती है। बन्दरगाह कोई के बाद में आकाश का है और उसके ओर मुड़ा है। कुछ-नोटिस में सुन्दर है। कभी कभी ऐसी हवाएँ इतनी तेज होती हैं कि जहाजों को रस्सी काटकर खुले समुद्र में जाने से आराम मिलता है। बन्दरगाह में सब तरह की नावें हैं। बाल्टिमोर को सुन्दर एक बाल्टिमोर को भी है, जिसमें पहाड़ियों नावों के समान है। वह इंग्लैण्डवालों के लिये अधिक सुविधा है।

सिएटल कुछ वर्ष के आश्चर्यकर दृश्यों में सबसे बड़ा है। जो २०१ मील तक लिखते हैं यहाँ के लोग इंडियन सड़कों नाप कर रेल बनाते हैं। **टैकोमा-सिएटल** और प्रधान सड़कों के बीच बॉल्टिमोर-मार्गों बड़ों को सुनाती है। सुकोमिशवासी मूडियम लोग प्रायः नावों पिलाते हैं। छोटे स्कूलों का बच्चों नाम बाल है और खाना होने से दूसरों के लिए अयोग्य है, पर वाल अच्छी बनाते हैं।

[illegible] इसलिए देश का नाम [illegible] ([illegible]) पड़ा। [illegible] इसलिए [illegible] है।

अर्जेन्टाइना— ११,१२,००० वर्गमील, जनसंख्या ३१ [illegible] है। [illegible]

[illegible]

रोज़ेरिओ शहर प्लाटा में गिरनेवाली **परना** नदी पर स्थित है। नदी का निचला भाग चौड़ा और गहरा होने से जहाज़ रोज़ेरिओ तक आ सकते हैं। यहाँ पर्वतीय प्रदेश से आनेवाले गेहूँ के लिए बड़े बड़े गोदाम हैं। नई चौड़ी सड़कों पर बिजली की रोशनी है, पर शहर पुराने ढंग से बसा है।

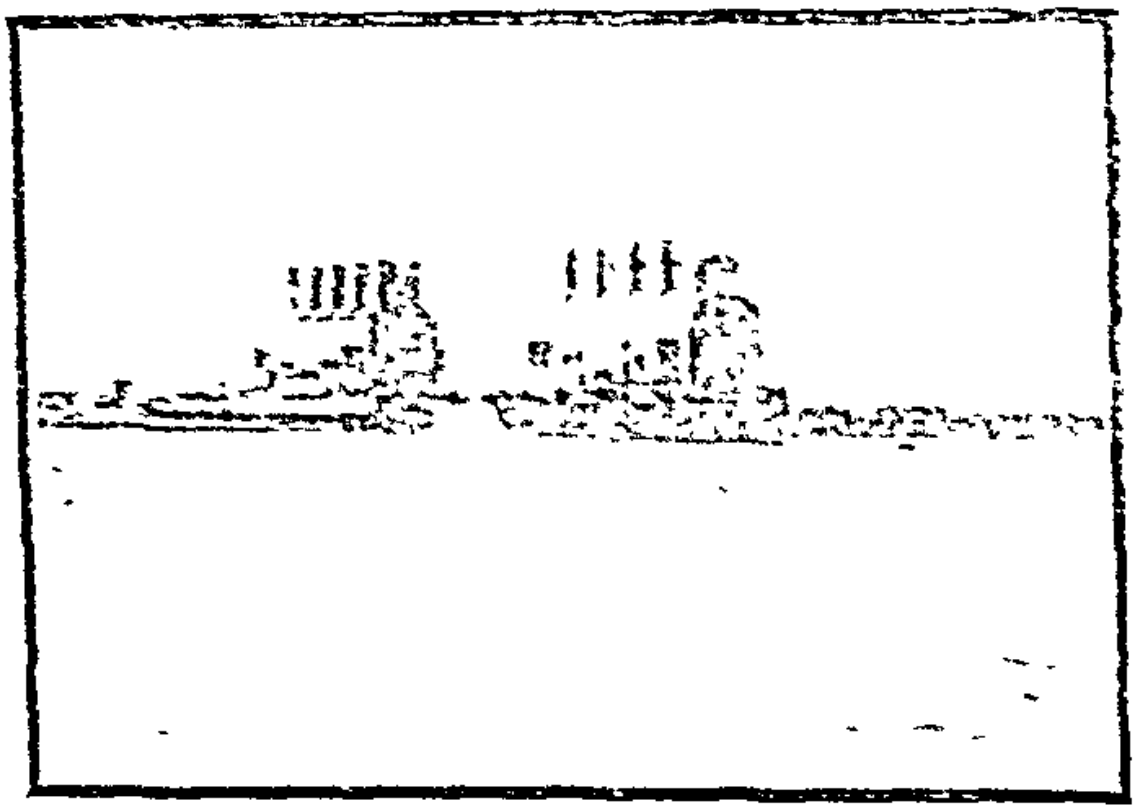

[illegible]

यूरुग्वे— [illegible]

के बराबर है। इसके ¾ भाग में एमेज़ान के निचले प्रदेश हैं। पूर्व में प्रायः दो-तीन हज़ार फुट ऊँचा पठार है।

पठार की सबसे लम्बी नदी **साओफ्रांसिस्को** है, जो पहले उत्तर को बहती है, फिर पूर्व को मुड़ती है और बहुतसी नदियां प्लेट या एमेज़ान में गिरती हैं। तट और गोयाज़, मिनासजेरास आदि पठार के दक्षिणी भाग बहुत घने बसे हैं।

भूमध्य-रेखा के कटिबन्ध में ब्रेज़िल सबसे अधिक चौड़ा है। यहीं कांगो के समान दक्षिणी प्रदेश में एमेज़ान का बेसिन है। जल-वायु सब कहीं उष्ण है, पर पठार पर ऊँचाई के कारण कुछ कुछ ठंडक है। ट्रेड हवाओं की पेटी में वर्षा की मात्रा ऊँचाई पर निर्भर है। वर्षावाले ढाल सघन वन से ढके हैं, पर कम वर्षावाले भाग खुले हुए मैदान (कैम्पास) या सवाना है।

एमेज़ान (३,२०० मील) दुनिया की सबसे लम्बी नदी नहीं है, पर इसमें सबसे अधिक पानी है और इसका बेसिन भी सबसे अधिक बड़ा (कनाडा के बराबर) है। प्रधान धारा पेरू के उच्च एण्डीज़ से समुद्र-तल से साढ़े चार हज़ार फुट की ऊँचाई पर एक पहाड़ी झील से (प्रशान्तमहासागर से १० मील की दूरी से) निकलती है और महाद्वीप के सबसे चौड़े भाग में पूर्व की ओर बहती है। इसकी अनेक सहायक नदियों में कम से कम २० बड़ी नदियों में गिनी जाने योग्य हैं। ये जहाज़ चलने योग्य हैं। सघन वन में जो कुछ (जल) मार्ग हैं वे इन्हीं नदियों के हैं। मेरीरा के संगम के बाद एमेज़ान की चौड़ाई प्रायः सात मील से अधिक हो है। अन्तिम दो सौ मील में भी कम से कम चौड़ाई २० मील है। मुहाने पर जहां रेतीला **मराजो** द्वीप स्थित है, नदी की चौड़ाई २२० मील तक है। यह नदी इतना जल समुद्र में गिराती है कि कई सौ मील तक इसका हरा और मीठा जल समुद्र के जल से बिलकुल अलग दिखाई देता है।

एमेज़ान अपने बेसिन के समान लम्बाई और दूसरी नदियों

है। रबड़ कई तरह के पेड़ों से मिलती है, और जङ्गल के इन्डियन लोगों-द्वारा इकट्ठा की जाती है। फिर यह नदी के बन्दरगाहों को भेज दी जाती है। नदी के बन्दरगाहों में सबसे बड़ा **मनाओस** (५०,०००) है, जो रिओनीग्रो के संगम पर

एमेज़ान-वन में रबड़ इकट्ठी की जा रही है।

बसा है। और भागों में वन सभ्य-संसार के काम का जान नहीं पड़ता, केवल कुछ हज़ार असभ्य इन्डियन लोग यहाँ रहते हैं जो तीर-कमान से मछली मारते हैं, कछुये और उनके अंडे इकट्ठा करते हैं, और खोद कर बनाई हुई नाव को धाराओं में चलाते हैं। जब कभी

चतुर्थ भाग

अफ्रीका

प्रथम अध्याय

स्थिति और विस्तार—अफ्रीका पुरानी दुनिया का विशाल तथा दक्षिणी प्रायद्वीप है। एशिया को छोड़कर और महाद्वीपों में यह सबसे बड़ा है। क्योंकि यह महाद्वीप ३७ उत्तरी अक्षांश से ३४ दक्षिणी अक्षांश तक फैला हुआ है इसलिए भू-मध्यरेखा प्रायः इसके बीच में होकर जाती है। पर इसकी बनावट ऐसी है कि जिसमें अधिकतर थल भू-मध्यरेखा के उत्तर में ही है। यूरेशिया के थलसमूह से यह चार स्थानों में मिला हुआ सा है। (१) उत्तरी अफ्रीका और स्पेन के बीच **जिबराल्टर** प्रणाली उथली और केवल ९ मील चौड़ी है (२) सिसली और उत्तरी अफ्रीका के बीच चौड़ी **सिसली** प्रणाली है। (३) साइनाई प्रायद्वीप के पास **स्वेज़** स्थरयोजक (८० मील) है और (४) **बाबुल मन्दब** की प्रणाली जो १४ मील चौड़ी है और पूर्वी अफ्रीका और अरब के बीच स्थित है। स्वेज़-नहर ने योरप और भारत तथा अन्य पूर्वी स्थानों के बीच दाई हज़ार मील की दूरी कम कर दी है, साथ ही अफ्रीका को एक द्वीप भी बना दिया है। प्राकृतिक बनावट के अनुसार स्पेन और अरब अफ्रीका के ही अङ्ग हैं। इसी से तो कहा जाता है कि अफ्रीका का आरम्भ वास्तव में पिरेनीज़ पर्वत से होता है और तंग लाल-सागर के दोनों ओर भी एक से ही रेतीले किनारे हैं। इस प्रकार मिले

है। पूर्व की ओर लम्बा और तंग लालसागर है जिसके पूर्व में अरब और पश्चिम में नूबिया के ढालू किनारे हैं। आगे दक्षिण में हिन्द-महासागर है। यहां भी कोई विशेष कटान नहीं है। **मेडागास्कर** ही बड़ा द्वीप है, जिसे ढाई सौ मील चौड़े **मुज़म्बीक़** चैनल ने महाद्वीप से पृथक् कर रक्खा है। उत्तर की ओर **कोमारो** द्वीप-समूह ने अब भी इस द्वीप का महाद्वीप से घनिष्ठ सम्बन्ध कर दिया है। पश्चिम की ओर अटलांटिक सागर का भी यही हाल है। **गिनी** की खाड़ी में **बेनिन** और **बियाफ्रा** के बाइट (खाड़ी दो ही कटान हैं। ये भी ऐसे सुरक्षित नहीं हैं कि इनमें बन्दरगाह बन सकें।

भू-मध्यसागर—अफ्रीका का भू-मध्यसागर तट प्राचीन काल ही में सामनेवाले योरपीय तट से व्यापार के लिए प्रसिद्ध हो चुका था। किसी समय मूर लोगों का स्पेन पर बड़ा प्रभाव था। **कार्थेज** जो अब ट्यूनिस रियासत में है पुरानी दुनिया के महान् शक्तिशाली राज्यों में गिना जाता था। **गेब्ज़** खाड़ी के पूर्व-ओर समुद्र-तट रेगिस्तान से लगा हुआ है, इसलिए सहारा को पार करके नाइजर बेसिन से आनेवाले काफ़िलों के व्यापार के अतिरिक्त यहां और कोई व्यापार नहीं हो सकता। अधिक आगे बढ़ने पर **नील-नदी** का **डेल्टा** है। यहां होकर उपजाऊ मिस्र और सूडान की उपज बाहर जाती है। **सिकन्दरिया** (एलेग्ज़ेंड्रिया) यहां का प्रधान बन्दरगाह है। **स्वेज़** नहर के खुद जाने से भूमध्यसागर के दरवाज़े पर **पोर्ट सईद** बस गया है।

लालसागर—लालसागर के उत्तरी सिरे पर **अकाबा** और **स्वेज़** की खाड़ियां हैं। अकाबा की खाड़ी एशिया और अफ्रीका के बीच राजनैतिक सीमा बनाती है। स्वेज़ की खाड़ी अब योजक के बीच में होकर जानेवाली २७ मील लम्बी स्वेज़-नहर द्वारा भूमध्य-सागर से मिला दी गई है। लालसागर के किनारे पर मध्य नील का व्यापारिक

रोक दिया बल्कि भीतरी व्यापार में भी रुकावट डाल दी है (२) अधिकांश अफ्रीका उष्णकटिबन्ध में होने के कारण समुद्रतट रोग का घर और यमने योग्य नहीं है। (३) उत्तर-पश्चिम और दक्षिण-पश्चिम समुद्रतट की बड़ी बड़ी लम्बाई रेगिस्तान में पड़ी है जहां किसी तरह का व्यापार सम्भव नहीं है। (४) जहां अफ्रीका एशिया से मिलता सा है, वहां किनारे के समुद्र डालों ने व्यापार को कठिन कर दिया है।

द्वीप—अफ्रीका के दूसरे महाद्वीप-सम्बन्धी द्वीप, बनावट और जलवायु के अनुसार, महाद्वीप के ही अंग हैं। इनमें निम्नलिखित द्वीप सम्मिलित हैं (१) विशाल मेडागास्कर द्वीप को सुविधीक चैनल ने महाद्वीप से अलग कर दिया है पर **कोमोरो द्वीप** समूह ने पुराना सम्बन्ध (बनावट में) अब तक बना रक्खा है (२) **नोकोद्रा द्वीप** इस स्तर का मिलसिला है जिसका अन्त **गार्डाफुई** अन्तरीप में होता है। (३) **फर्नांडोपो, सैंट टामस** और **प्रिंसेज़ आइलैंड** की आकृति बनावट सामनेवाले केमरून की सी है। अफ्रीका के उत्तर-पश्चिम में दूरी हुई पहाड़ी पर **केनरी** और **वर्डी** द्वीप है। इन और आगे **मेडीरा** द्वीप है। इनमें समुद्र का काफ़ी असर पड़ता है वैसे जल-वायु महाद्वीप के तट की सी है। दक्षिणी अटलांटिक और हिन्द-महासागर के बीच में ऐसे द्वीप स्थित हैं, जिनका महाद्वीप से कोई सम्बन्ध नहीं है। दक्षिणी अटलांटिक महासागर में दक्षिणी अमरीका और अफ्रीका के बीच में दूरी हुई पहाड़ी पर **एसेन्शन** और **टिस्टनडा कुन्हा** द्वीप स्थित हैं। इनके पूर्व ज्वालामुखी द्वीप **सेन्ट हलीना** है। इन सब पर अंगरेज़ी अधिकार है।

मेडेगास्कर से २०० मील पूर्व हिन्द-महासागर की एक दूरी हुई पहाड़ी पर **मारीशस** स्थित है। इसके किनारे पर मूंगे की दीवार है।

अफ़्रीका का प्राकृतिक नक़्शा

रूप में अपने आप फूट निकलता है, या बदले कुँओं-द्वारा निकाला जा सकता है।

अफ्रीका की सभी नदियां उच्चकटिबन्ध में होकर बहती हैं। इसके शुष्क तथा वर्षा-ऋतु में बड़ा अन्तर रहने से नदियों के जल की मात्रा में भी बड़ा भेद पड़ जाता है। कांगो के जल की मात्रा में बहुत कम अन्तर पड़ता है, क्योंकि यह भू-मध्यरेखा के पास होकर बहती है, जहां साल भर वर्षा होती रहती है। भू-मध्य-रेखा और कर्करेखा के बीच में बहनेवाली सहायक नदियां उत्तरी गोलार्द्ध की ग्रीष्म में बाढ़ लाती हैं। पर भू-मध्यरेखा और मकर-रेखा के बीच में बहनेवाली सहायक नदियां दक्षिणी गोलार्द्ध की ग्रीष्म (अक्टूबर से मई तक) में सबसे अधिक पानी लाती हैं। अफ्रीका के सुरक प्रदेश की नदियों में वर्षा के पीछे बहुत कम पानी रहता है, बहुत सी तो समुद्र तक पहुँचने ही नहीं पातीं हैं।

———

इस वनस्पति-प्रदेश के दक्षिणी भाग में वर्षा प्रायः ६० इंच होती है, क्योंकि यह भाग हिंद महासागर पर्याप्त वाष्प इकट्ठी करके लाने में समर्थ है पर गर्मी के दिनों में इसकी पहुँच नहीं होती, इसलिए वहाँ वर्षा इस हद तक ही कम रहती है। दक्षिण-पश्चिम के ढलुवाँ वाले केन्द्रीय भागों में भी यहाँ के शीतकाल (मई से अक्टूबर तक) में ही अधिक वर्षा होती है। शीत-ऋतु प्रायः शुष्क रहती है।

दक्षिणी-पश्चिमी के उच्च प्रदेश में गर्मी की ऋतु में अब कि ऊपर की हवाओं का दबाव कम हो जाता है मानसून-हवाओं द्वारा वर्षा होती है। इसी प्रकार की वर्षा कुछ कुछ पूर्वी पठार पर भी होती है।

महरा का वार्षिक तापक्रम ६४ डिग्री से भी ऊपर होता है, पर अक्टूबर का तापक्रम ८८ डिग्री ही रहता है।

वनस्पति-भूमध्यरेखा के वर्षा-वनस्पति में प्रायः सदा पानी बरसता रहता है। गरमी, नमी और उर्वरा भूमि के कारण उष्ण और आर्द्र घने जङ्गल हैं जिनमें सब ऋतुओं में फल-फूल आते रहते हैं यह प्रायः दो मञ्जिला होता है। ऊपर तो घनी झाड़ियों से घिरी होती है कि बलवान् हाथियों को भी पद्दलित मार्गों से ही जाना होता है। नया मार्ग बनाने में ये सर्वथा असमर्थ होते हैं। बड़े बड़े विशाल पेड़ एक दूसरे से हवा और प्रकाश के लिए लड़ते झगड़ते हैं और आसमान में बाँहें करते हैं। नीचे पत्तियों के कारण दोपहर को भी अँधेरा छाया रहता है। वनस्पति की अधिकता से मनुष्य और पशु दोनों की जगह भर ली है। बन्दर, रेंगनेवाले जन्तु और कीड़े-मकोड़े यहाँ के एक-मात्र निवासी हैं। आमदनी से भोजन मिलने तथा आर्द्र गरमी के कारण यहाँ के लोग भी सुस्त हो गये हैं। ऐसी जल-वायु में मलेरिया खूब होती है। जिसे मच्छड़ और भी फैला देते हैं। रबड़, आबनूस, ताड़ का पेड़, महोगनी की जहाजी लकड़ी, कहवा आदि यहाँ की विशेष पैदावार है,

सवन्ना—सघन वन के किनारे घास के विशाल मैदान हैं, जिनके

(देवदार) शीतोष्ण प्रदेश के सदाबहार वृक्षों में मिलते-जुलते हैं पर ताड़ समुद्रतट के ही निकट मिलते हैं।

कटीले प्रदेश और रेगिस्तान—सरो, सुमाक, कनेर तथा ओलिव वृक्षों के दर्शन से पता चलता है कि यहाँ कटीले झाड़ियाँ हैं। इसी भाग में लवेंडर और सौंफ भी इतने मिलते हैं। **काहू** के दक्षिणी प्रदेश में लगभग एक सा वर्षा होती है, अतः एक से पेड़ मिलते हैं। सहारा के ऐसे अनेक भागों में वनस्पति का अभाव है। कहीं-कहीं में ये भाग बहुत छोटे हैं। बीच-बीच में जहाँ पानी जमीन के पास मिलता है, वहाँ खजूर, बाजरा, जौ और अन्य अनाज, तथा सब्जी आदि खूब भी उगते हैं। इन्हीं हरे भरे मरुद्यानों के कारण रेगिस्तान में यात्रा सम्भव हो जाती है। यहाँ ऊँटों के काफ़िले आकर ठहरते हैं।

भू-मध्य-सागर के प्रदेश—उत्तर-दक्षिण में एटलस और दक्षिण-पश्चिम में केपटाउन के आस पास सर्दी की ऋतु हल्की और गर्म होने से इस ऋतु भर भूमध्यसागर-प्रदेश के पौधे उगते रहते हैं। सूखे पर अत्यन्त गरम ग्रीष्म ऋतु में शीतोष्ण प्रदेश के सभी पेड़ एक आते हैं। पेड़ छोटे होते हैं, इनमें पतझड़ नहीं होता है। बहुत सी झाड़ियाँ सुगन्धित फूलदार होती हैं। एटलस के वृक्ष आड़ू जाने का कार्क, डाट मेंहदी, अंजीर और गुलाब के वृक्ष हैं। सूखे प्रदेश पर प्रायः पेड़ों का अभाव सा है। पर अल्फा घास (जिससे कागज़ बनता है) खूब होती है छोटा काटेदार और फूलदार झाड़ियाँ भी मिलती हैं। हाल में आस्ट्रेलिया के यूकेलिप्टस पेड़ केप कालोनियों में सफलता-पूर्वक लगाये गये हैं।

पशु—अपने अगले में मनुष्य के आकारवाले लंगूर, वनमानुष तथा बन्दर, एवं और बाघ मिलते हैं। बड़े बड़े जानवरों में हाथी, दरियाई घोड़ा (जो बड़ी बड़ी नदियों और झीलों के पास रहते हैं),

इस प्रकार सहरा के रहनेवाले अरबी लोग बद्दू हैं। वे खाल के डेरों में रहते हैं। पर खेती करनेवाले घर बनाकर शहर या गाँव में रहते हैं।

योरपीय उपनिवेशों ने खनिज, शिल्प, कृषि और व्यापार में नये ढंग से काम लिया है।

राजनैतिक विभाग

(१)

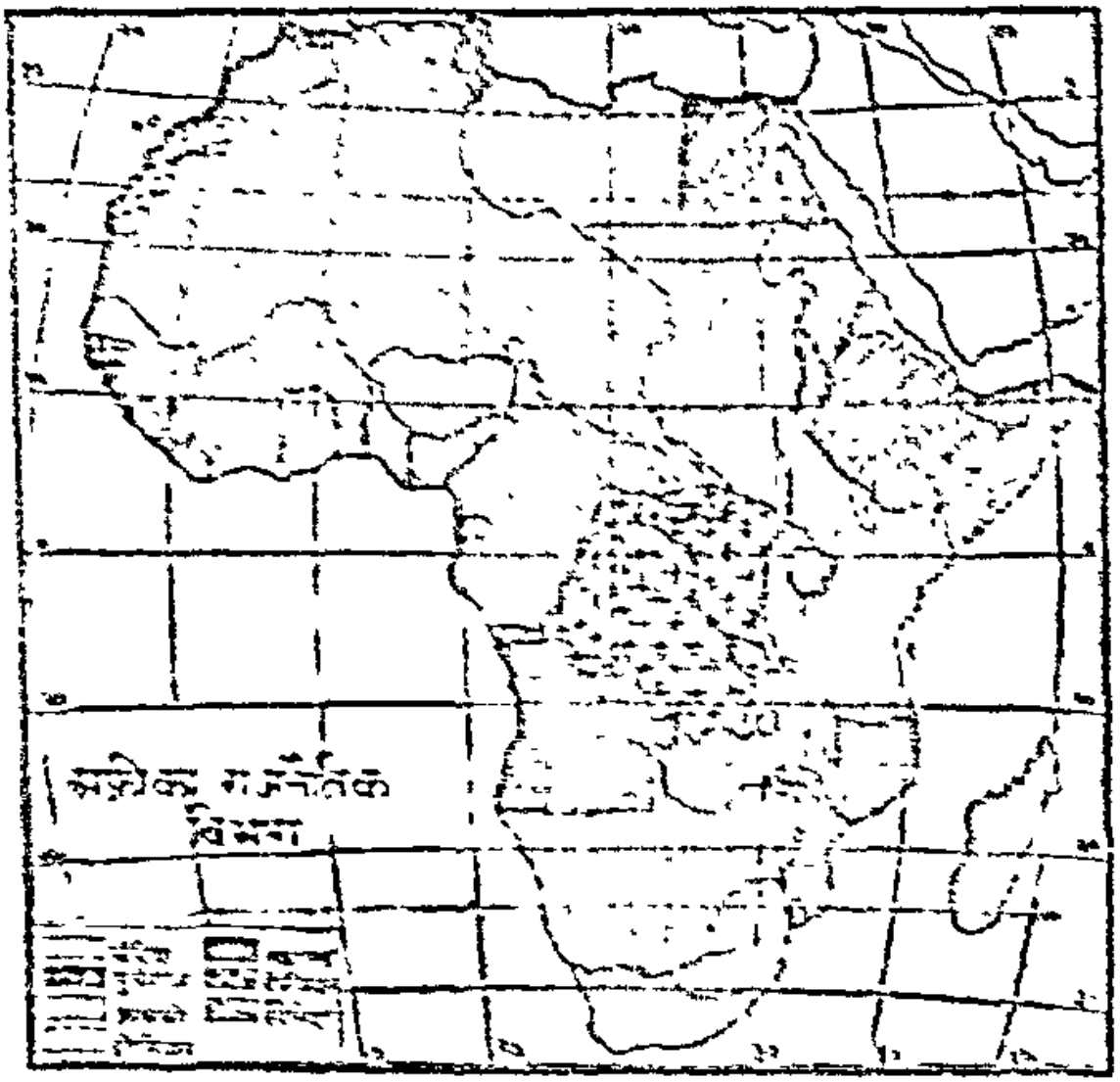

यद्यपि अफ्रीका पुरानी दुनिया का अंग है। तथापि इसके बहुत से भागों में सभ्य लोगों का प्रवेश हाल ही में हुआ है प्राचीन सभ्यता

शताब्दी के आरम्भ में यह भाग ब्रिटिश-शासन में आ गया। यहीं से गोरे लोग उत्तर की ओर शीतोष्ण घास के प्रदेश में फैल गये। योरपीय लोग, व्यापारी, मिशनरी या शासक हैं। इन्हीं योरपीय लोगों ने प्रायः समस्त महाद्वीप बाँस में इस प्रकार बाँट लिया है:—

देश	क्षेत्रफल वर्गमीलों में
ब्रेटब्रिटेन	४२,६४,०००
फ्रांस	४२,००,०००
पुर्तगाल	७,८८,०००
इटली	६,४०,०००
देश	क्षेत्रफल वर्गमीलों में
स्पेन	१,४०,०००
बेल्जियम	६,३०,०००
लाइबिरिया	४०,०००
एबिसीनिया	३,४०,०००

१९१४ ई० में जर्मन-शासित प्रदेश का क्षेत्रफल १०,३०,००० वर्गमील था। ४ लाख वर्गमील पर तुर्की का भी अधिकार था। महायुद्ध में यह सब मित्र दल के हाथ आया।

बन्दर (जो स्पेन के हाथों में है) से दिसावर जाता है। मोटर चलने योग्य सड़कें भी बन गई हैं। और छोटी छोटी पहाड़ी रेलवे लाइनें समुद्र-तट के नगरों से भीतरी नगरों को गई हैं। कच्चे माल से तरह तरह की चीज़ें बनाने के लिए मिलें खुल गई हैं, बिजली से भी काम लिया जाता है। फ़्रांसीसी मरक्को में **कासाब्लांका** बन्दरगाह को बढ़ाने के लिए विशेष ध्यान दिया जा रहा है। रेल-द्वारा यह उत्तर-पश्चिम में **फ़ेज** से मिला दिया गया है। **टेटुआन** बन्दरगाह भूमध्यसागर में गिरनेवाली नदी पर स्थित है, पर वहां के रेत को साफ़ करने की ज़रूरत पड़ती रहती है। अधिकतर बाहरी व्यापार फ़्रांस और ग्रेट-ब्रिटेन से होता है, जिब्राल्टर के सामने **स्यूटा** और पश्चिम की ओर **टैंजीर** उत्तम बन्दरगाह हैं। अंडे, गेहूँ, अन्य अनाज, बादाम, ऊन, तिल तथा दूसरे कृषि-पदार्थ दिसावर जाते हैं। देशी कारीगरी की चीज़ों में फ़ेज़-टोपी और चमड़ा अफ़्रीका के भिन्न भिन्न भागों में भेजा जाता है। मरुद्वीपों (ओसिसों) में दिसावर भेजने के लिए छुहारे लगाये गये हैं।

अल्जीरिया—यह देश (२½ वर्गमील, जन-संख्या ५८ लाख) सन् १८३० ई० से फ़्रांस की संरक्षकता में है। तब से अब तक फ़्रांस ने बहुत सा धन लगा कर यहां हज़ारों मील सुन्दर सड़कें और २,२०० मील रेलवे तैयार कर दी हैं। बहुत से बन्दरगाह भी बन गये हैं। जलाशय और आर्टिज़ियन कुँओं के खुद जाने से बहुतसी नई ज़मीन खेती के योग्य बन गई है। अधिकतर जन-संख्या प्रायः समुद्र-तट के नगरों में बसी हुई है। कबलई, अरब और यहूदियों आदि की संख्या सारी जन-संख्या की $\frac{1}{6}$ है। शेष आबादी फ़्रांसीसी, इटेलियन, स्पेनिश, और माल्टावालों की है। अल्जियर्स एक समुद्र-खाड़ी के सिरे पर बसा हुआ सबसे बड़ा नगर है। इसके पीछे का प्रदेश सम्पन्न होने के कारण यही राजधानी भी बन गया।

ट्रिपली—(४ लाख वर्गमील, जनसंख्या १० लाख) ट्यूनिस और मिस्र के बीच में प्रायः चार लाख वर्गमील प्रदेश ट्रिपली नाम से प्रसिद्ध है। अधिकतर यह रेगिस्तान है। पहले यहाँ तुर्की शासन था, पर १९१२ से यहाँ इटली का राज्य होगया। इस इटेलियन लिबिया में पश्चिम की ओर **फेज़ान** और दक्षिण की ओर **बर्का** का प्रदेश शामिल है। सिंचाई होने पर इसका बहुत सा भाग अन्नागार बनाया जा सकता है जैसा कि रोमन-काल में था। इसके भीतरी भागों में पानी नहीं बरसता, पर तट पर ७ से बीस इंच तक पानी बरस जाता है। मरुद्यानों में सुहारा विशेष होता है। तट के निकट ऊँची भूमि पर भूमध्य-सागर के फल हैं। अलसी या स्पार्टो घास भी उगती है। शुतुर्मुर्ग पालने की भी योजनाएँ हो रही हैं। सुहारा, कुछ घोड़े, ऊँट, शुतुर्मुर्ग के पर, स्पार्टो घास (जिससे काग़ज़ बनता है) और बकरे की खाल स्थानीय निर्यात की चीज़ें हैं। यहाँ सहारा रेगिस्तान अत्यन्त सकरा है। ट्रिपली शहर सहारा का निकटतम बन्दर है, अतएव यहाँ काफ़िलों के मार्ग मिलते हैं। इस कारण सूडान के हाथीदाँत, खाल और शुतुर्मुर्ग के पर, रेगिस्तान का **सोडा** और नमक खात झीलों के सोने की धूल ट्रिपली बन्दरगाह से ही बाहर जाती है। इस व्यापार ही से **ट्रिपली** शहर की नींव पड़ी। इस देश के बाउ सौ मील लम्बे तट में ट्रिपली ही कुछ कुछ अच्छा बन्दरगाह है। यद्यपि यह छोटी छोटी पहाड़ियों से सुरक्षित है, तो भी उत्तरी या परिवर्तनी आँधियों के कारण इसके उथले जल में छोटे छोटे ही जहाज़ों की पहुँच है। यह शहर माल्टा द्वीप के ठीक सामने है और इससे समुद्री तार द्वारा जुड़ा हुआ है। बर्का-प्रदेश का मुख्य बन्दरगाह **बर्गाज़ी** है। यह भी उथला तथा आँधियों से पीड़ित है। व्यापार प्रायः माल्टा ही से होता है। **फेज़ान** कोमिस में कई छोटे छोटे गाँव हैं पर उनमें मध्यवर्ती सबसे बड़ा नगर मुज़ुक ही है। सूडान और ट्रिपली के व्यापार-मार्ग में स्थित होने के कारण इसकी बढ़ती हुई है

बन्दूक, सिगरट दाढ़ी नींद सब कहीं रेत ही रेत भर जाता है। अफ्रीका के लाल रेत-मिली हुई वर्षा इटली में "लाल वर्षा" कहलाती है। कभी कभी तो अफ्रीका का रेत आल्प्स को पार करके जर्मनी में लाल वर्षा कर देता है। रेत की अन्धकार-मय आंधी यात्री का दम घोटने में बड़ी भयानक होती है। आंधी के सामने पीठ करके और चेहरे को ढक कर ही झोंके को निकाल दिया जाता है। बरसों पानी नहीं बरसता और जब बरसता है तब लगातार मूसलाधार कई दिन गिरता है।

वनस्पति दो तरह की होती हैं। रेगिस्तान में घुमनेवाले रामघांस, कटीले पौधे और खुरदरी घास मिलती है। इनकी मोटी और छोटी पत्तियों से बहुत कम नमी बाहर जाती है। कुछ पौधे थैलीदार जड़ों में पानी रखते हैं। ओसिस में तो गन्ना, धान, गेहूँ, जौ, बाजरा, जुआरा, गोभी, मूली, प्याज़, लौकी, ककड़ी, मटर, खरबूज़ा, अनार, अंगूर, नारंगी और नींबू आदि का उगाना भी सम्भव है। रेगिस्तान की भूमि बड़ी उर्वरी होती है, पानी मिलते ही बगीचा बन जाती है।

पशु भी रंग रहित और छिप जानेवाले अधिक हैं। कुमरी, सोनहरी चिरकली, कौए, गिद्ध, रेगिस्तान में भी मिलते हैं, ओसिस में तरह तरह के पक्षी, बाज़ और शुतुरमुर्ग हैं; शरमीले बन्दर सघन घाटी में तथा सिंह पहाड़ी गुफाओं में मिलते हैं। विषरहित सांपों के अतिरिक्त यात्री के लिए यहां के सींगदार ज़हरीले कीड़े बड़े भयानक होते हैं जिनके डंक मारते ही मनुष्य व्याकुल होकर एक घंटे में मर जाता है। प्रायः प्रत्येक पत्थर के नीचे कोई न कोई कीड़ा-मकोड़ा मिलता है जो बड़ी तेज़ी से भाग जाता है, पर फँस जाने से काट खाता है। अरबी लोग ऐसे कीड़ों को आपस में लड़ाने में बड़ा आनन्द लेते हैं। बिच्छू को वे आग के कई वृत्तों में बन्द करते हैं, जिससे वह इतना तड़पता है कि अपने को काट काट कर मर जाता है। मछली के समान कुछ चिपकलियां और चींटियां बिल में रहती हैं। झीलों में खसजी मछली और दलदलों में मेंडक मिलते हैं। बहुतों में सफ़ेद धोंधे मिलते हैं

इसे अपना सामान कम करने की पड़ी रहती है, इसलिए वह थोड़े ही में सन्तोष कर लेता है। तम्बू के लिए चटाइयाँ बकरी और ऊँट के चाम की बनी हुई रस्सियाँ; मसाला, दूध और पानी रखने के लिए मिट्टी के बरतन, मशक और भेड़ की खाल के कपड़े ही बरबी की प्रधान आवश्यकतायें हैं।

बोलिस का जीवन इनसे बिलकुल भिन्न है। बहुत कुछ बोलिस के विस्तार और उपजाऊपन पर निर्भर है। सबसे बड़ा एक बोलिस सहरा के अल्जीरिया प्रदेश में **तेफिलत** नाम से प्रसिद्ध है। विस्तार में ४० या पचास मील उत्तर-दक्षिण को और १० कोस पूर्व से पश्चिम को है। इस सारे चार सौ वर्गमील का प्रदेश दुहारे का ऐसा सघन वन है कि १०० गज से अधिक दूरी की कोई चीज़ दिखाई नहीं देती। दुहारे सुखाने और बाज़ार लगाने के लिए खुले स्थान भी हैं। शत्रु की फ़ौजों की रक्षा के लिए गाँवों में पहार-दीवारी होती है। इस पहार-दीवारी के आगे खुली जगह होती है। भिन्न भिन्न किस्मों में युद्ध होना एक साधारण सी बात है। दुहारे के लिए फल, पत्तर और कच्चा की खेती होती है। जानवरों की भरमार है, ऊँट गधे, टोर, खच्चर और घोड़े अपनी सुन्दर टाँगों और छोटे छोटे खुरों के लिए विख्यात हैं। भेड़ों से लम्बी लम्बी ऊन और स्वादिष्ट मांस मिलता है। बोलिस का बरबी किसान और घरबाहा होने ही होता है।

कुछ छोटे छोटे और काम भी हैं जैसे दुहारे को सुखाना, बकरी की खाल से मशकें बनाना, इन चमड़े से रेशम की किनारीदार ऊनी और ऐसे बनाना, कपड़े, ऊनी कम्बल, कालीन बुनना तथा दुहारे की पत्तियों से चटाई व टोकरी तैयार करना आदि। कपड़ा-लत्ता सामान, कपड़ा, मसाला, चीनी के बरतन, रेशम और खाल के बदले में दे दिया जाता है। यह व्यापार बहुधा घुमक्कड़ फेरी के रूप में होता है। रेगिस्तान में उन्हें घूमने का स्वभाव पड़ गया है और वे सब जातों में परिणित हैं। इनका कहना है कि घूमनेवाले कपड़े खाने का बोलिस

तथा शीतकाल और ग्रीष्म के ताप-क्रम में भारी अन्तर रहता है। बाढ़ की ऋतु में मकई, बाजरा, सन और धान उगाये जाते हैं। बाढ़ के बाद तर ज़मीन में गेहूँ, जौ, चारा, प्याज़, तरकारी और दाल आदि शीतकाल की मुख्य फसलें होती हैं। ग्रीष्म काल के आने तक नील नदी अत्यन्त सिकुड़ जाती है। पर लोअर मिस्र में सिंचाई की नहरें खुल जाने से कपास, ईख, फल और शाक आदि की फ़सलें उगाई जाती हैं। जिन इञ्जीनियरों ने पंजाब की वेगवती नदियों से नहर निकालने में अनुभव प्राप्त किया था, उनके लिए अस्वान, एस्विट और डेल्टा की मन्द धारा में सिंचन-कार्य तैयार करना खेल सा जान पड़ता था।

तेल पेरने, आटा पीसने, शक्कर बनाने, साबुन, शराब और चमड़ा तैयार करने का काम बड़े बड़े कारखानों में होता है। सुन्दर रेशम,

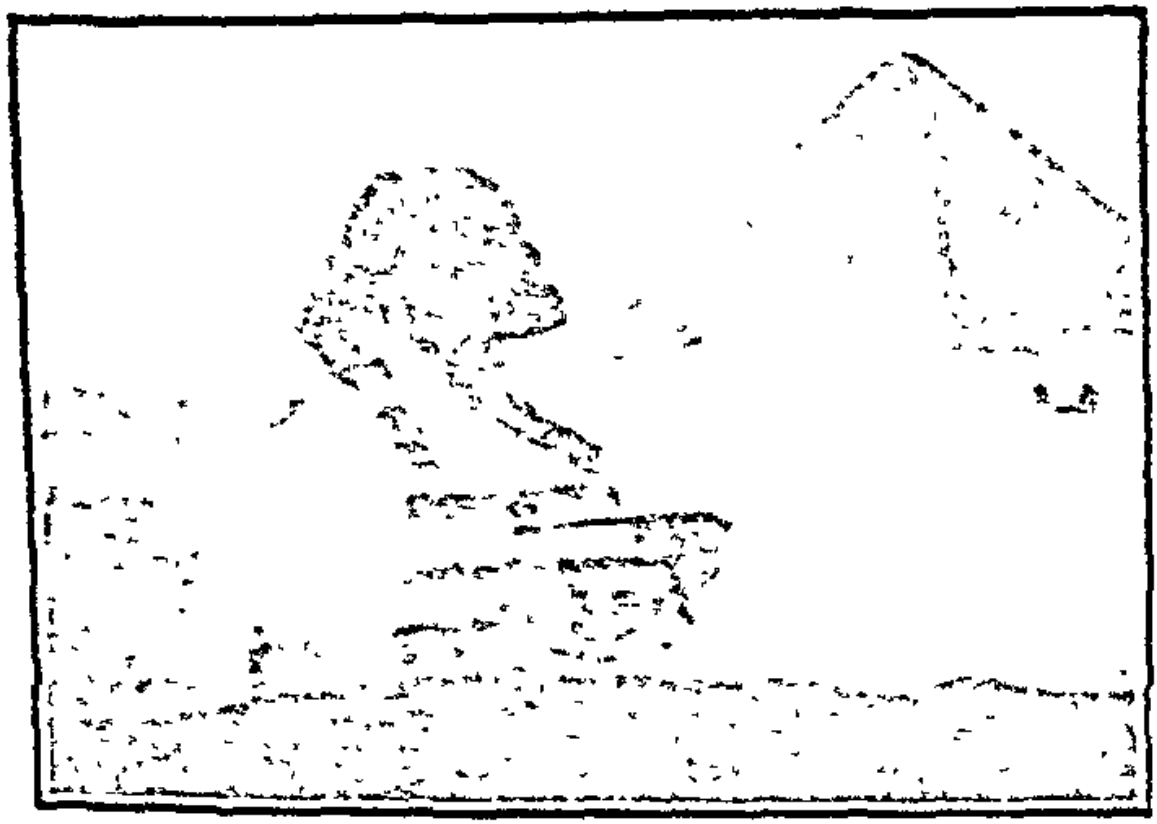

यह [illegible]

[illegible]

खिचड़ी है। डेल्टा के पूर्व में **पोर्ट सईद** एक कृत्रिम बन्दरगाह है। **स्वेज़** नहर के खुल जाने से यह नगर बहुत बढ़ गया है। **थीबीज़** शहर (लुक्सर) पुरानी राजधानी है। डेल्टा से अस्वान तक नाव और रेल दोनों ही से यात्रा हो सकती है। अस्वान के नीचे प्रथम प्रपात जल-मार्ग में बाधा डाल देता है। पर इस प्रपात के बाद **वादी-हाफा** तक जल-यात्रा सुगम है।

निलीसूडान (१० लाख वर्गमील, जन-संख्या ३४ लाख) दक्षिण में अधिक सजल है। बहरुल-ग़ज़ल प्रदेश में वन हैं। यहां हाथीदांत, रबड़, कपास, मकई, सुहारे आदि मुख्य उपज हैं। गेहूं और तम्बाकू ऊंचे भागों की पैदावार है। यहां की जन-संख्या घुमंतू है। उत्तर में अरबीरधिर अधिक है। दक्षिण में हबशियों की अधिकता है। इस देश की राजधानी **खार्टूम** नगर हमारे प्रयाग के समान है और ब्लू तथा श्वेत नील के संगम पर बसा है। यह कई मार्गों का केन्द्र है। नदी के दूसरी ओर **ओम्डरमन** है। खार्टूम नगर रेल-द्वारा **बर्बर** से जुड़ा हुआ है। बर्बर से एक लाइन **पोर्टसूडान** और **सुआकिन** को गई है। रेगिस्तान में होकर एक लाइन **वादी-हाफा** को जाती है।

— ——

हैं। **किलीमांजारो** अफ़्रीका की सर्वोच्च (१९,३२० फ़ुट) चोटी है। एडवर्ड और एल्बर्ट झीलों के बीच हिमाच्छादित **रूवनज़ोरी** की सुन्दर चोटी अक्सर कुहरे से ढकी रहती है। इसी से एक बार प्रसिद्ध अन्वेषक स्टैनली यहाँ से कुछ ही मील की दूरी पर पहुँच जाने पर भी चोटी को न देख सके। इस पठार का उत्तरी भाग दक्षिण की ओर टैंगनाइका प्रदेश में है। यही पहले पूर्वी जर्मन अफ़्रीका था। दक्षिणी पठार के दक्षिणी भाग में उत्तरी रोडेशिया, न्यासालैंड (ब्रिटिश) और पुर्तगीज़ पूर्व अफ़्रीका या मुज़म्बीक शामिल हैं।

यहाँ ४० से ६० इंच तक वर्षा होती है और गरमी और सरदी के तापक्रम में कम अन्तर पड़ता है।

कीनिया-कलोनी और यूगांडा—(३,४६,००० वर्गमील, जन-संख्या ६० लाख)। विक्टोरिया झील को विषुवत-रेखा काटती है। कीनिया और यूगांडा बिलकुल उष्ण-प्रदेश में स्थित है। समुद्र-तट का मैदान भिन्न भिन्न भागों में भिन्न भिन्न चौड़ाई का है, यह उष्णार्द्र, अस्वास्थ्यकर और सघन वन से ढका है। भीतर की ओर भूमि क्रमशः ऊँची हो गई है। पहली सीढ़ी (८०० फ़ुट) के बाद लगभग ५० मील चौड़ा, खुश्क, कटीली झाड़ीदार मैदान है। इसमें ऊँचे पठार में अधिक वर्षा होती है और देश मसाईलैंड व अटाई मैदान के उपजाऊ सवन्ना (घास पेड़युक्त) मैदान में बदल जाता है। यही सिंह आदि अनेक शिकारी जानवरों का घर है। भूमि और भी ऊँची होती है। यहाँ की शीतोष्ण जलवायु गोरे उपनिवेशकों को भी अनुकूल पड़ती है। माउन्ट कीनिया के दक्षिण और किलीमांजारो से १०० मील उत्तर कहवा के मैदान में **नैरोबी** शहर स्थित है, जो इस देश की राजधानी है।

किकुय पहाड़ (७,००० फ़ुट) पूर्वी रेफ़्ट घाटी के और एक-दम नीचा हो जाता है। सामने इससे भी अधिक

और नारियल के खोरड़े से तेल निकाल कर साबुन, मोमबत्ती, चिकनाई आदि बनाते हैं। कटीली झाड़ी के प्रदेश में सन आदि रेशेदार पौधे उगते हैं, जिनसे मूल-निवासी रस्सी और कमान की डोरी बनाते हैं। अधिक ऊँचाई पर अरंड, कपास, कहवा, चाय आदि कई फ़सलें मूल-निवासियों के परिश्रम से गोरों की देख-भाल में उगाई जाती हैं। यूगांडा में भी ये ही फ़सलें उगती हैं। केला यहां का मुख्य भोजन है। यूगांडा का अधिकांश भाग [illegible]

ऊँचे पठार चार से छः हज़ार फ़ुट तक हैं। सबसे ऊँची चोटी १०,००० फ़ुट है। उच्च पठार मुज़म्बीक के तट के मैदान की ओर, ज़ेम्बिज़ी घाटी की ओर झीलों की ओर, तथा पार करनेवाली नदियों की ओर, नीचे होगये हैं। ५५० मील लम्बी न्यासा झील का पानी शायर नदी ज़ेम्बिज़ी में ले आती है। पठार की ऊँची सीढ़ियों से उतरने पर यहाँ प्रपात होगये हैं। अधिक पश्चिम की ओर लोआंग्वा की चौड़ी, गहरी, उष्णार्द्र, वनाच्छादित और अस्वास्थ्यकर, रोगग्रस्त घाटी है। यह दक्षिण में ज़ेम्बिज़ी से मिलती है।

मुज़म्बीक मेडेगास्कर की आड़ में स्थित है। इससे यहाँ इतनी वर्षा नहीं होती जितनी कि ज़ोम्बा में होती है। इसी प्रकार सर्वोच्च पहाड़ पर भी ख़ूब वर्षा होती है। उष्णकटिबन्ध में होते हुए भी इस पठार की जलवायु ऊँचाई के कारण समशीतोष्ण हो जाती है। वर्षा में दलदल और कीचड़ होने से मार्ग भी दुर्गम हो जाते हैं। वर्षा के बाद बुख़ार फैलता है। फिर लम्बी ख़ुश्क ऋतु होती है। प्रकृति-दत्त सम्पत्ति बहुत है।

घाटी में रबड़ आदि उष्ण कटिबन्ध की चीज़ों की अधिकता है। पर यहाँ गोरे लोग रहना पसन्द नहीं करते हैं। बहुत सा प्रदेश खुला हुआ घास का मैदान है, जिसमें कहीं कहीं पेड़ों का छिड़काव है। शिकार के जानवरों के बड़े बड़े झुंड हैं। जहाँ **सेट्सी** मक्खी का अभाव है, वहाँ ढोर भी बहुत हैं। काली काली उपजाऊ मिट्टी के भी बहुत से विशाल भाग हैं। यहाँ कपास ख़ूब पैदा हो सकती है। **शायर-पठार** में कहवा, चाय और कोकीन ख़ूब उपजते हैं। यह पठार सोना, चाँदी, ताँबा, सीसा, लोहा, कोयला आदि खनिज पदार्थों से भरपूर है। केपटाउन से आनेवाली रेलवे पर स्थित **ब्रोकिन-हिल** की खानें बड़ी उपयोगी हैं। लोहे का काम तो मूल-निवासी बहुत दिनों से करते आ रहे हैं।

एक सीध खड़ी शिला पर आ पड़ती है। साढ़े तीन सौ फुट नीचे एक तंग कन्दरा में गिरने पर पानी चक्कर खाने और उबलने लगता है। इस पानी का गरजना मीलों तक सुनाई देता है। पानी के छींटों से छोटा सा इन्द्रधनुष बन जाता है। विक्टोरिया-प्रपात के नीचे नदी की घाटी तङ्ग हो जाती है। केपटाउन से आनेवाली रेलवे इसी तङ्ग जगह पर नदी को पार करती है [illegible]

[illegible]

के नील का रँगा हुआ होता है। **कानो** का कपड़ा एलेग्जेंड्रिया से लेकर लागोस तक प्रत्येक गाँव में मोल लिया जा सकता है; उत्तरी अफ़्रीका के लाखों लोग इसे पहनते हैं। **'कोला'** फल टोकरियों में भरे हुए और पत्तों से ढके हुए तट से आते हैं। आने-जाने का ख़र्चा इतना बढ़ जाता है कि जो फल तट में पाँच कौड़ी को मिलता है वही **कानो** में ५० या कभी कभी २५० को मिलता है। **चाड** झील तक पहुँचते पहुँचते इनके दाम और भी बढ़ जाते हैं। ये फल बड़े ही स्वादिष्ट और पुष्टिकर होते हैं। थोड़ा खाने से ही बहुत काम किया जा सकता है। नाइजर और उसकी सहायक बेन्यू यहाँ की प्रधान नदी हैं। नाइजर का डेल्टा दक्षिणी नाइजरिया में स्थित है। यह गिनी कोस्ट का एक सच्चा नमूना है। इस तट पर समुद्र की भयानक लहरें टकराती हैं। यहीं के गोरन पड़ उगे हुए [illegible] कई भाग में बाँट दिया है। सोना, रबड़ और पाम [illegible] बाहर भेजने के लिए बहुत सी रेलें तट से भीतर [illegible] और स्थानीय व्यापार का माल [illegible] रास्ता पर [illegible] जाता है। कपास, [illegible] उगाई जाती है [illegible]

ब्रिटिश गिनी प्रदेश— [illegible] चारों ओर बढ़ गये हैं [illegible] है। गाम्बिया [illegible] तथा पश्चिमी [illegible] दक्षिणी नाइजीरिया के बीच [illegible] जो अधिकतर [illegible] है।

गेम्बिया प्रदेश [illegible]

शिकारी और मछली मारनेवाले होते हैं। इनके घर वनमानुसों ही जैसे होते हैं। ये लोग प्रकृति के उपासक होते हैं और नहीं पूजते हैं। छोटे छोटे तीर कमान इनके शस्त्र हैं, जिनसे वे हाथी आदि बड़े बड़े जानवरों का शिकार करते हैं।

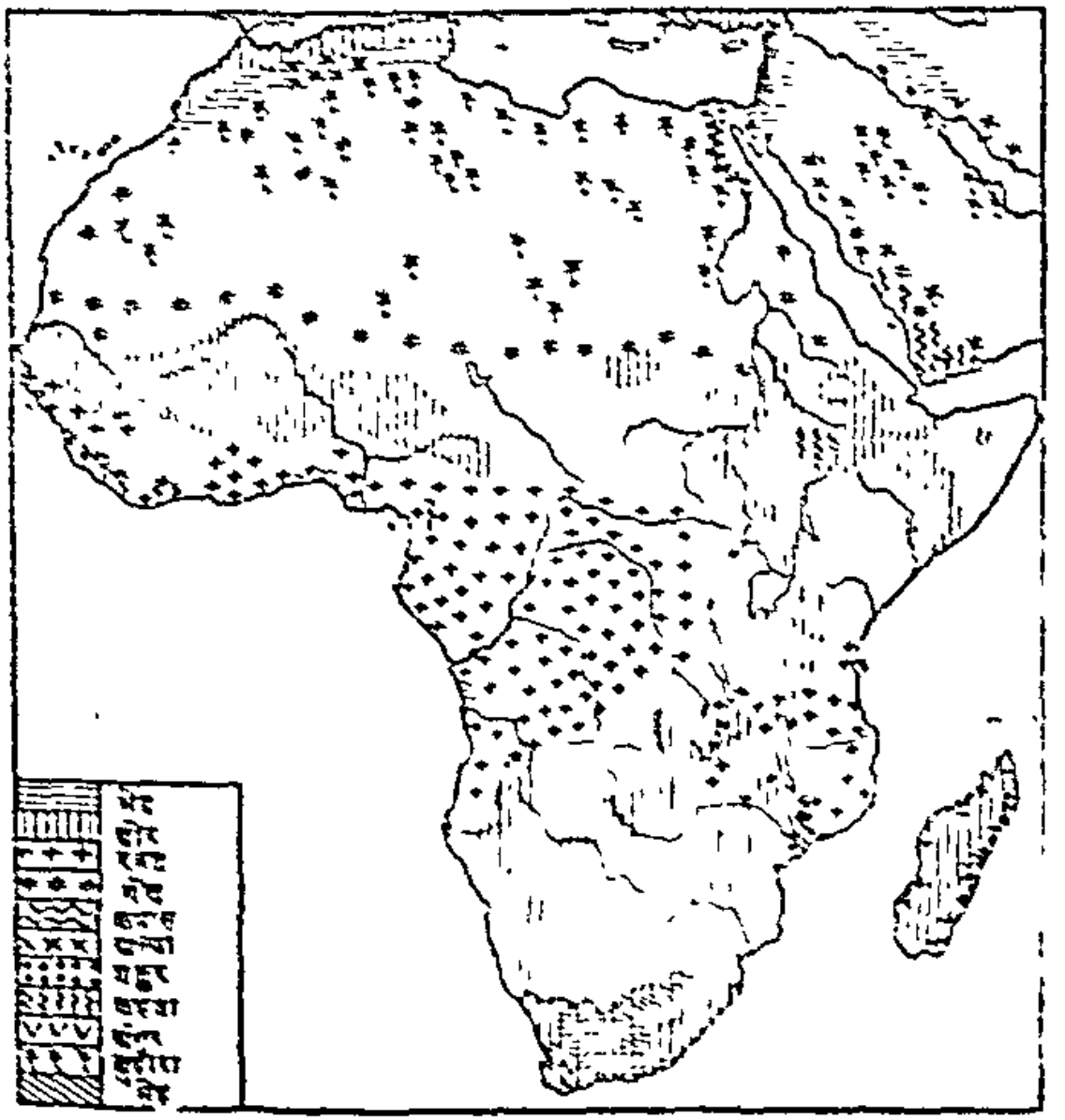

अफ्रीका की सम्पत्ति।

अंगोला—(४,८१,००० वर्ग मील, जन-संख्या ४१ भीतरी ऊंच पठार खुला हुआ मैदान है और निचले सघन

षष्ठ अध्याय

दक्षिणी अफ्रीका

[illegible] नदी के दक्षिण में अफ्रीका का [illegible] पठार है। [illegible] मैदान कहीं भी प्रायः ४० मील से अधिक चौड़ा नहीं है। इस मैदान के ऊपर अफ्रीका का [illegible] की सीढ़ियों के समान ऊँचा उठा हुआ है [illegible] कई सौ मील को [illegible] डर्बन [illegible] कुछ की [illegible] ड्रेकन्सबर्ग [illegible] पहुँचने [illegible] को [illegible] आरेंज [illegible] वाल [illegible] [illegible] लन्डबर्ग [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] वेल्ड [illegible]

[illegible]

(२) तट के पीछे का प्रदेश अधिक ऊँचा, समशीतोष्ण और पहाड़ी है यहां हरे भरे चरागाह हैं। गेहूँ, जौ, मकई और आलू खूब उगते हैं।

(३) और अधिक भीतर की ओर पहाड़ तथा उच्च मैदान हैं। यह भाग भेड़ और ढोर चराने के काम में आता है। **डर्बन** इस देश का प्रधान बन्दरगाह और यहां रेलवे लाइनों का अन्तिम स्टेशन है। यहां से एक रेलवे पठार पर चढ़ कर इस देश की राजधानी **पीटर मारित्सबर्ग** को जाती है [illegible] **लेडीस्मिथ** पहुँचती है [illegible] **केप-टु-केरो रेल** से [illegible]

ऑरेंज फ्री स्टेट [illegible]

[illegible]

बोअर-वाले [illegible]

[illegible]

ट्रान्सवाल [illegible]

[illegible]

प्रिटोरिया [illegible]

हवादार होते हैं। खानों में काम करनेवाले तथा इन्हीं से व्यापार करनेवाले शहरों में भरे पड़े हैं। ये लोग सदा रहने के लिए नहीं आते, इसलिए जल्दी में टीन व लोहे के घर बना लेते हैं।

बेचुआनालैंड (२,७२,००० वर्गमील, जन-संख्या सवा-लाख) केप-उपनिवेश के उत्तर में स्थित है। यहाँ पानी का प्रायः अभाव है। वैसे जलवायु अच्छी है। यह एक अंगरेजी "रक्षित राज्य" है अर्थात् अंगरेज़ी सरकार इस देश को अपने राज्य में मिलाये हुए है। यहाँ शासन करने का अधिकार रखता है [illegible] दूसरी योरुपीय जातियों को यहाँ नहीं आने देता

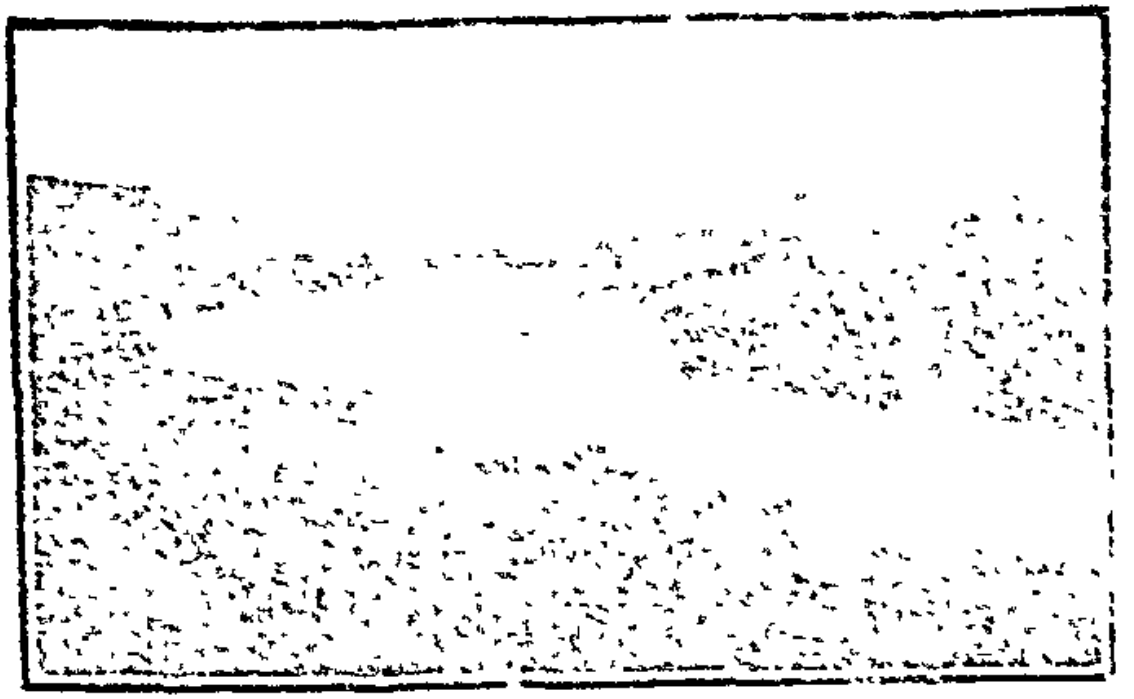

[illegible]

बसूटालैंड [illegible]

[illegible]

भारतवर्ष का मानचित्र

करते हैं। लेकिन कार्डिलेरा चौड़ा तथा ऊँचा होता जाता है और **लिवरपूलरेंज** (४,५०० फुट) **न्यू-इंगलैंडरेंज** और **मैकफर्सनरेंज** (५,५०० फुट) के नाम से प्रसिद्ध है। क्वीन्सलैंड में पश्चिम से लेकर पूर्व तक पहाड़ी प्रदेश की चौड़ाई २०० मील है और केपयार्क से [illegible] में इसके **बेलेंडिकनकर** नामक [illegible] की ऊँचाई साढ़े पाँच हज़ार फुट हो गई है।

ये पहाड़ियाँ विस्तृत नहीं हैं परन्तु जिन पहाड़ों के ये भाग हैं, वे इनसे भी कहीं अधिक [illegible] [illegible] [illegible] **ग्रेट डिवा-इडिंग रेंज** [illegible] [illegible] **ग्रेन लोनाह** [illegible] **मध्यवर्ती मैदान**— [illegible] **आयर झील** [illegible]

नदियों द्वारा क्रीस्सलैंड के पठार की मिट्टी इसमें बह आने से इस झील का आकार बहुत छोटा हो गया है। टारेन्स झील प्रायः सौ मील लम्बा नमक का दलदल है।

आर्टिज़यन प्रदेश—कार्पेंट्रिया की खाड़ी और **डार्लिंग-नदी** की सहायक **मरम्बिजी** के बीच के प्रदेश को प्रायः आर्टिज़न प्रदेश कहते हैं। यह उत्तर से दक्षिण तक १,८७० मील लम्बा तथा पूर्व से पश्चिम तक ३०० मील चौड़ा है। यह जल सोखने-वाली तहों से बना हुआ है जिनमें होकर पानी बह जाता है और नीचे का

[illegible]

[illegible]

[illegible] होता है [illegible] और भी आर्टिज़यन प्रदेश है।

पश्चिमी पठार—यह प्रदेश [illegible] सख्त चट्टान

रेखा तक पहुँची है। इस रेखा के आगे पानी का तापक्रम इतना ऊँचा नहीं रहता जिसमें मूँगे का कीड़ा जीवित रह सके।

भीतरी प्राकृतिक समतलता से टक्कर लेने में सपाट तट भी कुछ पीछे नहीं है। स्पेन्सर और कारपेन्ट्रिया की खाड़ियों के समीप ही तट कुछ कुछ कटा फटा है। ग्रेट **आस्ट्रेलियन बाइट** के किनारे किनारे ऊँची ऊँची प्रायः चूने की दीवारें चली गई हैं।

आस्ट्रेलिया की नदियाँ—आस्ट्रेलिया के समुद्र तटवाले मैदान बहुत ही संकुचित हैं इनमें होकर छोटी छोटी नदियाँ बहती हैं। **स्वान** नदी पश्चिमी पठार के किनारे से निकल कर हिन्द-महासागर में गिरती है। पूर्वी [illegible] **बरडेकिन फिट्ज़राय, ब्रिस्बेन, हंटर** तथा [illegible] के किनारेवाले [illegible] दरसाती है [illegible] समकोण [illegible]

यदि **डार्लिंग** [illegible] **कंडेमाइन** [illegible] **न्यूकैंसल** तथा **लिवरपूल** [illegible] **ब्लू नीले** [illegible] **मरम्बिजी** [illegible] **वया** [illegible] **मरे** [illegible]

के किनारे को सूर्य के सामने कर लेते हैं। कुछ की चमड़े के समान पत्तियाँ होती हैं। कुछ तेल बहा कर जमा लेते हैं और कुछ पानी की तलाश में अपनी जड़ों को अत्यन्त गहराई तक पहुँचा देते हैं इस प्रकार की बिरली, छोटे क़द की वनस्पति को कटीली झाड़ी या स्क्रब

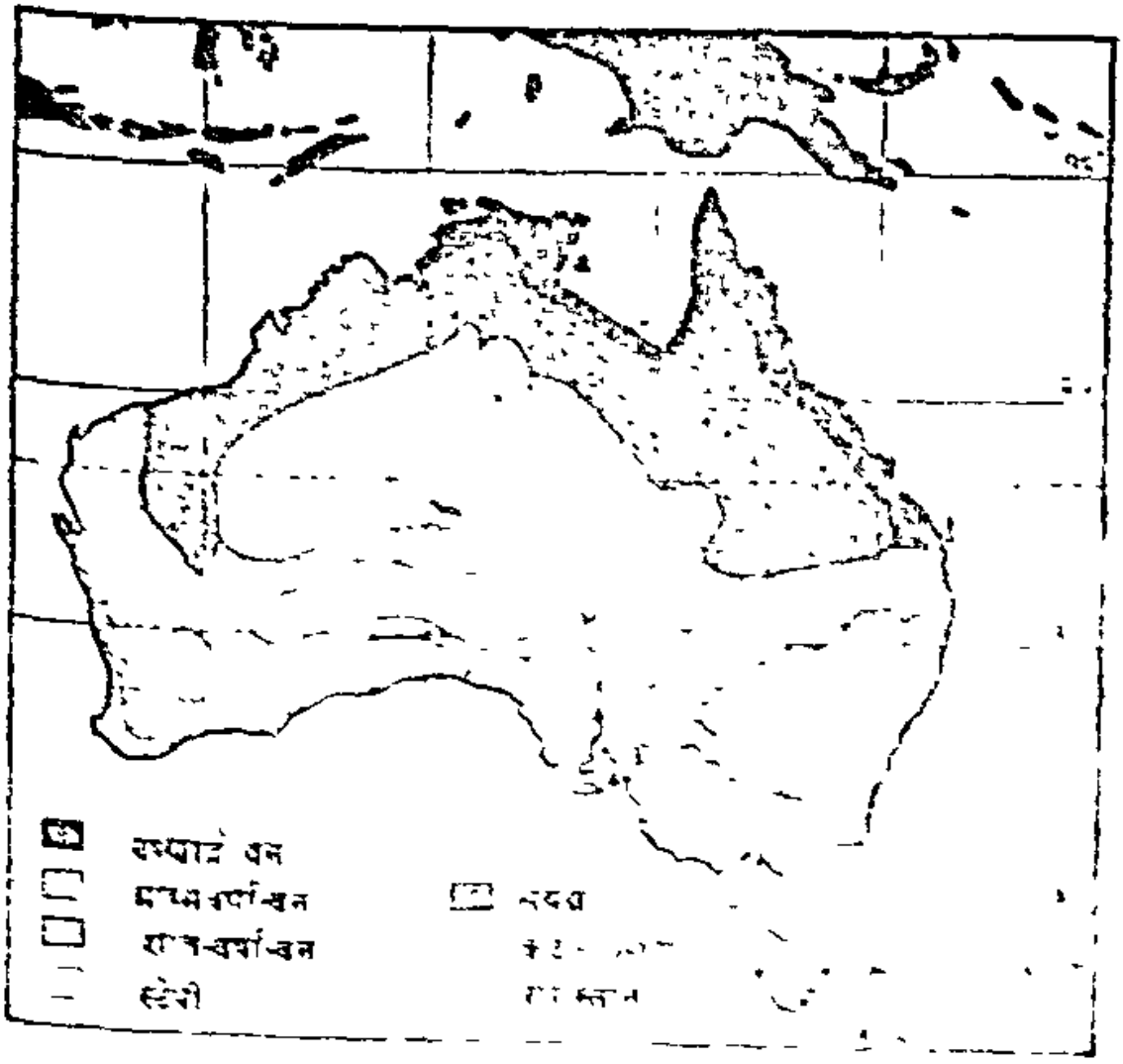

आस्ट्रेलिया की प्राकृतिक वनस्पति

रहते हैं। माला-स्क्रब कुरूप [illegible] होता है [illegible] तीन गज ऊँचा होता है और [illegible] कि इसका [illegible] प्रायः दुर्गम हो जाता है। [illegible] विक्टोरिया के [illegible] वर्ग [illegible] ऐसे ही सघन जङ्गल [illegible] है [illegible] विक्टोरिया के

[illegible] है और [illegible] की ओर [illegible] हो गया है।

अनेक प्राकृतिक [illegible] और [illegible] हैं। [illegible] के [illegible] और [illegible] है। [illegible] हैं। [illegible] [illegible] और [illegible] हैं। [illegible] और [illegible] के [illegible] के लिए [illegible] की [illegible] और [illegible] हुआ। [illegible] हैं [illegible] और [illegible] है

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] हॉलिंग-हाउस [illegible]

[illegible]

होती है, रिवरीना प्रान्त का पानी अपरलाचलान और मरम्बिजी-द्वारा डार्लिंग में बह जाता है। यहाँ सिँचाई हो जाने पर गेहूँ और भाँति भाँति के फल पैदा होते हैं।

सिडनी आस्ट्रेलिया का सबसे पुराना नगर है। यह समुद्र के एक मनोहर भाग में स्थित है। यह जल-विभाग बहुत दूर थल के भीतर तक चला गया है। यहाँ गहरे पानी का १०० मील विस्तार है। कई पथरीले स्थल से सुरक्षित होने के कारण यह दुनिया के मनोहर और उपयोगी बन्दरगाहों में से एक है। न्यूसाथवेल्स के तट के मध्य में स्थित होने से यह अनुकूल राजधानी बन गया। इसकी स्थिति और बनावट इतनी मनोहर है कि यह नगरी [illegible] कहलाती है, [illegible] यहाँ तैयार किया जाता है [illegible] की छाल [illegible] की लकड़ी [illegible] चिर्दा बनती है [illegible] में स्थित है [illegible] न्यूकासल [illegible] [illegible] बेयर्स्ट [illegible] [illegible] गोलबर्न [illegible]

[illegible] अधिक (३,००० [illegible]) [illegible] है। [illegible] इसे [illegible] से [illegible] है, इसकी [illegible] का [illegible] में [illegible] जाता है, [illegible] और इसके [illegible] ने इसे [illegible] से पृथक् कर दिया है। [illegible] के [illegible] और [illegible] के पहाड़ बने हुए हैं। इनके बीच **पेर्टफिलिप** का [illegible] में से [illegible] है। [illegible] ६,००० फुट से भी अधिक [illegible] है। इसकी तरह **बड़े** [illegible] है [illegible] [illegible]। [illegible] के [illegible] है। [illegible] के [illegible] है [illegible] **ईलाराट** [illegible] **टिमी** [illegible]

खानों में खुदाई होती है। और खुश्क प्रदेश में स्थित जेराल्डटन बाल्गू और मरकीसन प्रान्तों का सोना, तांबा और पारा बाहर भेजता है।

इस उपनिवेश में खानों के सामने खेती व चराई का कुछ भी महत्त्व नहीं है। पटार से पश्चिम की ओर बहनेवाली नदियों की घाटियाँ उपजाऊ हैं। इनमें गेहूँ उगाया जाता है और भेड़ें व ढोर चराये जाते हैं। उत्तर में समुद्रतट से लगा हुआ किम्बरली प्रदेश उपजाऊ है। फिट्जराय की घाटी में चराई होती है, पर जलवायु बसने योग्य नहीं है। वहाँ नगर या तो सोने की खानों के छोटे छोटे केन्द्र हैं, या बन्दरगाह हैं, जहाँ मोती, सूँगे निकालने का काम होता है।

आस्ट्रेलिया में शहरों की जन-संख्या बढ़ रही है, पर गाँवों की घट रही है। [illegible] में तीन लाख ८० हजार वर्गमील है। पर इस समस्त उपनिवेश की आधे से भी अधिक जन-संख्या एक एडोलेड शहर में बसी हुई है। इसी प्रकार विक्टोरिया और न्यूसाउथवेल्स में क्रमशः [illegible] व [illegible] फी सदी जन-संख्या [illegible] एक शहर में [illegible] हुई है। आस्ट्रेलिया भर की सारी आबादी [illegible] में निवास करता है। शहरों में [illegible] में [illegible] समस्या बड़ी कठिन [illegible] सस्ता [illegible] गये। पर गाँवों [illegible] शहरों के प्रलोभनों [illegible] जन-संख्या [illegible] शिक्षा निःशुल्क, अनिवार्य तथा [illegible] है। उच्च शिक्षा निःशुल्क नहीं है पर [illegible] है जिससे अत्यन्त निर्धन बालक भी उच्च से उच्च शिक्षा पा सकें। कृषि तथा

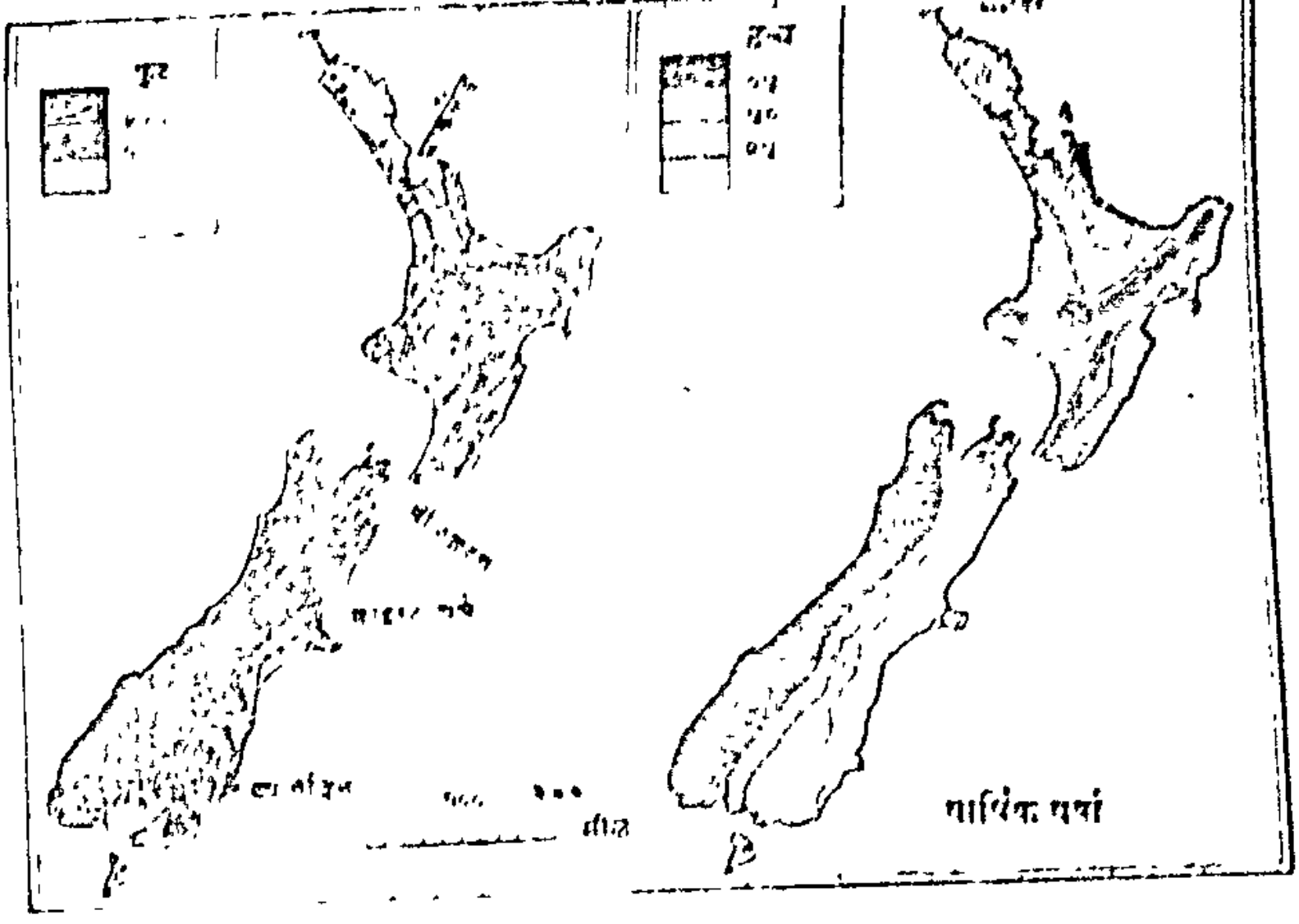

न्यूजीलैण्ड के प्राकृतिक विभाग और वर्षा।

इनका रङ्ग भूरा और शरीर गठा हुआ होता है। ये लोग बुद्धिमान् और चतुर होते हैं। आस्ट्रेलिया के मूलनिवासियों और इनमें आकाश-पाताल का अन्तर है। योरुपियों के आने के पहले ही ये लोग सभ्य थे। इसलिए इन्होंने अपने देश को गोरों के आक्रमण से बचाने में बड़ी वीरता का परिचय दिया। विदेशी आक्रमण से भयभीत होकर ये कहा करते थे कि जैसे गोरों के चूहे ने हमारे चूहे को नष्ट कर दिया और जैसे विलायती मक्खी देशी मक्खी और विलायती घास देशी झाड़ी को दूर कर रही है, उसी प्रकार गोरों के फैलने से हम (माओरी) लोग भी नष्ट हो जायँगे। फिर भी [illegible] में कुछ जिले माओरी लोगों के लिए सुरक्षित हैं। इस समय इनकी संख्या प्रायः ५० ००० है। विलायती रहन-सहन [illegible] कुशलता दिखाई [illegible] करते हैं [illegible] अंगरेजी हैं [illegible]

पेशे—[illegible]

[illegible] है **केन्टरबरी** [illegible]

[illegible]

मूल्यवान् दिसावरी वस्तु हैं। मक्खन, पनीर, खाल और चमड़ा भी बाहर भेजा जाता है। मूल्य के अनुसार बाहर जानेवाली वस्तुओं में सोने का दूसरा स्थान है। विलायत पहुँचने में कई सप्ताह लग जाते हैं। इसलिए अच्छी दशा में रखने के लिए मांस और मक्खन आदि ठंडी कोठरियों* में बन्द रक्खे जाते हैं। लोहा, फ़ौलादी सामान और कपड़े बाहर से आते हैं।

---

*हिम-गृह प्रायः समुद्र तट के पास बनाया जाता है जिससे जहाज पर सामान लादने में सुभीता हो।

पहले भेड़ें बड़ी सफ़ाई [illegible] उतार ली जाती हैं [illegible] रखते हैं। फिर [illegible] यह एक बड़ा कमरा [illegible] धूप और गरमी [illegible]

कभी कभी [illegible] है। बाहर [illegible] जाना पड़ता है [illegible] कर [illegible] कर लेता है [illegible] मुँह से [illegible] दुकान [illegible] लटका रहता है [illegible] विलायत [illegible] वायुमंडल [illegible] बाहर की खुली हवा में [illegible]

हिम-गृह में कठोर जाड़े [illegible] जोर से [illegible] ताप क्रमवाली है [illegible]

अनुक्रमणिका तथा कोष।

अज़र बैजान, Azerbaijan ४६
अज़ोव, Azov, १२२,१६८
अटलांटिक, Atlantic Ocean १२२
अन्तः प्रवाह, Inland drainage area ४
अदन, Aden ६६
अनाम, Anam ६४
अफ़्ग़ानिस्तान, Afghanistan ६५
अमूर नदी, Amur ११,३६
अर्गेबर्ज़, Engelberge १५५
अर्जेन्टाइना, Argentina २१३
अरब, Arabia ७,६८
अरल सागर, Aral Sea ३,४
अल्टाई, Altai ५
अल्प्स, Alps १२४
अलप्पो, Aleppo ५१,५२
अस्पलाता दर्रा, Uspallata Pass २१३
अक्षांश, Latitude २
(आ)
आइरिश-फ्री-स्टेट, Irish Free State २३८
आइबेरियन प्रायद्वीप, Iberian Peninsula १२८
आइसलैंड, Iceland १५८
आक्सफ़र्ड, Oxford २३८
आग्नेय धरती, Volcanic Soil ४६४
ओंटारियो, Ontario २६७
आर्डेन्स, Ardennes १८८,१७५
आपुसम (पशु), Opossum ४३२
आर्मेनियन पठार, Armenian Plateau ४८
आयर झील, Eyre L. ४१७,४१८
आयरन गेट, Iron gate १२८
आर्कटिक वृत्त, Arctic circle ३
आर्नो नदी, Arno R. २८४
आर्टिज़ियन कुआं, Artesian Well ४१६
आर, Aar १८६
आरेंज फ्री स्टेट, Orange Free State ४२६
आलबेनी, Albany ४५४
आशिकाग, Ashio ८७
आस्ट्रिया, Austria १८७
आस्ट्रेलियन, अल्प्स Australian Alps ४१६,४२१
आस्लो, Oslo १४४
(इ)
इक्वीटास, Iquitos २३६
इक्वांग, Ichang ७१,७२
इटना, Etna २०५
इटली, Italy २००
इंडोचीन, Indo China २८,६१
इन नदी, Inn R. १२८,१५२,१८४
इर्कुट्स्क, Irkutsk ४५
इरिश, Irish ३८
इरावदी नद Irawadi १०

ओखोत्स्क समुद्र, Sea of Okhotsk [illegible]
ओटावा, Ottawa [illegible]
ओडर, Oder [illegible]
ओडेसा, Odessa [illegible]
ओरेगों, [illegible]
[illegible]

कस्केडी पहाड़, Cascades [illegible]
कहिरा, Cairo [illegible]
काकेशस, Caucasus [illegible]
काकेशिया, Caucasia [illegible]
[illegible]

कोस्टारिका, Costa Rica ३०५
कगारू द्वीप, Kangaroo Is. ४२०
क्यूरायल, Kurile Is. ६०
क्वेन लुन, Kuen Lun ४
क्राइस्ट चर्च, Christchurch ४६०
क्रास्नोयार्स्क, Krasnoyarsk ४५
क्रास्नो वोडस्क, Krasnovodsk ६२
क्लाइड, Clyde २१५
क्वीटो, Quito ३१३, ३३४
क्वीन्सलैण्ड, Queensland ४४२
क्यूबा, Cuba ३०८, ३०६
क्यूबेक, Quebec २३५, २६७, २६८, २६६
कृष्णसागर, Black Sea १६६, २११
क्रसमसद्वीप, Christmas Is ६६
क्वेटा, Queta ६५
क्रेनबेरी फल, Cranberry १२१
क्रोबेरी, Crowberry १२१
क्रोशिया, Croatia २०६

(ख)

खामसिन, Khamsin ३८४
खारकोफ, Kharkof १७१
खार्टूम, Khartum ३८७
खीवा, Khiva ६०
खोकन्द, Khokand ६०

(ग)

गल्फ स्ट्रीम, Gulf Stream ११६
गडियाना, Guadiana १६५
गाडेलक्विवर, Gaudalquiver १६५, १६८
गायना के पठार, Guiana Highlands ३१४
गार्डा, Garda १८४
गाल, Gaul १८२
गाल्वेस्टन, Galveston २६१
गिनी की खाड़ी, Gulf of Guinea ३५५
ग्वाको, Gauchos ३२४
गेन्ट, Ghent १७६
गेरोन बेसिन, Garonne Basin १७६
गेलापेगोस, Galapagos ३३५
गेहूं के प्रदेश, Wheat region २७५
गेम्बिया प्रदेश, Gambia, ३६६
गेलिशिया, Galicia १६१
गोटा, Gota १३६, १४४
गोथार्ड, Gothard १८४
गोथेन बर्ग, Gotenborg १४०, १४४
गोर्ज, Gorge १०
गोल्ड कोस्ट, Gold Coast ४००
गोल्डनगेट, Golden Gate २४८
गोल्ड रेंज, Gold Range २७८
गंगा, Ganges १०
ग्राज, Graz १८७
ग्रैन चाको, Gran Chaco ३४३
ग्रान्ड ट्रक पेसिफिक, Grand Trunk Pacific Ry. २४२
ग्लास्गो, Glasgow २१८, २१६
ग्वाटमाला, Guatemala ३०६
ग्वेक्विल, Guayquil ३३३
ग्रीन लैण्ड, Greenland १४७, २२५
ग्रेट कारू, Great Karroo ४०५
ग्रेट डिवाइड, Great Divide २४४
ग्रेट डिवाइडिंग रेंज, Great Dividing Range ४१७, ४२८

ग्रेट बियर Great Bear २३०
ग्रेट ब्रिटेन, Great Britain २१३
ग्रेट बेसिन, Great Basin २४६
ग्रेट बेरियर रीफ, Great Barrier Reef ४२०, ४४४
ग्रेट लेक्स, Great Lakes २३२
ग्रेट साल्टलेक, Great Salt Lake २४६,२८७
ग्रेट स्लेव, Great Slave २३०
ग्रेम्पियन, Grampian २१३
ग्लेमार्गन, Glamorgan २१८
ग्लोमेन, Glommen १३६

(च)

चराई, Grazing २७६
चाड, Chad ३६६
चाडियर प्रपात, Chaudiere Falls २७१
चार्टस टावस, Charters Towers ४४३
चाल्सटन, Charleston २६१
चिनक [illegible] २४१,२५०
चिम्बराजो, [illegible] ३१३
चिली, [illegible] ३१२,३३८
चीन [illegible]
चीन सागर, [illegible]
चीनी तुर्किस्तान, Chinese Turkestan ७३
चेंगकिंग, Chungking ७७
चेका स्लोवेकिया, [illegible] १६३
चेमल्पो, Chemulpo ६१
चैथम, [illegible] २१६
चोसन, Chosen ७३,६१

(ज)

जटलैंड, Jutland १४७
जर्मनी, Germany १५१
जरफ़्शा, Zarfashan ६०
जलविभाजक, Water parting १०८
जलशक्ति, Water-power १८५
जङ्गेरियनगेट, Zungarian Gate ३८
जाग्रोस, Zagros ४
जापान, Japan ८३
जाफा, Jaffa ५५
जाजटाउन, George Town ३३१
जावा, Java [illegible],१७७
जिबराल्टर, Gibraltar १६८,३४३
जीलैंड, Zealand १४७
जेनेवा, Geneva १८३,१८[illegible]
जेनोआ, Genoa २०२,[illegible]
ज्यूडरजी, Zuiderzee १७५

(झ)

झीलों का पठार, Lake-plateau ३८८

(ट)

टसमेनिया, Tasmania ४२५,४२०
टाउन्सविली, Townsville ४४५
टांकिंग, Tongking १०,६४
टानानेरिवो, Tananarivo ३६६
टारस पहाड़, Taurus ४,५१
टारस जलसंयोजक Torres Strait ४२०
टिटसिन, Tientsin ७५
टिटीकाका झील, Titicaca L. ३१२, ३१४

टिफ्लिस, Tiflis ४७, ७९
टिम्बक्टू, Timbuktu ३९८
टिसिनो, Ticino १८५
टीहुआंटीपेक, Tehuantepec २४१
ट्यूनिस, Tunis ३६२
तुला, Tula १६८
तूलूज़, Toulouse १७६
तुरिन, Turin २८२
टेगस नदी, Tagus १६५
टैम्पिको, Tampico ३८२
टेम्सनदी, Thames २१५
टेबिलबे, Table Bay ३५३
टेरा डेल्फ्यूगो, Tierra del Fuego ३२६
टैपेहाज़, Tapajose ३१५
टैगा, Taiga २२,३३
टैन्जीयर्स, Tangiers ३७७
टोबल नदी, Tobol ३७
टोबल्स्क, Tobolsk ४५
टोक्यो, Tokyo ८९
टुंड्रा, Tundra २१,२२,२७,१२१
ट्रान्स कास्पियन रेलवे, Trans-Caspian Railway ६२
ट्रांसिलवेनिया, Transylvania २८८
ट्रान्सकान्टीनेनटल रेलवे, Trans-continental २७८
ट्रान्सवाल, Transvaal ४२६
ट्रिनिडाड, Trinidad ३०८
ट्रिपोली, Tripoli ३७६
ट्रीस्ट, Triest २२२

(ड)

डगलस फर, Douglas Fir २५२
डच गायना, Dutch Guiana १७७
डबलिन, Dublin २२८
डर्बन, Durban, ४०६, ४१०
डलमेशिया, Dalmatia, २०८, २०६
डाउन्स, Downs ४३१
डान, Don १५६
डार्डनेल्स, Dardanelles १००
डार्लिंग, Darling ४१६, ४२१, ४४३
डिजान, Dijon १७८
डिनारिक अल्प्स, Dinaric Alps १६०
डिपी, Dieppe १८१
डिंगो, Dingo ४३२
डीट्राइट, Detroit २३३
डुलूथ, Duluth २६७
डूना, Duna १५६
डैकोटा, Dakota २८६
डेथवैली, Death Valley २४५
डेन्माक, Denmark १४७
डेन्यूब, Danube १०४, ११२, १२०, २०६, २०७, २०६
डेन्वर, Denver २६७
डेफ्ट, Delft १७६
डेमरारा, Demerara ३३२
डेल्टा ३८
डेवनपोर्ट, Devonport २१६
डैंजिग, Danzig १५८, १६३
डोब्रूजा, Dobruja २०७
ड्रेकन्सबर्ग पहाड, Drakensberg Mountains ४०४
ड्रेस्डन, Dresden १५८

नेपाल, Nepal ३३१
नैल, Nile ३८७
नैरोबी, Nairobi ३८९
न्यूकैलेडोनिया, New Caledonia ३९५
न्यूना, Nyasa ३११
न्यूफाउंडलैंड, Newfoundland ३९६
न्यूबरी, Newcastle ४२७
न्यूसैलेडोनिया, New Caledonia ३१२
न्यूगिनी द्वीप, New Guinea ४१७, ४२१, ४२३
न्यूजीलैंड, New Zealand ४४६
न्यूजर्सी, New Jersey ३९०
न्यूफाउंड लैंड, Newfoundland ३३८, ३९३
न्यूब्रन्सविक, New Brunswick ३९१
न्यूयार्क, New York ३९८, ३९४
न्यूसाउथवेल्स, New South Wales ४४५
न्यूहैंपशायर, New Hampshire ३९३

(प)

पश्चिमी अफ्रीका, West Africa ३८३
पश्चिमी घाट, Western Ghats ४८
पश्चिमी सूडान, Western Sudan ३९७
पहाड़ी इलाके, Western Highlands ४८
पहाड़ के वन, Deciduous forests ५८
पनामा, Panama ३०४, ३०६
पम्पास, Pampas ३३३
पराग्वेगुए, Paraguay—Parana ३१४, ३१५
परम्बुको, Pernambuco ३८३
पर्थ, Perth ४८९
पर्ल हार्बर, Pearl Harbour ३०३
पर्सिया, Persia ३९
पर्सीपुर, Persepolis ४
पारा, Para ३४८
पारको, Parco ३१३, ३१६, ३३६
पिरिहन, Piraeus ३११
पिरेनीज़, Pyrenees १०६, १७८, पिलेकोनेगे, Pilcomayo ३४३
पीट (ईंधन), Peat ३१८
पीटरमारिट्सबर्ग, Pietermaritzburg ४०६
पीनाइन, Pennines १८३, ३१६
पीतसागर, Yellow Sea ३
पीस, Peace ३७६
पुर्तगाल, Portugal ३६३
पूर्वी एशिया, Eastern Asia ७८
पूर्वी हिंदमहद, East Indies ६७
पेकिंग, Peking ७५
पेटागोनियन स्टेपी, Patagonian Steppe ३३६
पेन्सिलवेनिया, Pennsylvania ३९८
पेम्बा, Pemba ३९३
पेमब्रोक, Pembroke ३१८
पेरिस, Prairie १९
पेरिस, Paris ३८१
पेरू, Peru ३३५
पेरेगुए, Paraguay ३४६
पो, Po ३८८, ३८१

फेज, Fez ३७१, ३७३
फेरात, Ferrara ३७१
फेरोज़ीन, Faroe १९७, १९८
फेल्ट, Felt १३५, १८७
फोर्ट, Fort ३३१
फोर्ट विलियम, Fort William ३७३
फ्रान्स, France १७८
फ्रान्सीसी इन्दोचीन, French Indo-China ६४
फ्रीटाउन, Freetown ४००
फ्री स्टेट, Free State ३३०
फ्रेजर, Fraser २४३, ३७८
फ्रेंचबेलिज़, Frey Benico ३३१, ३४१
फ्लोरेन्स, Florence २७३, ३८४

(ब)

बगदाद, Bagdad १६१
बर, Burr १८
बटम, Batum ५०
बिराज़, Baffa ३३८
बलोडिवन गेट, Balaclava Gate १८१
बर्न, Bern १८३
बर्मिंघम, Birmingham १८४
बर्लिन, Berlin १८७
बर्लिन, Berlin १३८-१४१
बसरा, Bassora ३७१
बहामी, Bahama ३४१
बाकू, Baku ३७१
बाल्टिक, Baltic ३८१
बाल्टिमोर, Baltimore ३६१
बाल्टिकसागर, Baltic Sea १८८, १९१, १९१
बाल्टिक हाइट्स, Heights १८४
बाल्कन पहाड़, Balkan Mountains ११३
बासल, Basel १४४, १४१
बाली द्वीप, Bali Is. ३
बाहिया ब्लान्का, Bahia Blanca ३४४
बाहिया, Bahia ३४३
बास-स्ट्रेट्स, Bass Strt. ४८३
ब्रिटेनी, Britany १८८
ब्रिन्डिसी, Brindisi २८३, २८४
ब्रिटिश होंडुरास, Br Honduras ३८८
ब्रिटिशगायना, Br Guiana ३३१
ब्रिटिश सिमीलैण्ड, Guinea ३६६
ब्रिटोनिचान्स, Balaeonian ६४, ६५
ब्रुसल्सडेन, B M ४११, ४३१
ब्रिस्के, B ३८०
ब्रिस्टल, Bristol ४३१, ४४४
ब्रिस्टल द्वीप, B ४१३
ब्रिस्टल, Bristo ४१८
ब्रीच, Breech १८७
ब्रुकोविना, Bukowina २८३
ब्रुसारेस्ट, Bucharest २८८

भूमध्यरेखा-प्रदेश, Equatorial region १६८
भूमध्यसागर, Mediterranean Sea १,३४४
भूमध्यसागर प्रदेश, Mediterranean region २४,९४

(म)

मकररेखा, Tropic of Capricorn ३४६
मक्का, Mecca ६८
मजूरा, M[illegible]
मर्दान, M[illegible]
मध्यवर्ती मैदान [illegible]
३१४, ४९०
[illegible]

माटो ग्रासो, Matto Grasso ३१४, ३४८
मान्ट्रियल, Montreal २६६
मान्सूनी हवायें, Monsoon Winds ९०
मान्स, Mons १०१
मानटाना, Montana ३२१, ३३३, ३३४,३३७
मार्सेल्स, M[illegible] १८१
[illegible]

रेशेदार पौधे, Fibrous plants ३३
रोज़ारियो, Rosario ३४५
रोडाल्फ़, Rudolph ३६१
रोडेशिया, Rhodesia ४१०
रोन, Rhone ११८, १५६
रोम, Rome २०३
रोस्तोव, Rostov १७८
रयूस नदी, Reuss १२८, १८४

(ल)

लघुअरारात, Little Ararat ४८
लंकाशायर, Lancashire २१६
लैब्राडोर, Labrador २३८
लागुएरा, La Guaira ३३८
लाप्लाटा, La Plata ३४७
लापाज़, La Paz ३१७
लाब्रेडर, Labrador ६,६३
लामा, Llama ३१७
लानोज़, Llanos ३२१,३३८
लालसागर, Red Sea १,३४५
लारेन, Lorraine १५५
लारेंशियन पठार, Laurentian Plateau २३८,२३७
लास्एंजेलीज़, Los Angeles २४७
लासा, Lhasa ८१
लासेन, Lausanne २१८
लिऑन, Lyon १७८,२०२
लियोपोल्डविली, Leopoldville ४८२
लिटिलकारू, Little Karroo ४८५
लिथुएनिया, Lithuania १७७
लिपारी, Lipari २८५
लिल, Lille १८१
लिवरपूल, Liverpool २१५
लिवरपूलरेंज, Liverpool Range ४१७, ४२१
लिसबन, Lisbon १६७
लीड्स, Leeds २२८
लीज, Liege १७६
लीथ, Leith २२१
लीना, Lena ३८
लीवर्ड, Leeward ३०६
लुडविग, Ludwig १५७
लुरन, Luron ६८
लेकप्राय द्वीप, Lake-peninsula २७१
लेघार्न, २०३
लेटविया, Latvia १७२
लेडीस्मिथ, Lady Smith ४०६
लेनिनग्रेड, Leningrad ११६,१७८
लेब्राडार, Labrador २१४
लेशीन, Lachine २३५
लेस्डीज़, Landes १७६
लैप, Lapps १३८
लोअर कारू, Lower Karroo ४८६
लोअर फ्रेज़र, Lower Fraser २८८
लोबीटो, Lobito ३१८
लोहूर, Lodz १६७
लोवेन, Louvain २१२
लोवाक द्वीप, Lowe Island ३
लोवान पर्वत, Lau Plateau १८८
लंदन, London २१४,२०१
लांगफ़ोर्ड, Langford ७८
लिंकनशायर, Lincolnshire २१६
लोथियन, Lothian ६

हिमालय, Himalayas ४,६
हुआलागा, Huallaga ३१६, ३३६
हुरनझील, Huron L. २७१, २३०
हेइटी Haiti ३०८, ३०९
हेक्ला पहाड़, Hekla १५०
हेग, Hague १७६
हेमिल्टन, Hamilton २७२
हेरात, Herat ६५
हेलमन्द नदी, Helmand ६५
हेलीफैक्स, Halifax २३५, २६५, २६६, २७८
हेलसिङ्ग फोर्स, Helsingfors १७३
हैम्बर्ग, Hamburg १५९
होकैडो, Hakkaido ८७
होबार्ट, Hobart ४५१
हङ्गारियन गेट, Hungarian gate १९०
हंगरी, Hungary १९०
ह्वांगहो, Hwangho ११, १२, ७०, ७१, ७२, ७५, ७९
ह्यू, Hue ९४

(क्ष)

क्षेत्रफल, Area १

(त्र)

त्रिबिजन्द, Trebizond ५१

और वर्षांक ।

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]